■ पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका
- 12

■ अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे
- 12

■ परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका
- 13

■ विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया
- 14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.56

सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 331, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों पर सैलानी

शिमला : नए साल का जश्न मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल सैलानियों से पैक हो गए हैं। शिमला में कड़ाके की ठंड के बाद भी मंगलवार की शाम को रिज में अच्छी चहल-पहल देखी गई।

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान हमसे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

● टैरिफ वार के बीच पकड़ी रॉकेट सी रफ्तार, 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरे स्थान पर होंगे हम

भारत 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2030 तक जर्मनी को पीछे करके तीसरे स्थान पर पहुंचने की स्थिति में है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। भारत लगातार मजबूत वृद्धि आंकड़ों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया और अनुमान है कि 2030 तक 7,300 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जर्मनी को तीसरे स्थान से हटाने की स्थिति में है।

आईएमएफ का अनुमान

आईएमएफ के साल 2026 के अनुमानों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर की होगी। यह जापान के अनुमानित 4.46 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। सरकार का यह आशावादी दृष्टिकोण ऐसे समय में आया है जब अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण अर्थव्यवस्था को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये टैरिफ भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़े थे।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जबकि चीन दूसरे स्थान पर है। बयान में कहा गया कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो वैश्विक व्यापार में बनी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मजबूती को दर्शाती है। मजबूत निजी उपभोग जैसे घरेलू कारकों ने इस विस्तार को सहारा देने में प्रमुख भूमिका निभाई। बयान में विभिन्न संस्थानों के अनुमानों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है।

विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। वहीं मूडीज का अनुमान है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने 2025 के लिए अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

ब्रीफ न्यूज

14 जनवरी से रेलवन एप से अनारक्षित टिकटों की खरीद पर 3% छूट

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। फिलहाल, यह एप पर आर-वॉलेट भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक प्रदान करता है। इस संबंध में रेल मंत्रालय की ओर से रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को सॉफ्टवेयर प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया, डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

नक्सलियों को विस्फोटक आपूर्ति में पांच पर आरोपपत्र

नई दिल्ली। एनआईए ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के लिए विस्फोटकों की खरीद और आपूर्ति से जुड़े साल 2024 के एक मामले में चार भगोड़ों समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को आरोपपत्र दायर किया। गिरफ्तार आरोपी मनीष सोढ़ी और चारों फरार अभियुक्त सोढ़ी केसा, मनीला, मडकम केसा व सोढ़ी लखमा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के निवासी हैं।

भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार, युवा आबादी इसका मुख्य इंजन : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- सुधारों के बाद हमारी तरफ उम्मीद एवं भरोसे से देख रही है दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

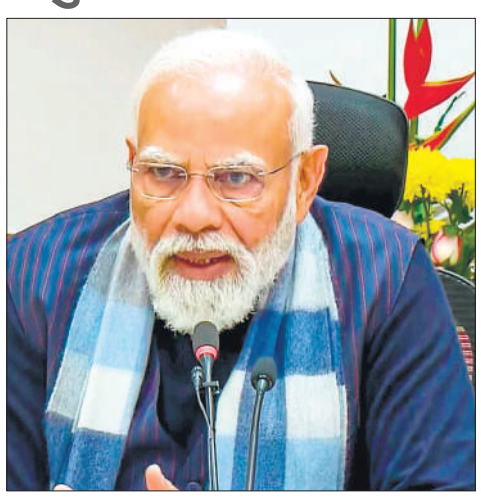

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने वाले अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की रफ्तार को जिस गति से बढ़ाया है, उसकी तारीफ दुनिया कर रही है। कहा कि भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है। प्रधानमंत्री ने पेशेवर सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर अपनी एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अपने लोगों के नवोन्मेषी उत्साह के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया है और अब दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है।

मोदी ने कहा, भारत के लिए 2025 एक ऐसा साल होगा जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में तैयार जमीन पर सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा। हमने संस्थाओं को आधुनिक बनाया, शासन को सरल किया और दीर्घकालीन समावेशी वृद्धि के लिए बुनियाद को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने जीएसटी, भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, श्रम कानूनों में सुधार और ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी कुछ प्रमुख पहलों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने जीएसटी में पांच और 18 प्रतिशत का दो-स्तरीय कर ढांचा लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-गहन क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। इसका मकसद विवादों में कमी लाना और अनुपालन को बेहतर करना है। इस सुधार से उपभोक्ता धारणा और मांग में वृद्धि हुई है।

त्योहारी मौसम में बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मोदी ने इस पोस्ट में मध्यम वर्ग को दी गई अप्रत्याशित राहत का जिक्र करते हुए कहा कि सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को अब आयकर नहीं देना है।

इसके अलावा 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलते हुए आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से बीमा दायरा बढ़ेगा, प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर विकल्प एवं सेवाएं मिलेंगी। संसद के मानसून सत्र में एक ही बार पांच समुद्री कानून पारित किए गए। मोदी ने चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू किए जाने का जिक्र किया जो मजदूरों के हित सुरक्षित करने के साथ कारोबारी परिवेश को भी मजबूत करता है। इसके अलावा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ एफटीए भी का भी जिक्र किया।

दीर्घकालिक वृद्धि के लिए मिशन रूप में सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में मिशन रूप में सुधार किए जाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि दीर्घकालीन आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित किया जा सके। प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों के संदर्भ में नीति आयोग में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत में यह बात कही। इस संवाद का विषय 'आत्मनिर्भरता एवं संरचनात्मक रूपांतरण, विकसित भारत के लिए एजेंडा' था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया और बजट निर्धारण में 2047 के लिए संकल्प को केंद्रीय रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक श्रम शक्ति और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाए रखना जरूरी है। मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प अब सरकारी नीतियों से इतर आमजन आकांक्षा बन चुका है। इस चर्चा में कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों ने शिरकत की। इनमें शंकर आचार्य, अशोक के भट्टाचार्य, एन. आर. भानुमूर्ति, अमिता बत्रा, जन्मेजय सिन्हा, अमित चंद्रा, रजनी सिन्हा, बसंत प्रधान, मदन सबनवीस, आशिमा गोयल, धर्मकीर्ति जोशी, उमाकांत दास, पिनाकी चक्रवर्ती, इंद्रनील सेन गुप्ता, समीरन चक्रवर्ती, अभिमान दास, राहुल बाजोरिया, मोनिका हलन और सिद्धार्थ सन्याल शामिल थे।

उत्तर प्रदेश में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन अब 6 जनवरी, 2026 को
● ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 6 मार्च को की जाएगी जारी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समय-सीमा में पुनः संशोधन किया है। इसके अनुसार एक जनवरी, 2026 के आधार पर तैयार की जा रही मतदाता सूची के लिए अब नई तारीख घोषित की गई हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि तारीख में हुए इस बदलाव का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट छह जनवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी के आधार पर राज्य में चल रहे एसआईआर कार्यक्रम की घोषित तारीखों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तारीखों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा।

पूर्व सांसद व ब्लॉक प्रमुख पति के खिलाफ एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● सड़क कब्जे के आरोप में पीड़ित पक्ष पर ही ने दर्ज की थी रिपोर्ट
● पीड़ितों की शिकायत पर इंस्पेक्टर को किया गया लाइन हाजिर

अमृत विचार: अहिमामऊ स्थित स्वास्तिका सोसाइटी में दीवार खड़ी कर सड़क कब्जे के मामले में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में पूर्व सांसद धनंजय सिंह, ब्लॉक प्रमुख पति विनय सिंह, सरकारी गनर समेत दस अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, कब्जा कराने के लिए आरोपियों का साथ देने वाले इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह को पुलिस आयुक्त ने लाइन हाजिर कर दिया। मामले में कार्रवाई के लिए प्रभारी मंत्री ने कहा था। इसके बाद भी इंस्पेक्टर ने किसी की नहीं सुनी और पीड़ित पक्ष पर ही रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पूरे प्रकरण की जांच एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव को सौंपी गई है।

सुल्तानपुर रोड स्थित स्वास्तिका सिटी में कौशल तिवारी, धीरेंद्र मणि त्रिपाठी, रवि बाजपेई, नीरज कुमार सिंह, सुनीता सिंह व रामू समेत अन्य परिवार रहते हैं। पीड़ित कौशल तिवारी ने बताया कि उनके बगल में जौनपुर के महराजगंज विकास खंड की ब्लॉक प्रमुख मांडवी सिंह ने 4500 वर्गफीट जमीन लेकर मकान बनवाया है। उनके बैनामे में दक्षिण दिशा में 20 फीट चौड़ी सड़क दर्शाई गई है, जो पिछले करीब 20 वर्षों से डामर रोड के रूप में कॉलोनी में आने-जाने के लिए सुचारू रूप से संचालित है। मांडवी सिंह का पति विनय सिंह सरकारी गनर व आठ-दस असलहाधारियों को लेकर चलता है। 29 दिसंबर की शाम करीब चार बजे विनय सिंह अपने सरकारी गनर विपुल यादव और दस अज्ञात असलहाधारी लोगों के साथ पहुंचे और ईंट की दीवार खड़ी कर सड़क बंद करने लगे। कॉलोनीवासियों ने विरोध किया तो आरोपियों ने लाइसेंसी राइफल तानते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ितों का कहना है कि विनय खुद को पूर्व सांसद धनंजय सिंह का रिश्तेदार बताते हुए मोबाइल पर उनसे बात कराकर धमकी दिलवाते रहे, जिसका वीडियो भी मौजूद है। मंगलवार को कॉलोनीवासियों ने पुलिस आयुक्त से मिलकर शिकायत की। पुलिस आयुक्त ने इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह को लाइन हाजिर करते हुए एसीपी को जांच सौंपी। साथ ही रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने विनय सिंह, सरकारी गनर, पूर्व सांसद धनंजय सिंह व दस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विनय और धनंजय सिंह पर दर्ज मामले की जांच एसीपी को सौंपी गई है। स्थानीय चौकी इंचार्ज की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा नियमानुसार कार्यवाही होगी।
-निपुण अग्रवाल, डीसीपी दक्षिण

छह राज्यों में बारिश का अलर्ट, यूपी में बिगड़ेगा मौसम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● पहाड़ों पर हिमपात के कारण तापमान दो से तीन डिग्री गिरने की संभावना
● वर्ष के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घने कोहरे के आसार

अमृत विचार : नववर्ष के आगमन की तैयारी के बीच मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने उत्तर भारत के छह राज्यों में बारिश की चेतावनी दी है। लोगों से इस दौरान सतर्क रहने की अपील की गई है।

दरअसल, पहाड़ी इलाकों में कुछ जगहों पर भारी हिमपात की संभावना है, जिससे उत्तर प्रदेश के भी तमाम जिले प्रभावित होंगे। बारिश और हिमपात के कारण तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। इस बीच उत्तर प्रदेश में वर्ष 2025 के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घना कोहरा मुश्किल हालात पैदा कर सकता है। सुबह के वक्त यात्रा करने वाले लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। जिन जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है, उनमें लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर, सीतापुर, गोरखपुर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, बहराइच, गोंडा, सैफई, मैनपुरी, बिजनौर, रामपुर, बलरामपुर, आगरा, मुजफ्फर नगर, अमेठी, मेरठ और बरेली शामिल हैं। दूसरी ओर वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर की शाम से छह राज्यों उत्तराखंड, दिल्ली, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान लोगों से काफी सतर्क रहने की अपील भी है। बारिश की वजह से पारा तेजी से गिरने की संभावना जताई गई है।

48 घंटे के भीतर दूसरा भेड़िया ढेर

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज वन रेंज में वन विभाग ने मंगलवार को मादा भेड़िए को मार गिराया। बीते 48 घंटों में यह दूसरा भेड़िया है जिसे वन विभाग ने शूट किया है। भेड़िए के मारे जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

मंगलवार को भिरगू पुरवा के पास भेड़िए की मौजूदगी की सूचना मिली थी। रेस्क्यू टीम को देखकर भेड़िया खेतों की ओर भागने लगा, जिसके बाद शूटर ने उसे गोली मार दी। चेहरे पर गोली लगने से भेड़िया मौके पर ही ढेर हो गया। इससे पहले, रविवार को भी वन विभाग ने इसी इलाके के बिरजा पकड़िया क्षेत्र में एक भेड़िए को शूट किया था। वहीं प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गश्त के दौरान भेड़िए को देखा गया और पीछा करने के बाद उसे गोली मार दी गई।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम जिया का निधन

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया ने देश में उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा था। जिया के बड़े बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा, मेरी मां अब हमारे बीच नहीं रहीं। जिया बीएनपी की अध्यक्ष थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिया के निजी चिकित्सक डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। जिया तीन बार प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष भी रह चुकी थीं। जिया के जनाजे की नमाज बुधवार को संसद परिसर के सामने ढाका मानिक मियां एवेन्यू में होने की उम्मीद है।

दुर्भाग्यपूर्ण | दोषसिद्धि रद्द करते बेंच ने माना कि सजा पाने वाले नहीं, वरन किसी अन्य ने की थी हत्या

38 वर्ष से सजा भुगत रहे हत्यारोपियों को हाईकोर्ट ने किया रिहा

विधि संवाददाता,प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे तीन आरोपियों को बरी करते हुए पाया कि यह गुप्त हत्या थी, जिसे किसी अन्य व्यक्ति ने अंजाम दिया। इसके साथ ही अभियोजन पक्ष अपने मामले को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। ट्रायल जज ने रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों का सही परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन नहीं किया। साथ ही अनुमानों और साक्ष्यों के अनुचित मूल्यांकन के आधार पर अपीलकर्ताओं के अपराध के संबंध में गलत निष्कर्ष निकाले गए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जेजे व मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने लाला और अन्य की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने माना कि प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य और चिकित्सकीय साक्ष्य के बीच गंभीर और अपूरणीय विरोधाभास है। जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। मामले के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भाई को 11 आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला और एफआईआर दर्ज कराने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। ट्रायल कोर्ट ने सभी आरोपियों को आईपीसी की धारा 147 व 302,149 के तहत पुलिस स्टेशन सोरांव, प्रयागराज में 1987 में दर्ज मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अपील की सुनवाई के दौरान 11 में से आठ आरोपियों की मृत्यु हो जाने से उनके विरुद्ध अपील समाप्त हो गई। शेष तीन की अपील पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह संभव नहीं है कि 11 हमलावरों ने मृतक को जान से मारने की नीयत से एक घंटे तक पीटा हो और उसके शरीर पर केवल 10 चोटें आई हों। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि सूचना मिलने के बाद मृतक का भाई और चाचा न तो हथियार लेकर गए और न ही घटनास्थल तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता अपनाया। इसके अलावा जिस लाठी प्रहार का विवरण गवाहों ने दिया, वैसी कोई चोट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नहीं पाई गई। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान मामले में चिकित्सा साक्ष्य प्रत्यक्षदर्शी के प्रत्यक्ष साक्ष्य का पूर्णतः खंडन करता है। शव पर पाए गए घाव प्रत्यक्षदर्शी के साक्ष्य का समर्थन नहीं करते हैं। इस तरह प्रत्यक्षदर्शी और चिकित्सा साक्ष्य में महत्वपूर्ण विरोधाभास मिलता है, जो अभियोजन पक्ष के मामले पर गंभीर संदेह पैदा करता है। कोर्ट ने यह भी माना कि मृतक की हत्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा रात के अंधेरे में की गई थी और अभियोजन पक्ष आरोपी के अपराध को साबित करने में 'पूरी तरह से विफल' रहा, अतः कोर्ट ने तीन जीवित आरोपियों को बरी कर दिया।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण आज

अमृत विचार, अयोध्या : राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ पर पहली बार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अयोध्या पहुंच रहे है। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे। राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे अनुष्ठान के अंतिम दिन 31 दिसंबर को रक्षा मंत्री सुबह 11.30 मिनट पर मंदिर परिसर पहुंचेंगे। रामलला के दर्शन करने के बाद अनुष्ठान में शामिल होंगे। जिसके बाद परकोटा के उत्तरी भुज पर स्थित मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। लगभग दो बजे अंगद टीला पर बने विशाल पंडाल में सीएम योगी आदित्यनाथ और राजनाथ सिंह अयोध्यावासियों को संबोधित करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी भगवान के पाटोत्सव का दूसरा वर्ष है। 31 दिसंबर 2025 के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पूजा पाठ हो रहे है। कानपुर की टोली से श्री राम चरित मानस का पाठ 5 दिन तक चलेगा।और 31 दिसंबर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह समाज को संबोधित करेंगे। लोगों से अपील की गई है कि अपनी सुविधा के अनुसार संपर्क मार्ग से सुग्रीव पथ के रास्ते अंगद टीला पर पहुंच सकते है। प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में शामिल होने आ रहे केंद्रीय रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ लगभग पांच घंटे अयोध्या में बिताएंगे। इस दौरान दोनों नेता समारोह में शामिल होने के साथ श्री राम मंदिर में राम लला और हनुमानगढ़ी में मंदिर हनुमानजी की पूजा अर्चना करेंगे। शांति व सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है। केंद्रीय रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री लगभग 11 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह राम मंदिर जाएंगे। राम लला के पूजन अर्चन के साथ प्रतिष्ठा द्वादशी के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिला नया आयाम, अस्पतालों का शिलान्यास व आईसीयू का विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विभाग की सेहत सुधरी

- आधुनिक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य तंत्र का प्रदेशवासियों ने उठाया लाभ
- कई नई स्वास्थ्य इकाइयों का हुआ लोकार्पण, प्रदेशवासियों ने लिया भरपूर लाभ
- मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य पर रहा फोकस, पीडियाट्रिक केयर यूनिट और न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट में हुई बढ़ोत्तरी
- ई-संजीवनी, टेलीमेडिसिन, एंबुलेंस सेवाएं और टीबी उन्मूलन में हुई उल्लेखनीय उपलब्धि

अमृत विचार : वर्ष 2025 स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस वर्ष आधारभूत ढांचे के विस्तार से लेकर अत्याधुनिक इलाज सुविधाओं तक अनेक बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इन प्रयासों का सीधा लाभ प्रदेश की करोड़ों जनता को मिला है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनीं।

इस क्रम में इमरजेंसी कोविड रिलीफ पैकेज के तहत प्रदेश में चिकित्सा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती दी गई। वर्ष 2025 में कुल 83 नई स्वास्थ्य इकाइयों का लोकार्पण किया गया तथा एक बड़े अस्पताल का शिलान्यास हुआ। इनमें 26 आईपीएचएल लैब, 38 पचास बेड के फील्ड अस्पताल, 13 जनपदीय ड्रग वेयरहाउस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीसीबी यूनिट और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके साथ ही सीतापुर में 200 बेड के जिला चिकित्सालय का शिलान्यास भी किया गया।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में 1800 और जिला अस्पतालों में 1029 आईसीयू बेड स्थापित किए गए। ऑक्सीजन आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (MGPS) सहित 49 एलएमओ स्टोरेज टैंक स्थापित किए गए। इससे गंभीर मरीजों को समय पर जीवन रक्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एनएचएम की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल के मुताबिक, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके तहत 42 बेड वाले पीडियाट्रिक केयर यूनिट जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्थापित किए गए। वहीं 32 बेड वाले सभी 23 पीडियाट्रिक यूनिट पूरी से संचालित हुईं। इसके अलावा नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए प्रदेश में 412 न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट्स (एलबीएसयू) की स्थापना की गई। वर्ष 2024-25 में बाह्य रोगी सेवाओं में 27 प्रतिशत और अंतः रोगी सेवाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। संस्थागत प्रसव, सिजेरियन डिलीवरी, बड़े और छोटे ऑपरेशन, पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेवाओं में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ।

आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा

- साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा गया, जिनमें 248 कैंसर उपचार से संबंधित हैं। दिसंबर-25 तक लगभग 3,862 करोड़ रुपये का भुगतान अस्पतालों को किया गया। एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत करते हुए 2,249 नई एंबुलेंस बेड़े में जोड़ी गईं, जिनसे लाखों मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया।

आधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं घर के पास

- राज्य के 74 जिलों में सीटी स्कैन और सभी 75 जिलों में डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। जनवरी से नवंबर-25 के बीच 9.42 लाख सीटी स्कैन और 6.50 लाख से अधिक डायलिसिस सत्र संचालित किए गए। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एसेंशियल ड्रग लिस्ट का विस्तार किया गया, जिससे प्राथमिक से लेकर जिला अस्पताल स्तर तक दवाओं की संख्या बढ़ाई गई।

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलेंगे वाहन-मोबाइल

नववर्ष में 67 करोड़ से खरीदी जाएगी स्कूटी और मोबाइल हैंडसेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन शक्ति केंद्रों को और सशक्त करेगी सरकार, महिला सुरक्षा को मिलेगा बल
- मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र हैं स्थापित
- 6400 नई स्कूटी और 1600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर किया जा रहा विचार

आपात स्थिति में मौके पर पहुंच सकेंगी

दो पहिया वाहन मिलने से मिशन शक्ति की महिला कर्मी और पुलिस टीम किसी भी आपात स्थिति में तेजी से मौके पर पहुंच सकेंगी। वहीं, मोबाइल हैंडसेट से रियल टाइम मॉनिटरिंग, शिकायत दर्ज करना और उच्च अधिकारियों से समन्वय और बेहतर होगा।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की तैयारी है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में स्थापित 1600 मिशन शक्ति केंद्रों को अगले वर्ष अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा, जिससे महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके। सरकार की योजना के अनुसार वर्ष 2026 में मिशन शक्ति केंद्रों को दो पहिया वाहन और मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र/ थानों की स्थापना की गई थी। वहीं अब मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सशक्त करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मिशन शक्ति केंद्र पर 4 स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट की आवश्यकता सामने आ रही है।

ऐसे में मिशन शक्ति केंद्र के लिए कुल 6,400 नई स्कूटी और 1,600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। इन संसाधनों में करीब 67 करोड़ रुपये खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से हरी झंडी मिलने और बजट आवंटित होने के बाद अगले वर्ष इन संसाधनों की खरीद की जाएगी। इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी।

एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के लिए न केवल सहायता और परामर्श का केंद्र हैं, बल्कि ये उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिला हेल्पलाइन, काउंसलिंग, कानूनी सहायता, मेडिकल सपोर्ट और पुनर्वास जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नए संसाधन से केंद्र की बढ़ेगी कार्यक्षमता

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलने वाले नए संसाधन महिला अपराध की रोकथाम में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे न सिर्फ पुलिस और प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा।

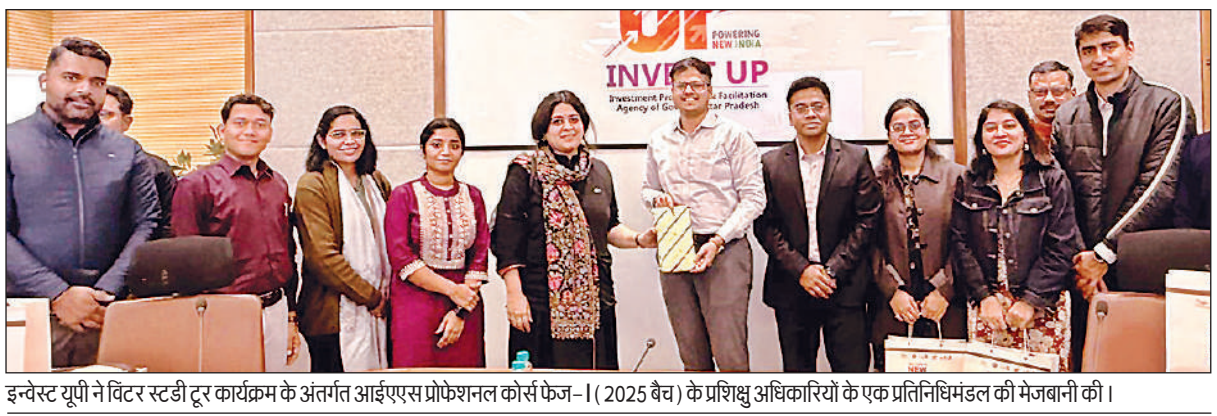

इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की।

प्रशिक्षु आईएएस ने समझी निवेश प्रोत्साहन रूपरेखा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत की प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी

पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा

- आगामी 'निवेश मित्र 3.0' में कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म (सीएएफ) प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें डाटा फ़ील्ड और दस्तावेज़ की आवश्यकताओं को कम किया जाएगा, साथ ही निर्धारित समय-सीमा और एस्केलेशन मैकेनिज़्म के माध्यम से पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा।

अमृत विचार : इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन संरचना तथा सुशासन आधारित आर्थिक परिवर्तन को प्रदर्शित किया गया। यह सत्र अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रेरणा शर्मा ने कहा, "किसी भी निवेश प्रोत्साहन एजेंसी की मूल जिम्मेदारी सरकार की मंशा को निवेशकों के विश्वास में परिवर्तित करना होती है। अपने अनुभव के आधार पर मैंने देखा है कि पहले निवेश प्रक्रिया कितनी विस्तृत और अधिक समय लेने वाली थी।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में 'निवेश मित्र' की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से सभी अनुमोदनों को इंटीग्रेटेड सिंगल-विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया, जिससे निवेशकों के अनुभव में मूलभूत सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, यदि कोई समस्या आती है, तो उसका समाधान करना और निवेशकों का विश्वास बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रेरणा शर्मा ने कहा कि सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि भविष्य में जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी के रूप में वे सक्रिय सुविधा प्रदान करने, विभागों के बीच प्रभावी समन्वय तथा निवेशकों को सशक्त ऑन-ग्राउंड सहयोग सुनिश्चित करें, जिससे निवेश प्रस्ताव समयबद्ध रूप से धरातल पर उतर सकें।

यूपी के मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में मतदेय स्थलों की संख्या 162486 थी, जो सम्भाजन के बाद बढकर 177516 हो गयी है। ऐसे में मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि हुई है। बीते साल 2024 में मतदेय स्थलों का सम्भाजन 1500 मतदाताओं के आधार पर हुआ था। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 75 जिलों के 403 विधान सभा क्षेत्रों के 1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों के सम्भाजन प्रस्ताव पर 23 दिसम्बर को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा बताया गया कि प्रदेश में मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही 29 अक्टूबर से शुरु हुई थी। 75 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारीगण से प्राप्त प्रस्ताव 24 नवम्बर को भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन के लिए भेजा गया था। मतदेय स्थलों की संख्या में वृद्धि होने के कारण नये सृजित 15030 मतदेय स्थलों पर अतिरिक्त बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की जायेगी। निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन इन्हीं नये मतदेय स्थलों पर 06 जनवरी को किया जाएगा।

सशक्त बनेंगे दिव्यांगजन विश्वविद्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पेंशन और नि:शुल्क बस सेवा से सामाजिक सुरक्षा हुई मजबूत, खेल, कला और कौशल से दिव्यांग प्रतिभाओं को मिला मंच

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग, के सर्वांगीण सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शिक्षा, पेंशन, निःशुल्क परिवहन, कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से सरकार का लक्ष्य इन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर और सम्मानपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर करना है।

इसी क्रम में योगी सरकार की ओर से दिव्यांग विश्वविद्यालयों को सशक्त बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि योगी सरकार की नीतियां केवल सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि ये संस्थान दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं।

उन्होंने मंडल स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर अधिक से अधिक दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्ति तथा निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए गए।

पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की सख्त मॉनिटरिंग

- पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब उनका सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री ने जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने और कमजोर प्रगति वाले जिलों में जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

2025-26 में दिव्यांग प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

- आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि लखनऊ में 7 दिवसीय राज्य स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता, प्रयागराज और ललितपुर में दिव्यांग पुनर्वासन पर राष्ट्रीय कार्यशालाएं, प्रयागराज, प्रतापगढ़, कानपुर नगर, गोरखपुर, वाराणसी एवं बागपत में चित्रकला व हस्तकला प्रदर्शनी एवं कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

अखिलेश यादव ने उठाया अंकिता हत्याकांड का मुद्दा

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तराखंड की अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। मंगलवार को जारी एक बयान में सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार में बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ का सिर्फ नारा लगता है, महिलाओं और बेटियों का सर्वाधिक अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा कि, उत्तराखंड में भाजपा नेता के रिजार्ट में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या मन को विचलित करने वाली है। अखिलेश ने सवाल उठाया कि, उत्तराखंड के सभी राजनैतिक दलों और जनसंगठनों द्वारा सीबीआई जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में करने की मांग की जा रही है तो उस पर लीपापोती क्यों की जा रही है।

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव। अमृत विचार

लाठी की नेशनल स्पर्द्धा में खिलाड़ियों ने जीता मेडल

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : ट्रेडिशनल लाठी स्पोर्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया की छठवीं राष्ट्रीय स्पर्धा मध्य प्रदेश के उज्जैन महाकाल में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया।

छठवें नेशनल प्रतिस्पर्धा में प्रतापगढ़ के भारत मार्शल आर्ट से छह खिलाड़ियों का चयन किया गया। बेहतर प्रदर्शन मर खिलाड़ियों ने गोल्ड,सिल्वर एवं ब्रॉन्ज सहित सात मेडल अपने नाम किया। इसमें प्रिंस सिंह ने लाठी युद्ध में गोल्ड मेडल, निकिता ने एक लाठी प्रदर्शन में सिल्वर और लाठी युद्ध में गोल्ड मेडल हासिल किया। शिवालिका ने एक लाठी प्रदर्शन में ब्रांज मेडल हासिल किया। अभिराम सिंह ने लाठी युद्ध में ब्रांज मेडल हासिल किया। अमोल सरोज ने एक लाठी प्रदर्शन में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। अधिका ने लाठी युद्ध में सिल्वर मेडल हासिल किया। ट्रेडिशनल लाठी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष डा. सैयद मसूद मुजफ्फर ने खुशी जताते हुए खिलाड़ियों आगे और बेहतर करने की शुभकामनाएं दी। कोच रिजवान, सीनियर कोच विनोद कुमार पटेल ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन कर बच्चे उम्मीदों पर खरे उतरे।

डीएम ने ईवीएम-वीवीपैट हाउस का किया निरीक्षण

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : पूरेकेशवराय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का डीएम शिव सहाय अवस्थी ने मंगलवार को निरीक्षण किया। उन्होंने ईवीएम एवं वीपीपैट वेयरहाउस में सफाई, सुरक्षा व्यवस्था आदि की जांच की। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के संचालन और उनकी निगरानी की स्थिति भी जानी। डीएम ने सुरक्षाकर्मियों से उनकी समस्याएं जानी और निराकरण के लिए अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग सुजीत कुमार राय को निर्देश दिया।

हादसे में घायल युवक की मौत

रानीगंज, प्रतापगढ़। अमृत विचार : रानीगंज थाना क्षेत्र के लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर बभनमई के पास बीते 15 दिसंबर को हुए सड़क हादसे में मंगलवार को दूसरे युवक की भी मौत हो गई। 15 दिसंबर को जेसीबी और बाइक की भिड़ंत हुई थी। जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल युवक की लक्ष्मीपुर निवासी 24 वर्षीय राजू गौतम के रूप में हुई थी। जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी भी मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मचा है।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य स्थल बनेगी राजधानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शहीद पथ के करीब बनेगा नया संस्कृति भवन
- पर्यटकों के लिए 1090 चौराहे से रेजीडेंसी तक डबलडेकर बस संचालित होगी

अमृत विचार: आगरा और काशी की तरह लखनऊ को भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य के रूप में ख्याति दिलाने के लिए परियोजना तैयार के निर्देश अधिकारियों दिये गए हैं। आगरा और काशी में पहले से ही देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन होता रहता है, इसी तर्ज पर लखनऊ को भी पर्यटन का हब बनाने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, राजधानी में शहीद पथ के निकट संस्कृति मुख्यालय की स्थापना की जायेगी। इस संस्कृति भवन में संस्कृति विभाग के अधीन आने वाली निदेशालयों के कार्यालयों को शिफ्ट किया जायेगा। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के नए परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके अलावा राजधानी में पर्यटन एवं संस्कृति पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क में पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी शुरूआत 17 नगर निगमों के अधीन आने वाले पार्कों से होगी। मंत्री ने बताया कि, लखनऊ भ्रमण करने वाले लोगों को किफायती रेट पर टिकट प्रदान किया जायेगा। इस बस का शुभारंभ पर्यटन मंत्री 06 जनवरी को 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। लखनऊ दर्शन का उद्देश्य पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को आकर्षित करके लखनऊ को एक नये डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है।

पर्यटन मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारियों को फाइलें विलंब करने की पुनरावृत्ति छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की अद्यतन स्थिति की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने हरदोई, एटा, अलीगढ़, चित्रकूट, पीलीभीत, फिरोजाबाद, मैनपुरी आदि के रामलीला मैदानों के सौन्दर्यीकरण आदि की समीक्षा की। इसके अलावा रायबरेली, बदायू, कन्नौज, चित्रकूट, लखनऊ में निर्माणाधीन सांस्कृतिक केन्द्रों की समीक्षा की।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी पुरस्कृत

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : आईटीआई परिसर में मंगलवार को मेरा युवा भारत की ओर से आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता हुई। कबड्डी, वॉलीबाल, खो खो, गोला फेंक, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। वॉलीबाल बालक वर्ग में आईटीआई प्रतापगढ़ के बच्चे प्रथम स्थान और कबड्डी बालिका वर्ग में आईटीआई की छात्राएं प्रथम रहीं। 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में खुशी प्रथम और स्नेहा दूसरे स्थान पर रहीं। विजेता टीम के खिलाड़ियों को मेरा युवा भारत की ओर से किट और ट्रैक सूट दिया गया। खेल प्रभारी कर्म राज सिंह मंजीत, नोडल प्रधानाचार्य आलोक कुमार, अभिषेक पटेल ने प्रतिभागियों को शील्ड और प्रमाण दिया। प्रतियोगिता में शिवपाल नागेंद्र, नसीमुद्दीन खान, आफताब सहित आईटीआई के कर्मचारी शामिल रहे।

छात्रवृत्ति के लिए 14 जनवरी तक करें ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया कि शैक्षिक सत्र वर्ष 2025-26 में दशमोत्तर (कक्षा 11-12 को छोड़कर) छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों का मास्टर डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन, लॉक करने एवं छात्रों को छात्रवृत्ति आवेदन से वितरण हेतु संशोधित समय-सारिणी जारी की गई।

छात्रवृत्ति हेतु छात्र-छात्रायें 14 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन एवं 17 जनवरी तक आवेदन को फाइनल सबमिशन एवं प्रिन्ट आउट किया जायेगा। 21 जनवरी तक आवेदन पत्र की हार्ड कापी छात्र/छात्राओं द्वारा वांछित संलग्नकों सहित विद्यालय में जमा किया जायेगा। 27 जनवरी तक छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकापी एवं संलग्न अभिलेखों से छात्र/छात्राओं के समस्त विवरण का शिक्षण संस्थान द्वारा मिलान किया जाना एवं ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रों का आवेदन निरस्त करना तथा पात्र छात्रों का आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। 10 से 13 फरवरी तक त्रुटिपूर्ण आवेदन को छात्रों/संस्था के स्तर से सही किया जायेगा। 18 फरवरी तक छात्रों द्वारा सही आवेदन को विद्यालय में जमा किया जायेगा एवं संस्था द्वारा पुनः अग्रसारित किया जायेगा।

न्यूज ब्रीफ

दबंगों ने मेले से लौट रहे दो युवकों को पीटा

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : त्रिलोकपुर से मेला देखकर लौट रहे दो युवकों को गांव के दबंगों ने पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। त्रिलोकपुर निवासी मोहम्मद वसीक शनिवार की रात अपने रिश्तेदार मोहम्मद तौसीफ एवं मोहम्मद सूफ़ियान के साथ कस्बा त्रिलोकपुर स्थित हजरत आकिल शाह बाबा के मेले से घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में रईस, वफील उर्फ लल्लन, अनीस, कफील एवं समीर व चंदू ने अपने अन्य साथियों के साथ घेर कर जबरन दबंगई के बल पर गालियां देना शुरू किया। इन दोनों ने विरोध किया तो लोहे की राड व लाठी से हमला करके घायल कर दिया तथा घटना की की शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी।

घर से मेंथा ऑयल कपड़े-जेवर ले गए चोर

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : सोमवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया और मेंथा आयल, कपड़े, जेवर आदि चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मीरापुर ऊंचवा मजरे बुद्धवारा की लाजवन्ती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार की रात उनके परिवार की पुत्रियां अपनी दादी के साथ घर में सो रही थीं। सुबह करीब 5 बजे जब नींद खुली तो बक्से का सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता के अनुसार बक्से से चांदी की करधनी, पाजेब, हथफूल, पायल, सोने की नथुनी, मांग टीका सहित लगभग 15 किलो मेंथा ऑयल व कपड़े चोर चोरी कर ले गए।

सलारपुर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट 7 से होगा

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : सलारपुर प्रीमियम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 07 से होगा। आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता में सभी लीग मैच 8 ओवर के खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मुकाबला विशेष रूप से आयोजित किया जाएगा। सभी मैच टेनिस बॉल से खेले जाएंगे प्रतियोगिता में विजेता टीम को 21,000 नगद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 11,000 नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

सुंदरकांड और भजन संध्या आयोजित

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : बाबा रामशरण दास भागवत दास कुटी हनुमान मंदिर में मंगलवार को हनुमानजी का श्रृंगार से किया गया और उसके बाद सुंदरकांड व भजन संध्या का आयोजन हुआ। मंदिर के पुजारी बाबा रामलाल दास ने श्रीराम स्तुति और गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। अंकित वर्मा और रजत वर्मा ने भजन प्रस्तुत किये। भजन संध्या के बाद हनुमान जी की आरती की गयी। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहित वर्मा, श्रृषि सैनी, चंद्रपाल यादव सहित कई भक्त मौजूद रहे।

साइबर ठगी में लिप्त 8 शातिर गिरफ्तार

पकड़े गए लोगों में छह गैर जनपद के और एक युवती समेत दो जिले के निवासी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

पुलिस की गिरफ्त में आये बदमाश। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बाराबंकी से देश भर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। पुलिस की संयुक्त टीम ने डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों में लिप्त 8 अन्तर्राज्यीय साइबर शातिरों को गिरफ्तार किया। इनमें छह गैर जिला व एक युवती समेत दो ठग बाराबंकी के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से बड़ी मात्रा में मोबाइल, लैपटाप, टैबलेट व कूटरचित दस्तावेज बरामद हुआ है।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने मंगलवार को प्रेस को बताया कि साइबर, स्वाट, सर्विलांस व थाना कोतवाली नगर की संयुक्त टीम द्वारा दीपक तिवारी अयोध्या, अंकित कटारिया निवासी जिला बागपत, हालपता आवास विकास कालोनी बाराबंकी, मीनाक्षी वर्मा निवासी कियरा भानमऊ थाना कोठी, विपिन वर्मा निवासी उत्तराखंड, हाल पता आवास विकास कालोनी बाराबंकी, अब्दुल रिजवान निवासी लखनऊ, हाल पता आवास विकास बाराबंकी, मो. अफजल निवासी लखनऊ, आदर्श राज निवासी बम्भौर थाना जहांगीराबाद, इमरान सलीम निवासी बागपत, हाल पता शालीमार मन्नत बाराबंकी को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 12 मोबाइल, एक लैपटाप, एक टैबलेट एवं कूटरचित एग्रीमेंट व ज्वाइनिंग लेटर एवं अन्य प्रपत्र बरामद किए गए। एसपी ने बताया कि इन सभी का एक गिरोह है जो ऑनलाइन गेमिंग, कॉल सेण्टर, ऑनलाइन गेम व नौकरी का विज्ञापन अपलोड कर लोगों को झांसा देते थे। फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर पोर्न वीडियो देखने आदि की धमकी देकर डिजिटल अरेस्ट एवं अन्य साइबर अपराध में लिप्त थे। इनके कब्जे से विभिन्न बैंकों की विभिन्न शाखाओं के खाता संख्या मिले जिनमें साइबर ठगी का पैसा ट्रांसफर होने की शिकायत दिल्ली, गुजरात, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र से दर्ज करायी गयी है।

निर्माणाधीन मकान से गिरे श्रमिक की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : निर्माणाधीन मकान पर काम करते समय पैर फिसलने से नीचे गिरे मजदूर की अस्पताल में मौत हो गई। जहांगीराबाद के बंधौली निवासी राम मिलन शटरिंग का काम करता था। ग्यास नगर निवासी मो. कय्यूम के मकान का निर्माण कार्य हो रहा है। ठेकेदार राम विलास ने शटरिंग का ठेका लिया। मंगलवार को शटरिंग का काम किया जा रहा था साथ में राम मिलन भी था। दोपहर करीब एक बजे अचानक पैर फिसलने से वह छत से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। श्रमिकों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हादसे की सूचना परिजिनों को दे दी है।

प्रदर्शन करते विहिप व बजरंग दल के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का फूंका पुतला

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की स्थानीय इकाई ने मंगलवार को रामेश्वरम शिवाला से मुख्य चौराहे तक जुलूस निकाला। बांग्लादेश विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारी मुख्य चौराहे पर पहुंचे, जहां बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मो. यूनुस का पुतला दहन किया गया। नेतृत्व विहिप हैदरगढ़ इकाई के अध्यक्ष हरि भाई ने किया। इस मौके पर विहिप, बजरंग दल व संघ से जुड़े देव शंकर शुक्ला, इंदू श्रीवास्तव, गणेश अग्रवाल, मोहित मिश्रा, पंकज मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राम भीख त्रिवेदी, विजय, जनार्दन शुक्ला, योगेश द्विवेदी, शिक्षक नेता विवेक गुप्ता, विकास पांडे विक्की, सोनू द्विवेदी, गौरी शंकर पांडे, राहुल दीक्षित, नीलू मिश्रा, सभासद हरिराम, शिव वर्मा, हनुमान विश्वकर्मा, महेश नारायण आदि मौजूद थे।

41 लाख का गांजा बरामद तस्कर सगे भाई गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स बाराबंकी टीम ने गांजा तस्कर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 81.824 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 41 लाख रुपये बताई जा रही, बरामद किया गया है। इसके अलावा एक कार, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा नकद रुपये भी जब्त किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुर शिवहरे (35) और श्याम शिवहरे (40) पुत्र रामप्रकाश शिवहरे निवासी मोहल्ला राजेन्द्र नगर, थाना कोतवाली उरई, जनपद जालौन के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आपस में धन एकत्र कर गांजा खरीदते थे और उसे ऊंचे दामों पर बेचते थे। आरोपियों से गांजा खरीदने और सप्लाई करने वाले नेटवर्क की जानकारी भी मिली है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं, जिससे उनके शातिर अपराधी होने की पुष्टि होती है। मंगलवार को दोनों आरोपी जालौन जिला कोतवाली उरई क्षेत्र में इगलासपुरा चौराहे से लगभग 150 मीटर दूर गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना कोतवाली उरई में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

विभिन्न स्थानों से दो व्यक्ति लापता

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : विभिन्न स्थानों से दो व्यक्ति लापता हो गए। दोनों मामलों में गुमशुदगी दर्ज कराई गई है।

पहला मामला कटियारा पोस्ट वृढ़वल का है। शिवराजा पत्नी धर्मराज ने पुलिस को बताया कि उनके पति धर्मराज 27 दिसंबर को दोपहर खाना खाकर गांव की ओर गए थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। तलाश के दौरान एक स्थान पर उनके चप्पल मिले। दूसरा मामला क्षेत्र के ग्राम ददौरा का है, जहां सीता विश्वकर्मा ने बताया कि उनका पुत्र दिलीप कुमार विश्वकर्मा 26 दिसंबर की रात करीब 10 बजे घर से कहीं चला गया, जो वापस नहीं लौटा। उसका मोबाइल फोन भी बंद है।

प्रतिभाओं को मिलेगा सहयोग : डीएम

● बाल वैज्ञानिक पूजा पाल को डीएम ने किया सम्मानित

बाराबंकी, अमृत विचार : प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित बाल वैज्ञानिक पूजा पाल को मंगलवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट में सम्मानित किया।

सम्मान समारोह के दौरान पूजा पाल ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई बातचीत के अनुभव साझा किए। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि पूजा पाल की सफलता यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण अंचल की बेटियां भी विश्वस्तरीय नवाचार कर सकती हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन भविष्य में भी ऐसी प्रतिभाओं को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। वहीं डीआईओएस ओपी त्रिपाठी ने कहा कि पूजा की उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि निरंतर परिश्रम से बच्चे किसी भी चुनौती को पार कर सकते हैं। बीएसए कार्यालय में भी पूजा और उनके गाइड शिक्षक को सम्मानित किया गया। बीएसए नवीन कुमार पाठक ने कहा कि पूजा की सफलता जिले के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

पूजा पाल को सम्मानित करते डीएम साथ में मौजूद अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

नववर्ष पर गायत्री महायज्ञ का आयोजन

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : नववर्ष पर समाजसेवी एवं भाजपा नेता गौरीकांत दीक्षित की ओर से अमोली कला स्थित मंदिर परिसर में गायत्री महायज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा नेता गौरीकांत दीक्षित ने बताया कि 1 जनवरी को सुबह 10 बजे विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गायत्री महायज्ञ संपन्न कराया जाएगा। यज्ञ के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिर परिसर की साफ-सफाई, यज्ञ मंडप की व्यवस्था और भंडारे की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। संबंधित थानों की पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

त्रिवेदीगंज प्रतिनिधि के अनुसार, लोनीकटरा थाना क्षेत्र में लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर भिलवल कट के पास मंगलवार सुबह एक ट्रक खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहा दूसरा ट्रक उससे टकरा गया।पीछे से टकराए ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के साथ ही चालक फंस गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक के केबिन में फंसे चालक को मशक्कत के बाद निकाला। चालक अलादुद्दीन निवासी ग्राम मोहरी थाना कालपी जिला जालौन को सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया। यहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लिया। हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार, बम्हरौली निवासी सियाराम रावत (65) सोमवार की देर शाम साइकिल से खरीदारी के लिए हैदरगढ़ बाजार जा रहे थे। चौराहा स्थित बस स्टॉप पर वह साइकिल से उतर कर पैदल चलने लगे। इसी दौरान ट्रक ने उन्हे टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल वृद्ध को सीएचसी हैदरगढ़ लाया गया। हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। देवा प्रतिनिधि के अनुसार, फतेहपुर मार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल बाइक सवार कमलेश गौतम (45) की इलाज के दौरान मौत हो गई। कमलेश गौतम क्षेत्र के बेवची मजरे कासिमगंज गांव का निवासी था। उसे गंभीर हालत में सीएचसी से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की गयी जान

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : इसेपुर रेलवे क्रासिंग के पास सोमवार की देर रात एक अज्ञात अधेड़ की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस शव की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है।

वृद्धा की पिटाई के मामले में 16 माह बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : गर्भपात का विरोध करना सास को महंगा पड़ गया। विवाहिता के बुलावे पर आए मायका पक्ष के लोगों ने सास की पिटाई की व कपड़े, जेवर बहू को साथ ले गए। गुजरे साल अगस्त से रिपोर्ट दर्ज कराने को भटक रही वृद्धा को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। सुबेहा के पूरे अमान मजरे रुकुनुद्दीनपुर निवासी राजकुमारी (66) पत्नी ओमनाथ शुक्ला ने कोर्ट में बताया कि उसके पुत्र राज शुक्ला का विवाह 3 मार्च 2019 को मुस्कान निवासी कानपुर से हुआ था। जिनसे एक पुत्री है। बहू के पुनः गर्भवती होने पर अल्ट्रासाउंड में जुड़वा बच्चों की जानकारी मिली, जिसके बाद बहू और उसके मायके पक्ष ने गर्भपात का दबाव बनाना शुरू कर दिया। परिवार ने इसका विरोध किया तो बहू ने मायके वालों को बुला लिया। 18 अगस्त 2024 की शाम बहू की मां, चाची, बुआ, मौसी, भाई तथा एक अज्ञात व्यक्ति उसके घर पहुंचे। आरोप है कि सभी ने लात-घूंसे, थप्पड़ व डंडों से उसे पीटा।

सिटी डायरी

भाजपा नेता राकेश कर्रा ने प्रदेश अध्यक्ष से की भेंट

बाराबंकी, अमृत विचार : वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश वर्मा कर्रा ने मंगलवार को लखनऊ में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राकेश कर्रा ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और बाराबंकी जिले में संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने व आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा की। राकेश कर्रा ने पंकज चौधरी को भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। राकेश कर्रा ने आश्वस्त किया कि बाराबंकी के भाजपा कार्यकर्ता पार्टी हित में पूरी निष्ठा के साथ कार्यरत रहेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात करते भाजपा नेता राकेश कर्रा।

एक-दूसरे को चित करने का प्रयास करते पहलवान। अमृत विचार

कथा सुनाते शशिकांत महाराज। अमृत विचार

कबड्डी में हैदरगढ़ और बीजापुर जीते

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : बीजापुर खेल मैदान में आयोजित विधानसभा स्तरीय दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा का समापन हो गया। प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी और कुश्ती के मुकाबले आयोजित किए गए। विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। सीनियर लंबी कूद में कन्हैया लाल, सीनियर वॉलीबॉल में सालपुर टीम, जूनियर वॉलीबॉल में सिद्धौर टीम और जूनियर वॉलीबॉल बालिका में देवपुरा टीम विजेता रही। कबड्डी में हैदरगढ़ और बीजापुर ने जीत हासिल की। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अरविंद बाजपेई, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक राजेंद्र किशोर पांडे, शिक्षक भावना मिश्रा, रुद्रकांत आदि थे।

गणेशजी के जन्म की कथा सुनाई

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : सात दिवसीय भागवत कथा शिव महापुराण के पांचवें दिन कथा व्यास शशिकांत महाराज ने गणेश जी के जन्म और प्रथम पूज्य होने की कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि माता पार्वती के उबटन से जन्मे गणेश जी की शिव जी ने हाथी का सिर लगाकर रक्षा की और उन्हें प्रथम पूज्य का वरदान दिया। इस अवसर पर कथा आयोजक लल्लू राम जयसवाल, राधा देवी जयसवाल, कल्लू जयसवाल, अरविंद मौर्या, राजेश मौर्या, डॉ. सत्रोहन लाल विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मामूली विवाद में चले लाठी डंडे, गर्भवती समेत 7 घायल

बाराबंकी, अमृत विचार : मामूली विवाद तिल का ताड़ बन गए और धारदार हथियार, लाठी डंडे के हमलों में एक गर्भवती महिला समेत सात लोग घायल हो गए।

हैदरगढ़ की बहुता निवासिनी शालिनी देवी ने आरोप लगाया कि उनके पति अयोध्या गए थे। इसी का फायदा उठाकर विपक्षी अरविंद उसके घर में घुस गया और इंजन उठा ले गया। पूछने पर अरविंद व उसके पुत्रों प्रशांत और प्रभात ने लाठी-डंडों व लात-घूंसों से शालिनी पीटा। उनकी सोने की चेन भी गिर गई। दूसरी घटना कोतवाली नगर के ओबरी की है। रामजी यादव ने बताया कि सहन भूमि से ठेला निकालने को लेकर हुए विवाद में अवध राम यादव, इंद्रजीत यादव सहित कई लोग डंडा, बांका, लोहे की रॉड व ईंट लेकर उनके घर में घुस आए और हमला कर दिया। बीच-बचाव में उनकी गर्भवती पत्नी सोनी यादव,तथा 12 वर्षीय भतीजा कार्तिक यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। सतरिख के अख्तियारपुर की सुमन ने बताया कि जगदीश, रामतेज, प्रदीप, कुलदीप व उनके परिजनों ने उनके दरवाजे पर आकर गाली-गलौच की। विरोध करने पर सभी ने मिलकर लात-घूंसों, ईंट-पत्थर व डंडों से मारपीट की।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग की ओर से यूनियन इंटर कॉलेज रामनगर में आयोजित विधानसभा स्तरीय ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा के दूसरे दिन शॉटपुट, कुश्ती और भारोत्तोलन प्रतियोगिताएं हुईं। विजेताओं को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जूनियर, सब-जूनियर और सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुश्ती में बलबीर, अनुराग, सुधीर, रवि, अंकुल, मुरारी, सत्यम और राजन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 57 किग्रा वर्ग में रानू और 65 किग्रा वर्ग में बलबीर विजेता रहे। भारोत्तोलन में 55 किग्रा वर्ग में आलोक प्रथम, शोभित द्वितीय; 61 किग्रा में अतिभव प्रथम, बलबीर द्वितीय; 67 किग्रा में आदित्य तथा 81 किग्रा वर्ग में आयुष गुप्ता प्रथम रहे। जूनियर शॉटपुट में हिमांशु प्रथम, शुभम यादव द्वितीय और शिवम पाल तृतीय रहे। भाला फेंक में शुभम प्रथम, हिमांशु धरती द्वितीय और शिवम तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम प्रभारी अपूर्वा कोचर, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विकास तिवारी सहित अन्य अधिकारियों, कर्मियो व पीआरडी स्वयंसेवकों का योगदान रहा।

प्रमाणपत्र के साथ विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अतिक्रमण हटवाया

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : भिटरिया चौराहे पर पुलिस ने सड़क पर लगे ठेलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। हैदरगढ़, दरियाबाद, सुमेरगंज रोड और भिटरिया बायपास पर अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित हो रहा था और दुर्घटना का खतरा बना हुआ था। सूचना पर पहुंचे कोतवाल अंकित त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ सड़क किनारे लगे फल, चाट व अन्य ठेलों को हटवाया। चौराहे को अतिक्रमण मुक्त कराया गया और नियमों की अनदेखी पर 20 ठेला चालकों का चालान किया गया।

लोगों को समझाते कोतवाली प्रभारी। अमृत विचार

बैठक

जिले को औद्योगिक हब बनाने में आयी तेजी, धरातल पर साकार हो रहा 7261 करोड़ का निवेश

औद्योगिक विकास में आईआईए का योगदान मील का पत्थर

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी:

अमृत विचार : डीएम शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट के लोक सभागार में आयोजित औद्योगिक क्षेत्र की बैठक में हुई। डीएम ने कहा कि जिले के औद्योगिक विकास में आईआईए का योगदान मील का पत्थर साबित हो रहा है।

बैठक में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसीएशन चैप्टर के प्रतिनिधियों ने भी भागीदारी की। आईआईए बाराबंकी चैप्टर के अध्यक्ष विधु गुप्ता ने जिला प्रशासन द्वारा जिले में तीन अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और 518.92 एकड़ भूमि औद्योगिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कुर्सी रोड औद्योगिक क्षेत्र में यूपीएसआईडीसी द्वारा किए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए भी आभार व्यक्त किया। बैठक में यह जानकारी भी दी गई कि जिले में तीन प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं कुर्सी-लखनऊ कनेक्टिंग रोड, देवा-फतेहपुर रोड और जहांगीराबाद-अयोध्या कनेक्टिंग रोड विकसित की जा रही हैं, जिससे उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स सुविधा प्राप्त होगी। जिलाधिकारी ने आईआईए की प्रशंसा करते हुए बताया कि संगठन के सहयोग से जिले में 7,261 करोड़ रुपये की औद्योगिक परियोजनाएं धरातल पर साकार हो सकी हैं, जो जिले के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित हुई हैं। बैठक में कुर्सी रोड औद्योगिक क्षेत्र में फायर स्टेशन की आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण और सीवर लाइन कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। वहीं, एसटीपी स्थापना में देरी पर चिंता व्यक्त की गई। रामसनेही घाट औद्योगिक क्षेत्र में ले-आउट प्लानिंग और भूमि मूल्यांकन में देरी के कारण 300 करोड़ के निवेश में बाधा पर भी चर्चा हुई। डॉ. कैप्टन राजेश तिवारी ने बहुरौली में प्रस्तावित सोलर पैनल फैक्ट्री के लिए विद्युत कनेक्शन में सहायता के लिए जिला प्रशासन का धन्यवाद किया।

बैठक में निर्देश देते डीएम और मौजूद आईआईए के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

शराब पीकर जश्न किया तो हवालात में होगी नए साल की सुबह

31 दिसंबर की पार्टी के लिये नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू हुईं तैयारियां

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। वर्ष 2025 के अंतिम दिन नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में लोग जश्न मनाकर नये वर्ष का स्वागत करते हैं। इस दौरान कुछ युवा नशे में हुड़दंग करने के साथ हंगामा करते हुये बाइकें भगाते हैं। यदि इस बार किसी ने ऐसा किया तो उनकी नये साल की सुबह हवालात में होगी। क्योंकि ऐसे लोगों से निपटने के लिये गंगाघाट पुलिस मोर्चा संभालने को तैयार हो गई है।

यदि आप जाने वाले साल और आने वाले साल पर जश्न मनाने की सोच रहे हैं तो गंगाघाट कोतवाली पुलिस की कार्यवाही के बारे में भी जान लीजिये क्योंकि पुलिस ने कहा हैकि 31 दिसंबर की रात अगर कोई भी हुड़दंग या हंगामा करता नजर आया तो उसे सीधे हवालात भेजा जायेगा। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि 31 दिसंबर की रात गोपनीय पिकेट ड्यूटियां लगाई गई है। वह नशेबाजों पर नजर रखेंगी। अगर कोई नशे में तेज बाइक दौड़ते या हुड़दंग करते मिला तो उस पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ नगर के प्रमुख चौराहों व मार्गों पर फोर्स तैनात रहेगा। जो ब्रीथ एनालाइजर के साथ खड़ी रहेगी। शराब पीकर हंगामा करने वालों से निपटने के लिए 31 दिसंबर की शाम से ही पुलिस हर चौराहे के साथ ही उन स्थानों पर तैनात कर दी जाएगी, जहां पर लोग जश्न मनाने जाते हैं। यहां से आने जाने वाले वाहन चालकों के मुंह पर ब्रीथ एनालाइजर लगाकर जांच की जाएगी और जो भी नशे में मिला उसे हवालात पहुंचा दिया जाएगा। इसके साथ ही सड़क पर हुड़दंग, उपद्रव, शोर शराबा और तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाने वालों को भी थाने भेजा जाएगा। ऐसे वाहन चालकों की रात भी हवालात में ही कटेगी।

डॉयल पुलिस और क्षेत्रीय दरोगा करेंगे गश्त

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि 31 दिसंबर को बाइकों से दरोगा व सिपाही पेट्रोलिंग करेंगे। वहीं 112 डॉयल की गाड़ियां भी चलती रहेंगी और ऐसे लोगों पर नजर रखेंगी। इसके साथ ही वह खुद गश्त पर रहेंगे।

आजाद मार्ग पर एसपी की मौजूदगी में होती वाहनों की चेकिंग। अमृत विचार

इन स्थानों पर शाम से मौजूद रहेगी पुलिस

गंगाघाट क्षेत्र के नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के पिकेट प्वाइंट पर 31 दिसंबर की शाम से पुलिस तैनात रहेगी। जो आने जाने वालों पर बराबर नजर बनाये रखेगी। इस दौरान यदि कोई भी नशे में धुत होकर हुड़दंग करता नजर आया तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जायेगी।

नववर्ष को लेकर पुलिस सख्त, एसपी ने किया औचक निरीक्षण

शुक्लागंज, अमृत विचार। नववर्ष के मद्देनज़र जिले में सुरक्षा व शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में मंगलवार शाम एसपी जय प्रकाश सिंह ने गंगाघाट क्षेत्र अंतर्गत पोनी मोड़ पर चल रही संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने मौके पर मौजूद पुलिस बल से चेकिंग की स्थिति जानी और सतर्कता के साथ प्रभावी चेकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी निरीक्षक को क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने व कानून-व्यवस्था मजबूत रखने को भी कहा। वहीं एसपी के निर्देश पर सुबह से ही कोतवाली प्रभारी अजय सिंह के नेतृत्व में नवीन पुल मोड़, जाजमऊ व मरहला चौराहा और गंगा बैराज पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान भी काटे गए। सुबह से देर शाम तक चले इस अभियान से क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा रहा।

न्यूज ब्रीफ

शराब के लिए पैसे नहीं दिये तो पत्नी व साली पर किया हमला

मारपीट में घायल बहनें। अमृत विचार

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चंपापुरवा मोहल्ले में शराब के लिए पैसे न मिलने पर एक युवक ने अपनी पत्नी व साली पर लाठी-डंडे व बेलचा से हमला कर दिया। पीड़िता पुष्पा देवी ने बताया कि उसका पति राज गौतम उर्फ टईंया मंगलवार दोपहर साढ़े 3 बजे शराब पीने के लिए रुपये मांग रहा था। इनकार करने पर उसने गाली देना शुरू कर दिया और लाठी-डंडों से मारपीट करने लगा। शोर सुन पड़ोस में रहने वाली उसकी बहन रामदेवी जो चंदन की पत्नी है बचाने पहुंची। इस पर पति ने उस पर भी बेलचा से हमला कर दिया। इससे दोनों के सिर फट गए और वे गंभीर घायल हो गईं। इसकी सूचना पीआरवी को दी गई। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। पीड़िता ने पति के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वेटलिफ्टिंग में उत्कर्ष ने किया नाम रोशन

शुक्लागंज। पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा पांच दिवसीय नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप महिला व पुरुष फॉर सेशन 2025-26 आयोजित हुआ। वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में शुक्लागंज के खिलाड़ी उत्कर्ष उर्फ मनु गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन कर नगर का नाम रोशन किया। कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिभाग करते हुए उत्कर्ष ने 110 किलो भार वर्ग में हिस्सा लिया और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर 15वीं रैंक हासिल कर ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण भी किया गया। जिसे देख उनके परिजन व शुभचिंतक खुशी से झूम उठे। उत्कर्ष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता सुरेन्द्र गुप्ता को देते हुए कहा कि उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी। साथ ही उन्होंने अपने कोच हरीओम ओझा का भी आभार व्यक्त किया। उत्कर्ष ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में पदक जीतना है। उनकी इस उपलब्धि पर नगरवासियों ने खुशी जताई और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयां दीं।

अटल आवासीय विद्यालय में करें आवेदन

उन्नाव। सहायक श्रमायुक्त एसएन नागेश ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय सिठौलीकलां, मोहनलालगंज व लखनऊ में मंडल के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों व कोविड-19 की महामारी में कोरोना से निराश्रित हुये बच्चों व मुख्यमंत्री बाल सेवायोजना (सामान्य) के अन्तर्गत पात्र बच्चों के लिये विद्यालय खोला गया है। जिसमें शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिये कक्षा 6 में उपलब्ध 160 सीट (80 बालक व 80 बालिकाएं) और कक्षा 9 में उपलब्ध 60 सीट (30 बालक व 30 बालिकाएं) पर अटल अवासीय विद्यालय लखनऊ में प्रवेश हेतु आफलाइन/आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए हैं। आवेदन पत्र किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक 1 जनवरी से नि:शुल्क संबंधित जिले के श्रम, जिला प्रोबेशन अधिकारी, बीएसए, डीआईओए, खडं शिक्षाधिकारी कार्यालयों के अलावा अटल आवासीय विद्यालय लखनऊ से प्राप्त किये जा सकते हैं। पूर्ण भरे हुये आवेदन पत्र सभी वांछित अभिलेखों व तीन अतिरिक्त फोटो के साथ 31 जनवरी को शाम 5 बजे तक संबंधित जिले के श्रम विभाग कार्यालय में जमा कराये जा सकते हैं।

वार्ता में छाया रहा नोशनल इंक्रीमेंट का मामला

उन्नाव, अमृत विचार। उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष हरिहर प्रसाद दीक्षित व जिलामंत्री रामशंकर के नेतृत्व में डीआईओएस सुनील दत्त से मिला और 9 सूत्रीय ज्ञापन देते हुए समस्याओं का निस्तारण किये जाने की मांग की। वार्ता के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों को नोशनल इंक्रीमेंट का मामला प्रमुखता से छाया रहा। शिक्षक नेताओं का कहना था कि दो महीने तक नोशनल इंक्रीमेंट के मामले लेखा सेल में लंबित पड़े रहते हैं और बाद में उन पर आपत्ति लगाकर भेज दिया जाता है कि आपत्ति का निवारण करें मगर आपत्ति नहीं लिखी जाती कि कौन सी आपत्ति है। इस पर मौखिक रूप से कहा जाता है कि वहां का बाबू आकर उन्हें बताए कि उन्होंने जो लिखा है वह सही है। जब तक वहां का बाबू नहीं आकर बतायेगा तब तक उनकी फाइल में हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे। प्रतिनिधि मण्डल में वीरेंद्र विक्रम सिंह, अशादीन तिवारी, सत्य नारायण सिंह, सूर्यकान्त तिवारी, अरुण सिंह, रमेश गौतम, सत्येन्द्र दीक्षित आदि थे।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी के बेटे की मौत पांच पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज। राजधानी मार्ग स्थित सब्जी मंडी शुक्ला हाता निवासी रामबरन सिंह ने अपने बेटे की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण के प्रदेश अध्यक्ष रामबरन सिंह ने बताया कि उनके बेटे संजय उर्फ शिवप्रताप सिंह को 13 दिसंबर को 12 बजे कुछ लोगों ने आदर्श नगर क्षेत्र में जबरन जहर पिला दिया। उन्होंने ने बताया कि आरोपियों में अंकित सचान उर्फ गोलू करिया निवासी घंटाघर कानपुर नगर, कलक्टरगंज कानपुर निवासी गोलू, पोनी रोड बमबम चौराहा निवासी सत्येन्द्र तोमर, विकास गौतम व आदर्श नगर निवासी राहुल शामिल हैं। घटना के बाद संजय की हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां रात साढ़े 8 बजे इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संजय सिंह (फाइल फोटो)

पूरे दिन कोहरे व सर्दी से ठिठुरते रहे लोग

दुर्गा मंदिर के बाहर अलाव तापते लोग। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। मंगलवार को नगर व ग्रामीण क्षेत्र में ठंड व घने कोहरे ने जन जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। सुबह से छाए कोहरे व बर्फीली हवाओं के कारण लोग पूरे दिन ठिठुरते रहे। ठंड तीव्र थी कि उसका असर सीधे हड्डियों तक महसूस किया गया और हर कोई कंपकंपाता दिखाई दिया।

सोमवार देररात से ही कोहरा छाना शुरू हो गया था। जिससे गलन व ठंड में लगातार बढ़ोतरी होती गई। रात में गलन इतनी अधिक रही कि लोग जल्दी घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। मंगलवार सुबह भी मौसम में कोई खास सुधार नहीं हुआ और लोग काम पर जाते समय ठंड से जूझते दिखे। सड़कों के किनारे जल रहे अलाव लोगों के लिए राहत का सहारा बने रहे। ठंड से बचने के लिए लोग ही नहीं पशु भी अलाव के पास खड़े दिखे। दोपहर में कुछ देर के लिए धूप जरूर निकली लेकिन वह ठंड के आगे बेअसर साबित हुई। कोहरे के कारण वाहन संचालन भी प्रभावित रहा। भीषण ठंड और कोहरे का असर ट्रेन सेवाओं पर भी पड़ा। यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बीएलओ पर पात्रों के नाम हटाने व अपात्रों के नाम जोड़ने का आरोप

बांगरमऊ। गांव ततियापुर के प्रधान मनीराम यादव ने पंचायत निर्वाचक नामावली में अनियमितता का आरोप लगाते हुए उपजिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र सौंपा है। इसमें उन्होंने बीएलओ द्वारा मनमानी करने का गंभीर आरोप लगाया है। उपजिला निर्वाचन अधिकारी बृजमोहन शुक्ला को सौंपे पत्र में प्रधान ने बताया कि पंचायत निर्वाचन नामावली के निर्माण के लिए शिक्षामित्र नरेश बाबू को बीएलओ बनाया गया है। लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। आरोप है कि विपक्षियों के इशारे पर गांव के कुलदीप, जगरानी, शिवराम, राजेंद्र, रेशमा, ओम प्रकाश, दिनेश कुमार सहित एक सैकड़ा पात्र ग्रामीणों के नाम विलोपित सूची में डाल दिए गए हैं। जबकि इन सभी के पास निवास से संबंधित जरूरी साक्ष्य हैं। प्रधान ने कहा कि संबंधित ग्रामीणों के नाम विधानसभा व लोकसभा की मतदाता सूची में दर्ज हैं तथा सभी ने एसआईआर फार्म भी भर रखे हैं। इसके बावजूद उनके नाम पंचायत निर्वाचक नामावली से हटाए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर दर्जनों नाबालिग बच्चों के नाम मतदाता सूची में जोड़ दिए गए हैं। आरोप है कि जब इस संबंध में बीएलओ से फोन पर संपर्क किया गया तो वह टालमटोल करता रहा और अब फोन उठाना भी बंद कर दिया है। प्रधान ने नाबालिगों के नाम काटने व पात्र ग्रामीणों के नाम जोड़ने की मांग की है।

नए साल के जश्न के लिए दिनभर चलीं तैयारियां

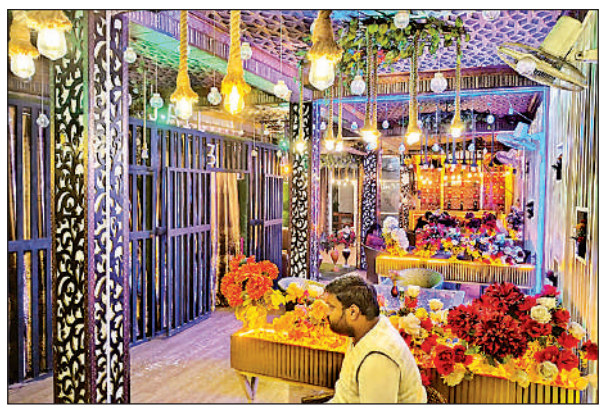

न्यू ईयर पार्टी के लिए रेस्टोरेंट में की गई सजावट। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। वर्ष 2025 की विदाई व वर्ष 2026 के स्वागत को लेकर जिले में उत्साह चरम पर है। मंगलवार को शहर के प्रमुख बाजारों से लेकर होटल, रेस्टोरेंट व बेकरी शॉप्स पर दिन भर तैयारियों का दौर चलता रहा। हर तरफ जश्न की रौनक दिखाई दी और व्यापारियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए खास इंतजाम किए। शहर के होटलों व रेस्टोरेंट्स को रंग-बिरंगी लाइटों और गुब्बारों से सजाया गया है।

मंगलवार सुबह से ही कारीगर सजावट में जुटे रहे। कई होटलों ने 'न्यू ईयर नाइट' के लिए लाइव म्यूजिक, डीजे व डिनर मेन्यू तैयार किया है। युवाओं की पसंद को देखते हुए इस बार सेल्फी प्वाइंट्स भी बनाए गए हैं। नए साल पर केक काटने की परंपरा को देखते हुए बेकरी शॉप्स पर एडवांस बुकिंग की जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि वनीला, चॉकलेट व रेड वेलवेट केक की अधिक डिमांड है। गिफ्ट सेंटरों पर डायरी, कैलेंडर व पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स की खरीदारी के लिए युवाओं की भीड़ रही। जश्न के दौरान हुड़दंग रोकने के लिए पुलिस व प्रशासन भी अलर्ट है। मंगलवार शाम को ही प्रमुख चौराहों पर पुलिस की सक्रियता बढ़ गई। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर नजर रखने के लिए पुलिस चेकिंग भी करेगी।

कुल्हाड़ी से वारकर युवक की हत्या

उन्नाव। पारा गांव निवासी इंद्र बहादुर (45) पुत्र स्व. भगवान दीन गौतम का पड़ोसी सोहन पुत्र मेढ़ी लाल से घर के सामने पड़ी सहन की जमीन को लेकर विवाद था। इसे लेकर दोनों पक्षों में खुन्नस चल रही थी। मंगलवार दोपहर भी सहन में लगे फूल तोड़ने को लेकर विवाद हुआ। इस पर सोहन पक्ष ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस जांच करने पहुंचती इससे पहले शाम को फिर किसी बात को लेकर हुई कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। आरोप है कि इसी दौरान सोहन व उसके बेटे तेज बहादुर ने इंद्र बहादुर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इससे वह लहूलुहान हालत में वहीं गिर गया। इसी बीच मौका पाकर पिता-पुत्र भाग निकले। परिजनों की सूचना पर पहुंची पीआरवी घायल को 100 बेड अस्पताल लाई जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों में चीखपुकार मच गई। एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। फील्ड यूनिट की टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। सीओ तेज बहादुर सिंह ने बताया कि भाई राकेश की तहरीर पर रिपोर्ट पिता-पुत्र पर रिपोर्ट दर्ज कर शव मोर्चरी भेजा है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मनभौना में 6.80 करोड़ की सरकारी जमीन कब्जा मुक्त

कब्जा मुक्त के दौरान मनभौना गांव में मौजूद प्रशासनिक टीम। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। शासन के निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने मंगलवार को भूमाफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सदर तहसील अंतर्गत ग्राम मनभौना में दशकों से अवैध कब्जे की शिकार करीब 7 बीघा सरकारी भूमि को प्रशासनिक टीम ने मुक्त कराया है। कब्जामुक्त कराई गई बेशकीमती जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ 80 लाख रुपये बताई जा रही है।

मनभौना स्थित गाटा संख्या 662/2 व 756/2 जो राजस्व अभिलेखों में तालाब के नाम दर्ज हैं। इसके साथ-साथ गाटा संख्या 781 (खलिहान) व गाटा संख्या 761 (आबादी व बंजर) पर स्थानीय रसूखदारों व भूमाफियाओं ने अवैध कब्जा कर रखा था। कुल 2.744 हेक्टेयर (लगभग 7 बीघा) भूमि पर माफियाओं द्वारा गेहूं व सरसों उगाई जा रही थी। एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी के नेतृत्व में मंगलवार को भारी पुलिस बल व राजस्व टीम मनभौना पहुंची। एसडीएम ने निर्देश दिए कि कब्जामुक्त कराई गई भूमि पर तत्काल सरकारी बोर्ड लगाए जाएं।

रुकनापुर में मोपेड से गिरे किसान की हुई मौत

10 दिन पहले बेटी ने की थी आत्महत्या

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। अमरूद बेचकर लौट रहे किसान की अचानक मोपेड से गिरने से मौत हो गई। इसकी खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। 10 दिन पूर्व उसकी 22 वर्षीय बेटी ने फंदे लटककर आत्महत्या कर ली थी।

माखी थानाक्षेत्र के रुकनापुर गांव निवासी राजू रावत (56) पुत्र स्व. सूरजबली खेती करता था। सोमवार को वह अपने बाग से अमरूद तोड़कर गुलाबखेड़ा मंडी गया था। जहां से लौटते समय गांव के मोड़ अचानक उसकी मोपेड अनियंत्रित हो गई और वह मुंह के बल सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। परिजन उसे सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। बड़े बेटे विकास की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

राजू रावत (फाइल फोटो)।

बता दें कि राजू की मानसिक बीमार बेटी ने बीती 21 दिसंबर को अपने अमरूद के पेड़ में फंदे से लटककर जान दे दी थी। 22 दिसंबर को उसका शव लटका मिला था। 10 दिन में परिवार में हुई दो मौतों से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे विकास ने बताया कि मां श्रीमती की पहले ही मौत हो चुकी है। पिता ही बच्चों की देखभाल करते थे। पहले मां फिर बड़ी बहन और अब पिता की मौत से नाबालिग बेटा महावीर व बेटी नेहा बेहाल हैं। एसओ योगेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

सिटी डायरी

सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र लीला का मंचन देख भावविभोर हुए दर्शक

रामलीला महोत्सव में लीला का मंचन करते कलाकार।

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार। भगवती चरण वर्मा पार्क में चल रही रासलीला व रामलीला के पांचवे दिन वृंदावन के कलाकारों ने सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र लीला का मंचन किया। पंडाल में उमड़ी भारी भीड़ लीला देख भावविभोर हो गई। लीला प्रारम्भ से पहले नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई व व्यापार मंडल उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता मुन्ना सेठ ने राधाकृष्ण स्वरूपों की आरती उतारी। वहीं सुबह की पाली में भक्त गोपाल लीला का मंचन किया गया। सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र लीला का मंचन कर कलाकारों ने लोगों को सत्य को जीवन में उतारने के लिये प्रेरित किया। लीला में दिखाया कि विपरीत परिस्थिति में भी हरिश्चन्द्र ने धैर्य नहीं खोया। राजपाठ खोने के बाद पत्नी व पुत्र को भी बेचना पड़ा लेकिन सत्य मार्ग नहीं छोड़ा। अंतत: उनकी विजय हुई। सुबह की पाली में भक्त गोपाल की लीला प्रस्तुत की गई।

विजेता व उपविजेता टीम के साथ अतिथि।

गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर मौजूद एसएसई।

खेलवीर की टीम ने जीता खिताब

उन्नाव। सेंट लॉरेंस स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन सेमीफाइनल व फाइनल मैच हुए। विशिष्ट अतिथि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के राष्ट्रीय रेफरी लईक अहमद खान व जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया। खेलवीर की ओर से आदर्श ने 3, यशवेंद्र सिंह ने 1 वहीं स्टेडियम से आनंद ने 1 गोल कर 4-1 के अंतर से खेलवीर ने जूनियर वर्ग के खिताब जीता। सीनियर वर्ग का फाइनल मैच खेलवीर एफसी व स्टेडियम एफसी के बीच हुआ। खेलवीर से 2 गोल पीयूष ने और 1 गोल अभिषेक निगम ने किये। खेलवीर ने 3-1 के स्कोर से खिताब पर कब्जा किया।

गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी का किया गया निरीक्षण

शुक्लागंज। यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर रेलटेल कंपनी की ओर से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मंगलवार दोपहर हकीकत परखी गई। इस क्रम में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों ने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। मंगलवार दोपहर सीनियर सेक्शन इंजीनियर टेलीकॉम सचिन कुमार, रेलटेल कंपनी के प्रतिनिधि पंकज कुमार तथा फील्ड इंजीनियर शुभम कुमार लखनऊ से गंगाघाट रेलवे स्टेशन पहुंचे।

पुलिस ने शराब पीकर वाहन न चलाने व कोहरे में सावधानी बरतने की दी सलाह

परियर में संदिग्ध वाहनों की जांच करते कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी।

परियर। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के परियर बिठूर चेक पोस्ट पर कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी व चौकी प्रभारी अनिल राजपूत ने फोर्स के साथ संदिग्ध वाहन व व्यक्ति से पूछताछ की और वाहन चलाते समय जरूरी नियम का पालन करने की बात बताई। मंगलवार शाम को कोतवाली प्रभारी ने परियर चेक पोस्ट, चौराहा व शराब ठेके के पास संदिग्ध खड़े वाहन व व्यक्तियों से जानकारी कर शराब पीकर वाहन न चलाने व कोहरे में विशेष सावधानी बरतने आदि की सलाह दी।

लेखा-जोखा | वर्ष 2025 में पुलिस ने अपराधियों पर खूब लगाई लगाम, हत्याएं बनीं चुनौती

उन्नाव में 36 मुठभेड़ में पकड़े गए 48 अपराधी

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। उन्नाव पुलिस के लिए वर्ष 2025 काफी हद तक अपराधियों पर अंकुश रखने वाला रहा। कई गंभीर अपराधों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई नजीर बनी। 28 दिसंबर तक के जारी आंकड़ों के मुताबिक पुलिस ने 36 मुठभेड़ में 48 बदमाशों को पकड़ कर जेल भेजा है। वहीं कई घटनाओं का खुलासा न हो पाना भी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है।

बता दें कि जिले के विभिन्न थाना कोतवालियों में 1 जनवरी से 28 दिसंबर तक हत्या के 24 मामले दर्ज किए गए। जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 83 आरोपियों को जेल भेजा। वहीं हत्या के प्रयास की 18 घटनाओं में पुलिस ने 120 आरोपियों को जेल भेजा। वहीं लूट व वाहन चोरी के 104, अन्य चोरियों के 113, दहेज में मौत के 29, बलवा के 16, दुष्कर्म के 26, ग्रहभेदन के 56, शस्त्र संबंधी 209 व गुंडा एक्ट के 220 केस दर्ज हुए। जिसमें पुलिस ने लूट में 39, चोरी में 202, नकबजनी में 72 सहित अन्य अपराधों में 13083 आरोपियों को जेल भेजा। चोरों से लाखों रुपये का माल भी बरामद किया। गृह भेदन के 56 मामलों में 63 आरोपी जेल गए। उनकी निशानदेही पर 48 लाख रुपये बरामद हुए। वाहन चोरी के दर्ज मामलों में 54 घटनाओं का खुलासा कर 83 आरोपी जेल भेजे गए। उनसे 54 वाहन भी बरामद हुए। जिनकी कीमत 21 लाख 26 हजार रुपये थी। वहीं पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार के लिए शासन से 22 नए वाहनों में 12 चौपहिया व 10 बाइकें भी उपलब्ध कराई गईं। वहीं नया महिला थाना निर्माण के लिए पड़ी जमीन पर नया भवन बनवाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया लेकिन अभी वह लंबित है। वहीं कई बड़ी घटनाओं का पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर पाई है। एसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि घटनाएं हुई हैं। लेकिन खुलासे भी किए गए।

एसपी जय प्रकाश सिंह। अमृत विचार

मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

शुक्लागंज। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को सशक्त व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को गंगाघाट पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया। सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश के नारे के साथ चले अभियान में एंटी रोमियो महिला पुलिस दल ने नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ी सेवाओं की जानकारी दी। महिला पुलिस कर्मियों ने नगर पालिका कार्यालय, न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बाजार, सार्वजनिक स्थल व राजमार्ग क्षेत्र में मौजूद महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्हें वूमेन पावर लाइन 1090 के बारे में बताया।

न्यूज ब्रीफ

युवक से मारपीट का आरोप, केस दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। जटौआपुर गांव में एक युवक को पीटा गया। पुलिस ने एससीएसटी एक्ट के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज कर घायल का डाक्टरी परीक्षण कराया। पिहानी थाना क्षेत्र के ग्राम जटौआ पुरवा निवासी राम प्रसाद के अनुसार वह शाम को वह अपना कार्य कर रहा था। उसी समय श्री कृष्णा शर्मा निवासी ग्राम कुल्लही आए और उसे जाति सूचक गाली-गलौज कर पीटने लगे। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही।

टोल प्लाजा पर पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नवाबगंज टोल प्लाजा पर अजगैन पुलिस ने सुरक्षा के दृष्टिगत सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत करना, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना व सड़क सुरक्षा को लेकर वाहन चालकों को जागरूक करना रहा। इस दौरान पुलिस टीम ने टोल प्लाजा से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की गहन जांच की। इसमें वाहन चालकों को तेज गति से वाहन न चलाने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने, वाहन की लाइटें सही रखने व ओवरटेक से बचने की सलाह दी गई।

ट्रेनों की रफ्तार थमी, यात्री हो रहे बेहाल

भीषण ठंड में स्टेशन पर घंटों करना पड़ रहा इंतजार, बच्चे व बुजुर्ग होते हैं परेशान

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। घने कोहरे के कारण हरदोई रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली और यहां रुकने वाली लगभग आधा दर्जन से अधिक प्रमुख ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से स्टेशन पर पहुंचीं। ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नई दिल्ली से लखनऊ जाने वाली मेल ट्रेन अपने तय समय से करीब 2 घंटे 26 मिनट की देरी से हरदोई पहुंची। इसी तरह चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस लगभग 3 घंटे 16 मिनट देर से स्टेशन पर आई। योग नगरी ऋषिकेश से हावड़ा जाने वाली दून एक्सप्रेस भी कोहरे की चपेट में रही और यह ट्रेन करीब 1 घंटा 52 मिनट की देरी से हरदोई रेलवे स्टेशन पहुंच सकी। सबसे अधिक देरी लालगढ़ से डिब्रूगढ़ जाने वाली अवध असम एक्सप्रेस में देखने को मिली, जो अपने निर्धारित समय से करीब 4 घंटे 16 मिनट विलंब से हरदोई स्टेशन पर पहुंची। वहीं लखनऊ से मेरठ सिटी जाने वाली राजरानी एक्सप्रेस भी लगभग 1 घंटा 45 मिनट देरी से पहुंची। जम्मू तवी से कोलकाता जाने वाली सियालदह एक्सप्रेस करीब 3 घंटे लेट रही, जबकि अमृतसर से हावड़ा जाने वाली पंजाब मेल ने तो यात्रियों की परीक्षा ही ले ली। यह ट्रेन अपने तय समय से लगभग 9 घंटे 10 मिनट की देरी से हरदोई स्टेशन पर पहुंची।

स्टेशन पर बैठने व रुकने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं

कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें भी घंटों की देरी से संचालित होती रहीं। ट्रेनों के विलंब से चलने का सबसे अधिक असर आम रेल यात्रियों पर पड़ा। लंबा इंतजार, ठंड और अनिश्चितता के बीच यात्रियों को स्टेशन पर समय बिताना पड़ा। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि कोहरे के चलते स्टेशन पर बैठने और ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। प्लेटफार्म पर सीमित बेंच और ठंड से बचाव के इंतजाम न होने के कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्ग यात्रियों को खासतौर पर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार कोहरे की वजह से ट्रेनों की गति नियंत्रित रखी जा रही है ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके। हालांकि यात्रियों का कहना है कि सुरक्षा जरूरी है, लेकिन यात्रियों की सुविधाओं को लेकर भी ठोस इंतजाम किए जाने चाहिए। फिलहाल घने कोहरे के कारण हरदोई स्टेशन पर यात्रियों की परेशानी कम होती नजर नहीं आ रही है।

घने कोहरे में दिन में लाइट जलाकर गुजरते वाहन चालक। अमृत विचार

घने कोहरे व हवाओ के बीच सूर्यदेव ने दिए दर्शन

हरदोई, अमृत विचार। जिले में मंगलवार को भी कड़ाके की ठंड रही। एक ओर जहां घने कोहरे व हवाओं के बीच सूर्य देव दोपहर बाद दर्शन दिए। मौसम वेधशाला प्रेक्षक के अनुसार सोमवार की अपेक्षा मंगलवार को न्यूनतम तापमान में डेढ़ डिग्री सेल्शियस गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 7.0 व अधिकतम 16.0 डिग्री सेल्शियस दर्ज किया गया। दृश्यता 200 से 300 मीटर रही। इसके अलावा पछुआ हवाएं भी जारी रहीं। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में कोई खास परिवर्तन नहीं आएगा, लेकिन पारे में गिरावट आएगी। मौसम विभाग के प्रेक्षक के अनुसार ठंड से कोई अभी राहत मिलने की उम्मीद नहीं लग रही है।

(तापमान डिग्री सेल्शियस में)

दिनांक	न्यूनतम	अधिकतम
30 दिसंबर	7.0	16.0
29 दिसंबर	8.5	15.6
28 दिसंबर	9.5	12.5
27 दिसंबर	9.5	15.0
26 दिसंबर	9.0	14.5

ट्रैक्टर की टक्कर से देवर की मौत, भाभी व भतीजी घायल

हरदोई, अमृत विचार। भाभी व भतीजी को लेकर बाइक से जा रहे युवक को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी, जिससे देवर-भाभी और भतीजी घायल हो गई। उन्हे इलाज के लिए ले जाया जाता, उसी बीच देवर की मौत हो गई। जबकि भाभी और भतीजी को एम्बुलेंस-108 से सीएचसी टड़ियावां पहुंचाया गया, वहां से मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर भाग गया। टड़ियावां थाने के शिवापुरवा मजरा नरधिरा निवासी आशीष गौतम (22) पुत्र कैलाश की बड़ी बहन किरन बीमार थी। मंगलवार को आशीष उसे देखने के लिए जाने लगा, उसी बीच उसकी भाभी शारदा (30) पत्नी राजेश ने साथ चलने को कहा। शारदा के साथ उसकी बेटी मुस्कान (12) भी थी। तीनों बाइक से किरन की ससुराल कोट थाना टड़ियावां जा रहे थे। गोपामऊ रोड पर हरईं के पास तेज़ रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। पुलिस ने आशीष के शव का पोस्टमार्टम कराया है। आशीष हरियाणा की एक फैक्ट्री में नौकरी करता था।

कार्यालय-प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, नीलगॉव - सीतापुर।

पत्रांकः– 1042 / फसल कटाई, मड़ाई पत्रा0 / नीलगॉव / 2025–26 / दिनांकः– 26.12.2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पषुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र नीलगाँव–सीतापुर जो कि अटरिया से 13 कि0मी0 की दूरी नीलगाँव लालपुर रोड पर, सिधौली से 18 कि0मी0 की दूरी पर जनपद–सीतापुर में स्थित है। प्रक्षेत्र पर रबी फसल वर्ष 2025–26 में जई बीज फसल क्षेत्रफल लगभग 180.00 हेक्टेयर (क्षेत्रफल घट व बढ़ सकता है) की कम्बाइन मषीन से कटाई–मड़ाई व बीज प्रक्षेत्र गोदाम तक पहुँचाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म दिनांक 17.01.2026 से 21.01.2026 तक प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में प्रक्षेत्र कार्यालय से रूपये 1180.00 (रू0 एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) नान रिफन्डेवल जी0एस0टी0 सहित नगद जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा फार्म 23.01.2026 को दिन के 12.00 तक सील बन्द लिफाफे में जमा करना होगा। निविदा डालने वाली फर्मों को अर्नेस्टमनी के रूप में रू0 50000.00 मात्र की धनराशि को किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत एफ0डी0आर0 /डिमान्ड ड्राफ्ट के रूप में प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र नीलगाँव–सीतापुर के नाम से देय होगी। सील्ड बन्द निविदा फार्म दिनांक 23.01.2026 को दिन के 02.00 बजे के उपरान्त मण्डलीय क्रय–विक्रय समिति के समक्ष खोले जायेगें। विस्तृत जानकारी व अन्य शर्ते हेतु कार्यालय पर किसी भी कार्य दिवस में आकर ज्ञात की जा सकती हैं।

(डॉ0 सुनील कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र,
नीलगांव – सीतापुर।

UP – 243318 दिनांकः 29/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

खेत पर गए युवक की गला दबाकर हत्या

संवाददाता, हरदोई

- मंगलवार सुबह खेत पर पहुंचे बंटाईदार ने शव देख दी सूचना

अमृत विचार। रात में खेतों की निगरानी के लिए गए युवक की गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसका शव तख्त से खींच कर नीचे जमीन पर फेंक दिया गया। सुबह उसका बटाईदार चाय लेकर खेत पर पहुंचा तो उसका शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

सवायजपुर कोतवाली के नगला कन्हारी गांव निवासी 28 वर्षीय गोविन्द कटियार पुत्र प्रकाश चन्द्र कटियार खेती-किसानी करता था। वह दो भाइयों में छोटा था। बड़े भाई विपिन कटियार ने बताया कि गांव के उत्तर उसका खेत है, दोनों भाई खेती-बाड़ी करते थे। सोमवार की शाम गोविन्द घर पहुंचा और खाना खाने के बाद रोज़ की तरह खेत पर चला गया। मंगलवार की सुबह बटाईदार उदयवीर उसके लिए चाय लेकर गया, वहां उसने देखा कि गोविन्द तखत के नीचे ज़मीन पर पड़ा था, शव देखते ही उदयवीर चिल्लाने लगा, उसकी आवाज़ सुन कर लोगों की भीड़ लग गई। बकौल उदयवीर गोविन्द की दाहिनी आंख के ऊपर गहरी चोट थी और दाहिने कान से खून निकल रहा था। भाई विपिन कटियार ने आरोप लगाया कि उसके भाई की पीट-पीट कर हत्या की गई, लेकिन ऐसा किसने और क्यों किया, इस बारे में वह कुछ नहीं बता सका। विपिन का कहना था कि किसी से कोई रंजिश भी नहीं थी। उसकी समझ में नहीं आ रहा है। उधर गोविन्द की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबा कर कर हत्या की बात कही गई है, साथ ही दाहिनी आंख के ऊपर और दाहिने कान पर गहरी चोंट होना बताया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस की जांच तेज़ हो गई है।

रेलवे सलाहकार समिति की बैठक में वंदे भारत के ठहराव की मांग

हरदोई, अमृत विचार। मुरादाबाद रेलवे मंडल सलाहकार समिति की बैठक मंगलवार को मुरादाबाद मंडल मुख्यालय पर संपन्न हुई। जिसमे हरदोई का प्रतिनिधित्व कर रहे रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य नवीन अग्रवाल ने जिले में वंदे भारत समेत प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग के साथ हरदोई स्टेशन का नाम बदल कर भक्त प्रहलाद नगरी हरदोई किए जाने की मांग रखी। उन्होंने निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर भव्य नरसिंह भगवान की प्रतिमा के संस्थापन की भी मांग रखी। कहा कि प्रधानमंत्री अपने भाषणों में हरदोई को प्रहलाद नगरी के रूप में वर्णित कर चुके है ऐसे प्रमुख स्टेशन पर हरदोई से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों का स्टापेज न होना न केवल निराशाजनक है वरन चिंतनीय भी है।

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय न्यायिक डलमऊ वाद संख्या T202510580501725 सन् 2025 ई0

शिवम ...वादी

बनाम

महादेव

यादव त्रिवेनी बहादुर महादेव पुत्र महादेव निवासी महाकाली की चाली नागर वेल हनुमान मंदिर के सामने अमराईवाडी अहमदाबाद **.... प्रतिवादी**

चूंकि उपरिनामा.... ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि .....अतएव आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 16 के तारीख 1 माह 2026 को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं सम्यक रूप अनुदृष्टि अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त, आवेदन एक पक्षीय सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज तारीख.30 माह 12. 25 के आज को निकाली गयी है।

न्यायाधीश
हस्ताक्षर

पालिका बोर्ड की बैठक में महाविद्यालय व अस्पताल के भूमि आवंटन को स्वीकृति

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। मंगलवार को नगरपालिका बोर्ड की बैठक नसरीन बानो की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें कई प्रस्ताव पारित हुए। इस मौके पर दाखिल खारिज में बदलाव किया गया, तथा महाविद्यालय एवं अस्पताल के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृति भी सर्वसम्मत से प्रदान की गई।

पालिका अध्यक्ष नसरीन बानों ने कहा कि हमारा लक्ष्य नगरवासियों को अधिक से अधिक सुविधा देने का है। लाइट, पानी, सड़कों आदि की बेहतर सुविधा दिलाने पर कार्य किया जा रहा है। शहरवासियों की राहत के लिए दाखिल खारिज के नियमों में बदलाव किया गया है जिससे बैनामा कराने वालों को भारी सहूलियत मिलेगी। नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया क पालिका बोर्ड की बैठक में राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय और 100 बेड के अस्पताल के लिए भूमि आवंटन किया गया है और वन स्टॉप सेंटर के लिए भी भूमि चिन्हित की गई है। दाखिल खारिज की प्रक्रिया में पहले 2 प्रतिशत शुल्क जमा होता था, जिसको शासनादेश के अनुसार अब घटाकर एक प्रतिशत किया गया है और अधिकतम इस शुल्क की सीमा 10 हजार तक निर्धारण की गई अर्थात मालियत कितनी भी ज्यादा होने पर अब दाखिल खारिज में केवल दस हजार शुल्क देय होगा।

किसान ने फंदे से लटककर दी जान

उन्नाव, अमृत विचार। आसीवन थानाक्षेत्र के कस्बा हैदराबाद में किसान ने फंदे से लटक कर जान दे दी। अस्पताल के मेमो पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कस्बा हैदराबाद के मोहल्ला विनोवा नगर निवासी विपिन सविता (32) पुत्र सत्य कुमार की पत्नी आराधना ने बताया कि पति ने किसी बैंक से ऋण लिया था। जिसकी मासिक किश्त जाती थी। मंगलवार को बैंक कर्मी किश्त लेने आए थे लेकिन पति के पास रुपए नहीं थे। इससे वह परेशान थे।

सेल्समैन को दाएं कंधे से सटाकर मारी गई थी गोली

अमृत विचार Follow UP

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार। शराब ठेके के सेल्समैन को कंधे से सटाकर मारी गई गोली हड्डी तोड़ते हुए बाएं फेफड़े में फंसी मिली। डॉक्टरों के पैनल से हुए पोस्टमार्टम में एक्सरे कराने पर इसकी पुष्टि हुई। वहीं घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस टीमें खाली हाथ हैं। बता दें कि औरास थानाक्षेत्र के बरादेव तोंदा गांव निवासी सुधीर (32) पुत्र रामलखन प्रजापति आसीवन थानाक्षेत्र के कस्बा कुरसठ कस्बे में देशी शराब ठेके पर सेल्समैन था। सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे वह सहयोगी सेल्समैन से घर जाने की बात कहकर बाइक से निकला था। आसीवन थानाक्षेत्र कुरसठ-हैदराबाद मार्ग पर बीजीमऊ-पहाड़पुर गांव के बीच पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने उसके सटा कर कंधे के पास से गोली मार दी। जो उसकी हड्डी तोड़ते हुए दोनों फेफड़े को चीरते हुए वहीं फंस गई। मंगलवार को डॉ. शक्ति प्रकाश व डॉ. संदीप मिश्र ने शव का पोस्टमार्टम किया। एक्सरे कराने पर गोली फेफड़ों में फंसी मिली। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस की मौजूदगी में परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। एसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए थे। आसीवन व औरास पुलिस के साथ एसओजी व सर्विलांस की टीमें लगातार जुटी हैं। लेकिन 24 घंटे बाद भी अभी पुलिस कातिल से दूर है। एसओ औरास संजीव कुशवाहा ने बताया कि पुलिस की टीमें तहकीकात में जुटी है।

खुशी की लहर — नगर के मोहल्ला कटरा के नौसैनिक ने अपनी उपलब्धि से किया नाम रोशन

कौंडिन्य के चालक दल में शामिल हुए हर्षित

संवाददाता, बांगरमऊ उन्नाव

नौसैनिक हर्षित से हाथ मिलाते ओमान के राजदूत ईशा सालेह अलशिबानी व पुरातन भारतीय पोत।

अमृत विचार। नगर के मोहल्ला कटरा के नौसैनिक ने आईएनएसवी कौंडिन्य नामक पुरातन युद्धपोत के चालक दल में शामिल होकर इतिहास रच दिया। इस मेधावी युवक ने बीते सोमवार चालक दल के साथ पोरबंदर गुजरात से मस्क़त ओमान के लिए निर्धारित मिशन पर रवाना होकर नगर व जिले का नाम रोशन किया है। इस मौके पर भारत में ओमान के राजदूत ईसा सालेह अल शिबानी भी मौजूद रहे। मोहल्ला कटरा निवासी कृष्ण मुरारी द्विवेदी के बेटे हर्षित ने प्राथमिक से लेकर इंटर तक की शिक्षा नगर के आरआरडीएस इंटर कालेज से प्राप्त की है। वर्ष 2016 में इंटर की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करते ही मेधावी छात्र ने 'डायरेक्ट एंट्री' के माध्यम से भारतीय नौसेना में स्थान पाया। करीब 9 साल की सेवा के बाद वह प्राचीन विरासत बगैर कील के नौसेना पोत आईएनएसवी कौंडिन्य "स्टिच्ड-प्लैंक" के 18 सदस्यीय चालक दल में शामिल हो गया और बीते सोमवार इस पुरातन जहाज से पोरबंदर से मस्क़त तक की करीब 1400 किमी की यात्रा पर रवाना हुआ। नौसैनिक हर्षित ने इस यात्रा पर जाने के पहले फोन पर बताया कि यात्रा का प्रमुख उद्देश्य 2000 वर्ष पुरानी भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी मां सुमन, पिता कृष्ण मुरारी व गुरुजनों को दिया है। मंगलवार सुबह हर्षित की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही नगर व क्षेत्र के सैकड़ों लोग उनके आवास पहुंचे और उसके माता-पिता का मुंह मीठा कराया। साथ ही पोत के चालक दल के लिए परमात्मा से सुरक्षित और सफल यात्रा की कामना की।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **मल्हू गुप्ता सुत रामरतन, निवासी– ग्राम श्रीरामपुर परगना बरौसा तहसील जयसिंहपुर जनपद सुलतानपुर,** मेरी एल0आई0सी0 ब्रान्ड में मेरा नाम मल्हू प्रसाद अंकित है जबकि मेरे आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरा नाम मल्हू गुप्ता अंकित है जोकि सही नाम है। मल्हू गुप्ता व मल्हू प्रसाद दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

मैं **हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन, निवासी 14, शिव नगर, द्वितीय, लखनऊ** मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम त्रुटिवश किस्मतुन पत्नी हस्लामुद्दीन अंकित हो गया है जबकि मेरे पहचान पत्र पर मेरा सही नाम हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन अंकित है। आज मेरा सही नाम हसरूतुन निशा पत्नी इसलामुद्दीन पढ़ा व समझा जाये, जो कि मेरा सही नाम है।

सूचना

मैं Uzma Jabeen, यह घोषित करती हूँ कि मेरे हाईस्कूल सर्टिफिकेट में मेरे पिता का नाम गलती से Vasi Mohammad छप गया है। पिता का सही नाम Wasi Mohammad है, जिसे भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिये सही माना जाए। S/O Wasi Mohammad R/O 431/217, Niwati Tola, Moazzam Nagar, Hanuman Mandir, Lucknow- Near

सूचना

मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरा नाम रश्मि त्रिपाठी है, जबकि आधारकार्ड व पैनकार्ड में रश्मि चतुर्वेदी है। दोनों ही नाम मेरे है मुझे दोनों ही नामों से जाना व पहचाना जाए। **–रश्मि चतुर्वेदी पत्नी आकाश चतुर्वेदी निवासी मोहल्ला मंडी बाजार, तिर्वा, कन्नौज।**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ALLAN से बदलकर MOHAMMAD ALLAN KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SULTAN ADD-AZIZ NAGAR, MADIYAO DIST-LUCKNOW-226021(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम S ANSAR MEHDI से बदलकर SYED ANSAR MEHDI RIZVI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD-337/N66 N TAPEY WALI GALI NEAR HIZA HOSPITAL MANSOOR NAGAR DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मेरे पुत्र मुकेश व उनकी पत्नी रिकी देवी का चाल–चलन ठीक न होने से चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। **जय प्रकाश पुत्र स्व0 दशरथ, ग्राम परसा दूला, थाना छपिया, परगना बभनी पायर, तहसील–मनकापुर, गोण्डा।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि **नाजमा बानों पुत्री विसमिल्ला पत्नी शमशाद मकान नंबर 366 मोहल्ला बडगांव गोण्डा** की निवासिनी है। इलाहाबाद बैक वजीरगंज शाखा मे बचत खाता संख्या 21814548730 में नाजमा बेगम नाम दर्ज है। जबकि दोनों एक ही महिला के नाम है।

सूचना

मेरे आधार कार्ड संख्या 700075517646 में मेरा नाम KRISHNA S/O BALDEV YADAV व जन्मतिथि 19.03.1987 अंकित है जो गलत है। जबकि मेरे हाईस्कूल के प्रमाणपत्र में मेरा नाम KRISHT KUMAR YADAV S/O BALDEV YADAV व जन्मतिथि 01.03.93 अंकित है। जो सही है दोनों नाम KRISHT KUMAR YADAV S/O BALDEV YADAV एवं KRISHNA S/O BALDEV YADAV एक ही व्यक्ति का नाम है। अतः मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम एवं जन्मतिथि सही दर्ज की जाए। कृष्ट कुमार यादव पुत्र बलदेव यादव, ग्राम इंद्रपुर, पोस्ट थम्हनपुरा, तहसील व जिला बलिया, उ.प्र.।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **चन्द्रावती मौर्या पत्नी स्वर्गीय साधिका प्रसाद मौर्या, निवासी ग्राम किशुनदासपुर (देवियापुर), थाना कोतवाली मनकापुर, जनपद गोण्डा,** अपने पुत्र गिरीशचन्द्र मौर्या (आयु लगभग 36 वर्ष) को उसके अनुचित आचरण एवं कुकृत्यों के कारण अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से 30–12–2025 से पूर्णतः बेदखल करती हूँ। उक्त तिथि के पश्चात मेरे पुत्र द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कृत्य/घटना की जिम्मेदारी मेरी अथवा मेरे परिवार की नहीं होगी। वह स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होगा।

सूचना

मैं **विमल कुमार मौर्या पुत्र गया प्रसाद मौर्या, निवासी मुगलपुरा मजरा कसमंडी खुर्द तहसील मलिहाबाद, जिला–लखनऊ,** मेरी पुत्री आकृति मौर्या (Akriti Maurya) का सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बचत खाता डाक घर मलिहाबाद में है। जिसका नं0–3933323796 जन्मतिथि त्रुटिवश 20.01.2012 व मेरा नाम विमल कुमार अंकित हो गया है। जबकि पुत्री की सही जन्मतिथि 20.01.2015 व मेरा सही नाम विमल कुमार मौर्या है जो कि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड पर अंकित है। अपनी पुत्री आकृति मौर्या (Akriti Maurya) के उपरोक्त खाते मे अपनी पुत्री की सही जन्मतिथि 20.01.2015 व अपना सही नाम विमल कुमार मौर्या अंकित किया जाय।

सूचना

मैं ,शबाना मिर्ज़ा (SHABANA MIRZA) पत्नी महफूज इलियास मिर्ज़ा नि0–पी0 नं0 –49, के0न0–197, न्यू, हैदरगंज ,स्टार नगर लखनऊ सूचित करती हूँ कि शादी पूर्व मेरा नाम सबाना बेगम (SABANA BEGUM) , पिता का नाम स्व0 शरीफ अहमद था , शादी के बाद मेरा नाम श्रीमती शबाना मिर्ज़ा (Shabana Mirza) तथा पिता का नाम स्व0 शरीफ अहमद खान हो गया है . भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों हेतु श्रीमति शबाना मिर्ज़ा व पिता को शरीफ अहमद खान के जाना–पहचाना जाये।

मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश

जलाशय की निविदा सूचना (श्रेणी-5 के जलाशय हेतु)

पत्रांक - 292 /जलाशय निविदा /2025-26 दिनांक: 26-12-2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से मत्स्य विभाग उ0प्र0 के प्रबन्धान्तर्गत जनपद बलरामपुर के निम्नलिखित विभागीय जलाशय में मत्स्य पालन/मत्स्याखेट हेतु "जहां है जैसे है" की स्थिति में निविदाएं दस मत्स्य वर्षों हेतु शासनादेश संख्या: 28/2023/756/सत्रह-म-17-1099/63/2022 दिनांक: 25.09.2023 एवं ततसंबंधी शुद्धिपत्र संख्या: 13/1499 सत्रह-म-17-1099/63/2022 दिनांक: 19.10.2023 एवं शासनादेश संख्या: 4/2025/132/सत्रह-म – 2025-17-1099/63/2022 दिनांक: 29-01-2025 में निर्धारित शर्तों के अनुरूप एवं शासनादेश द्वारा गठित निविदा समिति के समक्ष निम्नलिखित विवरण के अनुसार आमंत्रित की जाती हैं:-

क्र0 सं0	जलाशय का नाम	क्षेत्रफल (हे0 में)	मत्स्य पालन/ मत्स्याखेट अवधि	प्रथम वर्ष 2024-25 हेतु आरक्षित मूल्य (रू0)	निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय	तकनीकी एवं वित्तीय निविदा खुलने की तिथियाँ एवं समय	बयाने की धनराशि (रू0)	निविदा का स्थल	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू0)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	तिलहर	30.922	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	410000.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	41000.00	विकास भवन सभागार बलरामपुर	रु० 100.00
2	मधुपुर	9.883	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	19000.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	1900.00		रु० 100.00
3	चितरपारा ननखुरवा	8.041	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	12700.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	1270.00		रु० 100.00
4	गिधराहिया	0.680	दस वर्षीय दिनांक 30.06.2036 तक	8100.00	16.01.2026 अपरान्ह 2.00 बजे तक	16.01.2026 अपरान्ह 4.00 बजे	810.00		रु० 100.00

मत्स्य वर्ष से तात्पर्य ग्रिगेरियन कैलेण्डर वर्ष की 01 जुलाई से अगले वर्ष के ग्रिगेरियन कैलेण्डर की 30 जून तक है।

निविदा प्रपत्र कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य बलरामपुर से दिनांक 05.01.2026 से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं।

1- सर्वप्रथम निविदा समिति के समक्ष तकनीकी बिड खोली जाएगी। तदोपरान्त तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की वित्तीय बिड खोली जाएगी।

2- निविदा का तकनीकी मूल्यांकन हेतु शासनादेश संख्या/28/2023/756 :सत्रह-म 1099/63/2022-17-दिनांक 25.09.2023 एवं ततसंबंधी शुद्धिपत्र संख्या13/1499 : सत्रह-म 1099/63/2022-17-दिनांक- 19.10.2023 एवं शासनादेश संख्या: 4/2025/132/सत्रह-म – 2025-17-1099/63/2022 दिनांक: 29-01-2025 में निर्धारित बिन्दुओ के पर किया जाएगा, जिसे तकनीकी निविदा प्रपत्र के साथ हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य होगा।

3- निविदा की विस्तृत शर्तें तथा अन्य जानकारियां विभागीय वेबसाइट https://fisheries.up.gov.in तथा कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य बलरामपुर से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती हैं।

(दीपांसू)
सहायक निदेशक मत्स्य
बलरामपुर

UP – 243328 दिनांकः 29/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उत्तर प्रदेश सरकार
लोक निर्माण विभाग

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
Office of Executive Engineer
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती
Provincial Division, P.W.D., Shrawasti

पुलिस लाइन, भिनगा–श्रावस्ती–271831
Police Line, Bhinga-Shrawasti
Phone No. 05250-222961
E-Mail: pdpwdswt2012@gmail.com

पत्रांक : 3 4 8 2 / ई–टेण्डर / 2025–26 दिनांक : 26–12–2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

1. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में 'ए', 'बी', 'सी' एवं 'डी' श्रेणी (सेतु कार्य) के पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद श्रावस्ती के निम्न वर्णन के अनुसार मार्ग मरम्मत हेतु कार्य की निविदा प्रतिशत दरो के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (समस्त करों सहित रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधानसभा क्षेत्र–श्रावस्ती						
1	श्रावस्ती	वित्तीय वर्ष 2025–26 में जनपद श्रावस्ती के विकास जमुनहा में जोगिया सम्पर्क मार्ग के किमी0–1 में बम्बा घाट पर निर्मित सेतु के क्षतिग्रस्त विंगवाल तथा पहुंच मार्ग का मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	27.27	2.73	945.00	02 माह

2. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदायें प्रकाशित होने की तिथि :– दिनांक 05–01–2026 से पूर्व।

3. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–

(क) बिड डाक्यूमेन्ट आन–लाइन दिनांक 05–01–2026 से 19–01–2026 तक उपलब्ध रहेगी, जो आन–लाइन http://etender.up.nic.in पर ही सबमिट किया जायेगा।

(ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेब–साइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आन–लाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।

(ग) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 19–01–2026 पूर्वान्ह 12.00 बजे तक एवं टेकनिकल क्वालिफिकेशन पार्ट–1 दिनांक 19–01–2026 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती में खोला जायेगा। विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in देखा जा सकता है।

(घ) निविदादाता को निविदा प्रपत्र मूल्य एवं बिड सिक्योरिटी धनराशि up e-tender portal पर इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से आन लाइन जमा करना होगा।

(ड़) शासनादेश संख्या 14 / 2020 / 879 / तेइस–7–2020–176(सा0) / 06 दिनांक 25–08–2020 में दिये गये दिशा–निर्देशों के अनुसार निविदा सम्बन्धी समस्त कार्यवाही प्रहरी के माध्यम से की जायेगी।

(च) प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष, उ0प्र0, लो0नि0वि0, लखनऊ का पत्रांक 6410 एम0टी0 / सामान्य वर्ग / 60 एम0टी0–1 / 2025 दिनांक 17–12–2025 के अनुपालन में बिन्दु सं0–2 के अनुसार ठेकेदारों / निविदादाताओं को लघु सेतु का अनुभव लगाना अनिवार्य होगा।

(कीर्ति प्रभाकर मिश्र)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
श्रावस्ती

UP – 243313 दिनांकः 29/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

हरदोई

न्यूज ब्रीफ

शिविर में सैकड़ों लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के गांव गुजीदेई स्थित नर्मदेश्वर धाम में एक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस शिविर का आयोजन जिले के वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकान्त पाठक की अध्यक्षता में किया गया। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. मीनाक्षी, चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय दौलतपुर तथा कमलेश चंद्र ने आउटरीच स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। शिविर के दौरान मरीजों का परीक्षण कर नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया। साथ ही आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता और उसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी देकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर रामकिशोर गुप्ता, उमेश चंद्र त्रिवेदी, सच्चिदानंद पाण्डेय, संजय गुप्ता, रमाकांत पाठक, अभिनव पाठक, अजीत कश्यप अतरजी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की की अपेक्षा की।

भैंस चोरी, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ककरघटा गांव से भैंस चोरी का एक मामला सामने आया है पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी। कोतवाली शाहाबाद क्षेत्र के ग्राम ककरघटा निवासी रामशरण के अनुसार 29 तारीख की शाम को वह गन्ना लेकर लोनी मिल चला गया। 30 दिसंबर को सुबह 5:10 पर बेटे सनी ने फोन करके बताया की झोपड़ी के अंदर उसकी भैंस नहीं है। सोमवार मंगलवार की मध्य रात्रि 1:00 बजे के बाद चोरों ने रामशरण की भैंस पर हाथ साफ कर दिया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर चोर की तलाश की जा रही है।

जिले में बोर्ड परीक्षाओं के लिए 133 केंद्र निर्धारित किए गए

संवाददाता, हरदोई

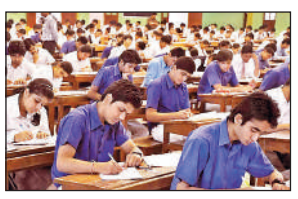

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के लिए जिले में परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है। इस बार कुल 133 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी होने के साथ ही बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियां अब निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं।

जानकारी के अनुसार प्रारंभिक स्तर पर उपजिलाधिकारियों की आख्या के आधार पर जिले के 147 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। बाद में शैक्षणिक और भौतिक संसाधनों की समीक्षा के दौरान 12 नए विद्यालयों को प्रस्तावित सूची में शामिल किया गया। हालांकि जांच प्रक्रिया के बाद पहली सूची से 26 विद्यालयों को बाहर कर दिया गया और 133 परीक्षा केंद्रों की एक सूची जारी की गई। सूची जारी होने के बाद संबंधित विद्यालयों से आपत्तियां और प्रत्यावेदन मांगे गए थे। ये प्रत्यावेदन माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त किए गए। प्राप्त प्रत्यावेदनों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया, जिसके बाद कुछ विद्यालयों को पुनः शामिल करते हुए अंतिम सूची में कुल 133 परीक्षा केंद्रों को ही बनाए रखा गया। इस प्रकार सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के बाद परीक्षा केंद्रों की फाइनल सूची जारी कर दी गई है।

परीक्षार्थियों की संख्या में मामूली बदलाव

हरदोई। इस वर्ष हाईस्कूल परीक्षा में कुल 52,944 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा में 45,837 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। यदि गत वर्ष से तुलना की जाए तो इस बार परीक्षार्थियों की संख्या में मामूली बदलाव देखने को मिला है। पिछले वर्ष जिले में 135 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां हाईस्कूल के 50,789 और इंटरमीडिएट के 48,874 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। इस तरह इस वर्ष दो परीक्षा केंद्र कम किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा केंद्रों का चयन शासनादेश में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुरूप किया गया है। जिन विद्यालयों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध पाए गए, उन्हीं को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इनमें पर्याप्त फर्नीचर, सीसीटीवी, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, बिजली, इन्वर्टर, कंप्यूटर और समुचित परीक्षा कक्ष जैसी सुविधाएं शामिल हैं। संसाधनविहीन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र के रूप में चयनित नहीं किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद ने बताया कि परीक्षा केंद्रों का निर्धारण माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। पहले सूची जारी कर विद्यालयों से प्रत्यावेदन लिए गए, फिर सभी बिंदुओं पर विचार करने के बाद 133 परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची तय की गई। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

वेयरहाउस का निरीक्षण करते डीएम अनुनय झा। अमृत विचार

डीएम ने वेयरहाउस का किया निरीक्षण

हरदोई, अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुनय झा ने मंगलवार निर्वाचन कार्यालय स्थित ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ वेयरहाउस की व्यवस्थाओं के संबंध में बातचीत की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की वेयरहाउस कि वाह्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए। परिसर में साफ सफाई की उचित व्यवस्था रखी जाए। इस अवसर पर प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नए साल पर हुड़दंग पड़ेगा भारी

एसपी ने लोगों को दी चेतावनी, पुलिस को गश्त तेज करने व अलर्ट रहने के निर्देश

संवाददाता, हरदोई

जानकारी देते एसपी अशोक मीणा।

अमृत विचार। नव वर्ष के स्वागत को लेकर पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने एडवाइजरी जारी की है। पुलिस लगातार निरीक्षण करती रहेगी। हुड़दंग करने वालों पर कार्यवाही की जाएगी। वाहनों का काफिला लेकर चलने व परिवहन नियम के विपरीत चलने वालों पर कार्यवाही की जाएगी। नव वर्ष का आयोजन जिन होटलों व अन्य जगहों पर होगी वहां पर नियमों के अनुसार ही आयोजन किया जाए।

एसपी श्री मीणा ने नव वर्ष स्वागत को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जो भी आयोजन किए जाएं शालीनता से किए जाएं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही की जाए, वहीं नाबालिग बच्चों को वाहन देने वाले अभिभावकों पर कार्यवाही होगी। पुलिस लगातार निरीक्षण करती रहेगी। आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर भी पुलिस की निगाह रहेगी। कार्यक्रमों में डीजे व ध्वनि विस्तारक यंत्र न्यायालय के निर्देशों के क्रम में बजाया जाए।

पिहानी संवाददाता के अनुसार मंगलवार को पिहानी कस्बे में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीड़ा के निर्देश पर यह फ्लैग मार्च सीओ हरियावां अजीत सिंह चौहान व कोतवाली प्रभारी छोटे लाल की अगुवाई में सम्पन्न हुआ।फ्लैग मार्च कोतवाली पिहानी से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, बड़ा चौराहा, चौहट्टा मस्जिद, कंजड़ तिराहा पुलिस चौकी, कटरा बाजार, पुरानी पुलिस चौकी तथा बंदर पार्क होते हुए सम्पन्न हुआ। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा और बाजारों व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त किया गया।

सीएनजी ऑटो चालक का 5 हजार का चालान

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। नगर के मुख्य चौराहे पर यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। मंगलवार दोपहर ट्रैफिक पुलिसकर्मी राम सजीवन द्वारा एक सीएनजी ऑटो चालक का 5 हजार रुपये का चालान किया गया। यह कार्रवाई उस समय की गई जब ऑटो चालक मुख्य चौराहे पर अपना ऑटो खड़ा कर सवारियां भर रहा था, जिससे यातायात बाधित हो रहा था। कार्रवाई के बाद ट्रैफिक पुलिस ने ऑटो चालक को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि बिना पूरे कागजात और नियमों के पालन के वाहन चलाना कानूनन अपराध है। भविष्य में ऐसी गलती दोहराने पर और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। इसके बाद चालक को छोड़ दिया गया। ट्रैफिक पुलिस ने आम वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने सभी कागजात पूर्ण रखें और निर्धारित स्थानों पर ही वाहन खड़ा करें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

ऑटो चालकों से वसूली के आरोप में दरोगा व तीन कांस्टेबल लाइन हाजिर

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। सीएनजी ऑटो चालकों से वसूली के आरोप में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने ट्रैफिक उपनिरीक्षक सहित तीन कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया है। कस्बे में सीएनजी ऑटो चालकों से ट्रैफिक पुलिस के द्वारा चालान और सीज करने के नाम पर अवैध रूप से वसूली का मामला डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के बड़े भाई राजेश पाठक की चौखट पर पहुंचा तो उन्होंने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। अवैध रूप से वसूली के आरोपों की जांच ट्रैफिक सीओ अनुज मिश्र सौंपी गईं। उन्होंने मल्लावां कोतवाली पहुंचकर सभी चालकों के बयान दर्ज कर रिपोर्ट एसपी को दी, जिस पर रात्रि ट्रैफिक उपनिरीक्षक राजेश मिश्र, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार यादव, विजय पाल मौर्या, मनोज कुमार पर कार्यवाही कर लाइन हाजिर कर दिया। व्यापारी नेता नीलेश गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक की इस कार्यवाही की सराहना की।

पाली थाने की कस्बा चौकी इंचार्ज सहित चार पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

पाली, हरदोई, अमृत विचार। थाने में तैनात कस्बा चौकी इंचार्ज महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र शर्मा, अंबुज तिवारी एवं कांस्टेबल गुरजीत सिंह को पुलिस अधीक्षक ने भ्रष्टाचार के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया है। इन पुलिसकर्मियों पर पाली के मोहल्ला काजी सराय निवासी दिव्यांग कपड़ा व्यापारी मुस्लिम खां को अकारण पकड़ने, अवैध रूप से हिरासत में रखने तथा वसूली कर छोड़ने के गंभीर आरोप लगे थे। पीड़ित मुस्लिम खां ने बीते शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा से मामले की शिकायत की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने जांच अपर पुलिस अधीक्षक शाहाबाद आलोक राज नारायण को सौंपी थी। जांच में प्रथम दृष्टया आरोपों की पुष्टि होने पर एसपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया।

फर्जी कागज तैयार कर अपराधियों की जमानत कराने वाले गिरोह का खुलासा

संवाददाता, हरदोई

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

अमृत विचार। राजस्व अभिलेखों के फर्जी कागज तैयार कर शातिर अपराधियों की जमानत कराने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मंगलवार को पुलिस ने गिरोह के आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अपराधियों की जमानत के बदले मोटी धनराशि लेते थे।

पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने बताया कि जिले में पेशेवर अपराधियों के जमानतदारों की व्यवस्था कुछ लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कराते थे, इसकी जानकारी होने पर पुलिस ने स्वाट टीम, सर्विलांस व एसओजी को लगाया गया, जिस पर पुलिस को पिंकू उर्फ प्रेमशंकर पुत्र रमेश चंद्र निवासी धियर महोलिया को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि उसके अन्य साथी भी हैं, जो फर्जी आधार कार्ड, भू राजस्व, अभिलेख आदि तैयार कर शातिर अपराधियों की जमानत लेते हैं। बाद में वह आरोपी फरार हो जाता है। पुलिस ने गैंग के विश्वनाथ पांडेय निवासी आवास विकास कालोनी डी/177 शहर कोतवाली, प्रवीण दीक्षित निवासी मतैया थाना बेहटा गोकुल, धर्मेंद्र निवासी पीपर पोखरी कोतवाली देहात, अमित निवासी सैय्यापुरवा कोतवाली शहर तथा सांडी थाने के ग्राम आदमपुर निवासी रामकिशोर पुत्र अगनेय को गिरफ्तार कर लिया। विश्वनाथ पांडेय के अभिलेख मुकदमा संख्या 376/24 धारा 309 कोतवाली देहात तथा मुकदमा संख्या 449/24 धारा 303, थाना टड़ियावां में फर्जी भू राजस्व अभिलेख लगाकर जमानत ली। इसी प्रकार प्रवीण ने थाना शहर कोतवाली में दो तथा देहात कोतवाली में एक मुकदमे में फर्जी भू राजस्व अभिलेख लगाए। रामकिशोर ने विभिन्न थानों में 13 मुकदमों, अमित व पुनीत ने फर्जी भू राजस्व अभिलेख व आधार कार्ड लगाकर कर शहर कोतवाली में तीन, धर्मेंद्र ने फर्जी भू राजस्व अभिलेख लगाकर देहात कोतवाली में दो, पिंकू ने देहात कोतवाली में मुकदमा संख्या 248/23 धारा 379] 411 तथा 413 में निरुद्ध आरोपी की जमानत दी थी। जमानत कराने वाले गिरोह के उक्त आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

- विभिन्न थानों में दर्जनों मुकदमों में फर्जी कागजों से दी गई जमानत

पारिवारिक विवाद के चलते महिला को पीटा

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के नगरा गांव में पारिवारिक विवाद के चलते दबंगों ने एक महिला को पीट कर घायल कर दिया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। नगर निवासी सरिता पत्नी सरवन के अनुसार गांव के राजपाल उर्फ साधु, मीरा और आरती ने विवाद के चलते सरिता को गाली गलौज करना प्रारंभ कर दिया। सरिता ने जब विरोध किया तो उपरोक्त तीनों ने डंडों से सरिता पर हमला कर दिया जिससे सरिता को काफी चोटें आई। घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। घायल महिला का डाक्टरी परीक्षण कराया गया।

साप्ताहिक बंदी के लिए प्रशासन ने की सख्ती

संवाददाता, हरदोई

व्यापारियों को समझाते नगर पालिका के अधिकारी। अमृत विचार

सड़क पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों का सामान ले जाते पालिका कर्मी।

अमृत विचार। नगर क्षेत्र में मंगलवार को नगर पालिका द्वारा मंगलवार बंदी को प्रभावी ढंग से लागू कराने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान सिनेमा चौराहे से लेकर मुन्ने मियां चौराहे तक संचालित किया गया, जिसमें नियमों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों पर सख्त कार्रवाई की गई।

अचानक हुई इस कार्रवाई से बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अभियान के दौरान कई दुकानदारों द्वारा मंगलवार बंदी का उल्लंघन करते हुए दुकानें खोले जाने की पुष्टि हुई। ऐसे दुकानदारों के खिलाफ नगर पालिका की टीम ने मौके पर ही जुर्माना लगाया। इस क्रम में अभय कुमार सहित अन्य दुकानदारों से अर्थदंड वसूला गया। इसके साथ ही कुछ दुकानों का सामान भी अस्थायी रूप से जब्त किया गया, ताकि भविष्य में नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जा सके। कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं रही। नगर पालिका और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध अतिक्रमण को भी हटाया। फुटपाथ पर रखे ठेले, तख्त, बक्से और अन्य सामग्री को जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण पैदल चलने वालों को परेशानी होती है और यातायात भी बाधित होता है, जिसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दुकानदारों को नियमों का पालन करने की हिदायत

इस अभियान के दौरान अतिक्रमण प्रभारी अमित सिंह चौहान, आशीष अवस्थी सहित नगर पालिका की पूरी टीम और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। पुलिस की मौजूदगी के चलते किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी गई। अधिकारियों ने दुकानदारों को भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त चेतावनी भी दी।नगर पालिका की इस कार्रवाई से व्यापारियों और अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदारों ने तुरंत अपनी दुकानें बंद कर दीं, जबकि कुछ ने स्वयं ही फुटपाथ से अपना सामान हटाना शुरू कर दिया। नगर पालिका अधिकारियों का कहना है कि शहर को व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्ती बरती जाएगी।

मेडिकल स्टाफ से जानकारी लेती टीम। अमृत विचार

टीम ने सीएचसी व पीएचसी की देखी हकीकत

माधौगंज, हरदोई, अमृत विचार। तीन दिवसीय निरीक्षण राज्य स्तरीय अधिकारी डीएलसी एसके मिश्रा, डा. रोहिताश की टीम ने सीएचसी, पीएचसी, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरा, कुतुआपुर, इसरापुर व 20 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटरों में साफ सफाई, स्टाक रजिस्टर, दवाओं की उपलब्धता सामग्री की विवरण देखा। टीम ने निर्देश दिए आवश्यक दवाइया न होने की स्थिति में पहले डिमांड की जाए। परिसर में औषधीय व फलदार पौधे रोपित किए जाएं। इनडोर प्लांट से बिल्डिंग के अदंर सौंदर्यीकरण किया जाए। डाक्टरों व मेडिकल स्टाफ़ के लिए ड्रेस निर्धारण किया जाए। जर्जर सामग्री का वर्षवार डाटा तैयार किया जाए। इस मौके पर अधीक्षक डा.संजय कुमार, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक हिमाशू पांडेय, ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक मो. वकील मौजूद रहे।

नशे की हालत में पंप पर पेट्रोल डलवाने आये युवक ने की मारपीट व तोड़फोड़

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। सोमवार को देर रात कस्बे की दहर झील स्थित संध्या फिलिंग स्टेशन पर धोधी गांव निवासी धीरज नशे की हालत में चार पहिया वाहन से पहुंचा वहां मौजूद कर्मचारी राहुल से गाड़ी में पेट्रोल डालने को कहा, जिस पर राहुल ने पेट्रोल डालने से पहले पैसे मांगे। इस पर वह गाली गलौज करने लगा। अन्य कर्मी बीच बचाव करने आए तो उनसे भी भिड़ गया। बात ज्यादा बढ़ने पर उसने अपने एक दर्जन साथियों को बुला लिया एवं वहां मौजूद कर्मचारियों से मारपीट की एवं पेट्रोल पंप पर लगी मशीनों में जमकर तोड़फोड़ की। पंप कर्मियों ने जब तक पीआरबी को सूचना दी, तब तक सभी फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हरकत में आए थानाध्यक्ष राकेश यादव ने कई टीमें बनाकर पंकज, धीरज एवं ललित को गिरफ्तार करते हुए बताया कि पंप की सीसीटीवी में आए सभी अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी।

पेट्रोल पंप कर्मचारी से विवाद करता आरोपी।

बेटा पैदा होने के तीसरे ही दिन पिता ने की आत्महत्या

हरदोई, अमृत विचार। शादी के करीब एक साल बाद दंपति को बेटा हुआ। लेकिन बेटे के जन्म के तीन दिन बाद ही पिता ने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। इस घटना से बेटा पैदा होने की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस जांच कर रही है। शाहाबाद कोतवाली के अब्दुल्लापुर निवासी सोनू शुक्ला (27) पुत्र संतराम की शादी पिछले साल 20 फरवरी को हुई थी। बताते हैं कि तीन ही दिन पहले सोनू की पत्नी को बेटा हुआ था। घर में हंसी-खुशी का माहौल था। लेकिन सोमवार की शाम को सोनू मकान के ऊपरी कमरे में गया, लेकिन नीचे नहीं उतरा। कई बार आवाज़ देने के बाद भी जवाब न आने पर जब कमरे में देखा गया तो वहां उसका शव फंदे से लटका मिला। सोनू शुक्ला खेती-किसानी करता था। उसके पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए जांच शुरु कर दी है।

बैठक

प्रभारी मंत्री असीम अरुण की मौजूदगी में भाजपा के पदाधिकारियों ने बैठक कर की चर्चा

संगठन की मजबूती के लिए हर पदाधिकारी निभाए सक्रिय भूमिका

संवाददाता, हरदोई

बैठक में बोलते प्रभारी मंत्री असीम अरुण। अमृत विचार

अमृत विचार। भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की अध्यक्षता में जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण की मौजूदगी में जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक पदाधिकारी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समन्वय और निरंतर संवाद पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने पार्टी के कार्यक्रमों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनके परिश्रम से ही पार्टी निरंतर जनसेवा के मार्ग पर अग्रसर है। इस मौके जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री, एसपी मौर्य, संदीप सिंह, प्रीतेश दीक्षित, संजय सिंह, महामंत्री अनुराग मिश्रा, ओम वर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छूटे मतदाताओं के नाम सूची में जुड़वाएं

कछौना, हरदोई, अमृत विचार : भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर जनता इंटर कॉलेज सभागार में आयोजित बालामऊ विधानसभा अटल स्मृति सम्मेलन एवं मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान कार्यशाला में पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री समाज कल्याण असीम अरुण ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता जिन मतदाताओं के नाम छूट गए हैं, वे पार्टी के जिम्मेदार साथी और बूथ अधिकारी से मिलकर नाम जोड़वाएं। इसके अलावा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा, ओर नगर अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला पंकज ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संचित अग्रवाल, अजय शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवीन पटेल, शिवम मिश्रा, अनूप सिंह, विजय सिंह, निर्भय राजवंशी, अशरफी लाल सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गरीबों को कंबल वितरित करते ग्राम प्रधान विपिन वर्मा। अमृत विचार

करीब 2500 जरूरतमंदों को बांटे कंबल व चादर

कछौना, हरदोई, अमृत विचार। बालामऊ : कड़ाके की ठंड को देखते हुए विकास खंड के ग्राम बालामऊ के प्रधान विपिन वर्मा ने जरूरतमंदों के बीच 2500 कम्बल और चादरें वितरित कीं। कम्बल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे। ग्राम प्रधान विपिन वर्मा ने बताया कि ठंड से बचाव के लिए गरीबों को कम्बल और महिलाओं को चादरें बाँटी जा रही हैं, ताकि इन्हें सर्दी से राहत मिल सके। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अधिकारी राजेश त्यागी, लालता सिंह समेत भारी भीड़ मौजूद रही। ग्राम प्रधान ने सभी को जलपान कराकर कम्बल देकर विदा किया।

न्यूज ब्रीफ

युवक को पीटा, वाहन में की तोड़फोड़, केस

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने एक युवक को पीटा। दबंगों पर वाहन तोड़े जाने का भी आरोप है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। उमरिया कलां निवासी पंकज कुमार अवस्थी के मुताबिक, वे कार से सत्यम त्रिवेदी और अनिल भार्गव के साथ लखीमपुर जा रहे थे। वाहन को नीरज शुक्ला चला रहे थे। रास्ते में दण्डपुरवा में पेट्रोल पंप के पास आलोक कुमार, ओम प्रकाश, पदुम, राकेश ने पुरानी रंजिश के चलते कार को रोक लिया और गालियां देने लगे। विरोध पर सभी ने मिलकर मारपीट की और कार में तोड़फोड़ की। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है।

अधिवक्ताओं ने किया जनसंपर्क

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : बार काउंसिल ऑफ उप्र के होने वाले चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने जनसंपर्क करना शुरू कर दिया है। अधिवक्ताओं से मुलाकात की और समर्थन की अपील भी की गई। इस क्रम में प्रत्याशी प्रभात कुमार शर्मा ने आश्वासन के बीच अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, सम्मान और अधिकार के वायदे किये। उधर, हाईकोर्ट अधिवक्ता अमृता सिंह ने अपने समर्थक सुधि, सोमी, रीता शर्मा, विशाल सिंह सहित अन्य के साथ जनसंपर्क किया।

गुम हुआ मोबाइल धारक को मिला

सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात पुलिस ने गुम हुए मोबाइल को धारक के सुपुर्द किया। बताते हैं कि इलाके के नेवादा निवासी संदीप कुमार का फोन गुम हो गया था। इसे पुलिस ने सीईआई पोर्टल पर ट्रैक करके लावारिस अवस्था में मिले हुए मोबाइल फोन को धारक के सुपुर्द कर दिया।

क्रय केंद्रों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

कमलापुर, सीतापुर, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में डीएम के आते ही सरकारी मशीनरी सक्रिय हो गई। एसडीएम सिधौली राखी वर्मा अचानक कमलापुर स्थित किसान तौल केंद्र पहुंच गईं। यहां रजिस्टर का अवलोकन किया। किसानों से संवाद स्थापित किया।

वृद्धावस्था आश्रम में मिल रहीं सुविधाएं

सीतापुर, अमृत विचार : समाज कल्याण अधिकारी मोतीलाल ने बताया है कि भरण पोषण तथा कल्याण नियमावली 2014 में दी गई व्यवस्था के अनुसार नैमिषारण्य में वृद्धाश्रम का संचालन किया जा रहा है। इसमें वृद्धों को नि:शुल्क आवासीय सुविधा भी दी जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपी गिरफ्तार

इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र के फत्तेपुर मातिनपुर में पिता-पुत्र की हत्या का है आरोप

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर

अमृत विचार : दोहरे हत्याकांड के आरोपी और जनपद के हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अब तक पुलिस पिता-पुत्र की हत्या में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। गांव में अब भी पुलिस-पीएसी तैनात है।

बता दें कि इमलिया सुल्तानपुर थानाक्षेत्र के फत्तेपुर मातिनपुर गांव वासी अख्तर खां और उनके पुत्र महशर खां की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने पहले तामू और अजयपाल को गिरफ्तार किया था। इसी के बाद

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी हिस्ट्रीशीटर शिवपूजन और सौरभ। ● अमृत विचार

सटीक मुखबिरी पर जनपद का हिस्ट्रीशीटर इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र का फदिलापुर मजरा ऐलिया निवासी शिवपूजन गिरफ्तार किया गया, इसके साथ हत्यारोपी फत्तेपुर मातिनपुर निवासी सौरभ उर्फ नंगा की भी गिरफ्तारी की गई। आरोपी के कब्जे से दो आला कत्ल बांका, एक अदद झोला, एक अदद खून से सनी जाकेट, लोअर आदि बरामद हुआ है। गिरफ्तारी में स्वॉट, सर्विलांस टीम के अलावा थानाध्यक्ष श्याम कनौजिया, उपनिरीक्षक अजय सिंह, इन्द्रजीत सिंह, अतुल सिंह सहित हमराह फोर्स शामिल है।

शिवपूजन का है आपराधिक इतिहास : 135 ए श्रेणी के अपराधी शिवपूजन का आपराधिक इतिहास है। बताते हैं कि इस पर कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें सीतापुर के अलावा अन्य जनपद में भी गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत हैं। इनमें जानलेवा हमला, गुण्डा एक्ट, चोरी सहित कई अन्य गंभीर धाराएं सम्मिलित हैं।

याद किये गए राजस्व के जनक राजा टोडरमल

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : भू पैमाइश के जनक राजा टोडरमल की मूर्ति स्थापना की रजत जयंती मनाई गई। तहसील प्रांगण में राजा टोडरमल की प्रतिमा एवं संस्था स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण पर संस्था अध्यक्ष संजय पुरी, नायब तहसीलदार अशोक कुमार यादव, हिन्दी साहित्य परिषद अध्यक्ष संतोष कुमार, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद बाजपेयी द्वारा माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। पालिका में आयोजित कार्यक्रम में ईओ अनूप राय, नीरज गौड़ व मजाशाह तंबौर मार्ग स्थित राजा टोडरमल स्मृति द्वार पर अधिशासी अधिकारी व संस्था अध्यक्ष संजय पुरी द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर सुशील तिवारी, जितेन्द्र कुमार आदि थे।

कमरे में पड़ा मिला बैंक के कैशियर का शव

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : पिसावां स्थित जिला सहकारी बैंक के कैशियर का शव कमरे में पड़ा मिला। कैशियर की अचानक हुई मौत को लेकर बरेली से आए परिवारीजनों ने अनहोनी का संदेह जताया है। फील्ड यूनिट ने साक्ष्य संकलित करते हुए जांच शुरू कर दी है।

बरेली जनपद के भोजीपुरा थानाक्षेत्र के मुड़िया हाफिज निवासी सुशील बाबू (50) पुत्र प्रीतम प्रसाद पिसावां स्थित सहकारी बैंक में कैशियर के पद पर तैनात थे। वे कस्बा स्थित जकरन के मकान में किराये पर अकेले रहते थे। बैंक प्रबंधक प्रमोद कुमार के मुताबिक, मंगलवार को कैशियर समय बीतने के बाद भी नहीं पहुंचे, ऐसे में चिंता हुई। उनका फोन भी बंद था, ऐसे में बैंक के कर्मचारी घर पहुंचे तो उनका कमरा बंद मिला। डायल 112 की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो सुशील बाबू का शव चारपाई पर पड़ा मिला।

घटना की सूचना मिलने पर फोरेंसिक टीम पहुंची और साक्ष्य संकलित किये। सूचना पाकर इसी परिवार के लोग आ गए। पीड़ित पक्ष ने कैशियर ककी अचानक हुई मौत पर आशंका जताई है। उधर, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

पीलीभीत के व्यापारी ने की धोखाधड़ी, केस दर्ज

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : पीलीभीत के एक व्यापारी ने सीतापुर के कारोबारी के साथ धोखाधड़ी की। दो साल तक पीड़ित पक्ष पुलिस को शिकायती पत्र देता रहा, बाद में न्यायालय के आदेश पर लहरपुर कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

मामला वर्ष 2022 का है। एचआर ट्रेडर्स लहरपुर के रुस्तम अंसारी के मुताबिक, पीलीभीत जनपद के बीसलपुर थानाक्षेत्र के चयनानकटी निवासी जावेद खां पुत्र रईसुद्दीन खां आदि को बॉयोकोल सप्लाई की। दावा है कि विपक्षी अक्सा ब्रिक फील्ड के नाम से ईंट भट्ठे का संचालन करता रहा है। बताया कि विपक्षी को 300 कुन्टल बॉयोकोल भिजवाया। जिसकी कीमत लगभग सवा दो लाख है। समय बीतने के बाद भी उसने रुपये नहीं दिये। पीड़ित ने सीतापुर पुलिस के अलावा पीलीभीत पुलिस से भी संपर्क किया। ऐसे में दो वर्ष बीत गए, इस दौरान विपक्षी लगातार पीड़ित को धमकी भी देता रहा। बाद में पीड़ित पक्ष ने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर लहरपुर कोतवाली में अपराध संख्या 748 के अन्तर्गत वीएनएस की धारा 173 (4) के तहत केस दर्ज किया गया है।

भाई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

हरगांव, सीतापुर, अमृत विचार : हरगांव इलाके के परसेहरा शरीफपुर में भाई की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से आला कत्ल भी बरामद हुआ है। विधिक कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

बता दें कि हरगांव थाना क्षेत्र के परसेहरा शरीफपुर गांव में मनोज की गला काटकर उसके ही भाई प्रमोद ने हत्या कर दी थी। वारदात में प्रमोद का पुत्र भी सम्मिलित था। आरोपों के आधार पर केस दर्ज करते हुए पुलिस ने प्रमोद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से आला कत्ल बांका बरामद भी किया गया है।

बीएलओ उमेश की मौत संस्थागत हत्या : अजय

- बीएलओ ने अत्यधिक तनाव के बाद की थी आत्महत्या
- परिजनों से मिले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व सांसद

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि बीएलओ उमेश गौतम की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि संस्थागत हत्या है, इसके लिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, जरूरत पड़ी तो वे आंदोलन भी करेंगे। बीएलओ के परिवार से मिलकर उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कराए जाने का आश्वासन भी दिया।

बीएलओ के रूप में कार्यरत अनुदेशक उमेश गौतम की मौत

उमेश गौतम के पिता से जानकारी लेते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय साथ में सांसद सीतापुर राकेश राठौर। ● अमृत विचार

की सूचना पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रामपुर कला इलाका स्थित पलिया गांव पहुंचे, इनके साथ सांसद सीतापुर राकेश राठौर थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने परिवार से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। बताया कि कार्य के अत्यधिक दबाव के कारण बीएलओ की आत्महत्या कोई सामान्य घटना नहीं है, ये मौत संस्थागत हत्या है। इसके लिए वे आंदोलन करेंगे। परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कठिन समय में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सांसद राकेश राठौर ने जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. से फोन पर वार्ता कर पीड़ित परिवार को एक सदस्य को नौकरी देने तथा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस घटना की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ. ममता वर्मा, सुनीता चौधरी, डॉ. ब्रजबिहारी, हसीना खातून, रत्नम राठौर, राधेश्याम कनौजिया, पप्पू रस्तोगी, राजेश पाल, सुनीला रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सुरेंद्र अध्यक्ष, अरुण बने महामंत्री

- महमूदाबाद लॉयर्स एसोसिएशन का चुनाव सम्पन्न

महमूदाबाद, सीतापुर

अमृत विचार : महमूदाबाद लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद के लिए सोमवार को हुए मतदान के बाद परिणाम घोषित कर दिए गए। अध्यक्ष पद पर सुरेंद्र सिंह पटेल ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। महामंत्री पद पर अरुण कुमार और कोषाध्यक्ष पद पर आशुतोष कात्यायन निर्वाचित हुए।

महमूदाबाद लॉयर्स एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद के लिए मतदान कराया गया। अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी मैदान में थे। मतगणना

नवनिर्वाचित अध्यक्ष व अन्य लोग। ● अमृत विचार

में सुरेंद्र सिंह पटेल को 62 मत मिले, जबकि मनोहर लाल यादव को 50, दिनेश सिंह को 45 और वीरेंद्र कुमार पटेल को 40 मत प्राप्त हुए। एक मत अवैध घोषित किया गया। महामंत्री पद पर अरुण कुमार यादव ने 90 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उनके प्रतिद्वंद्वी कमल सरोज वर्मा को 68 और जयेंद्र प्रताप को 38 मत मिले। इस पद पर दो मत अवैध पाए गए। कोषाध्यक्ष पद पर आशुतोष कात्यायन 114 मत प्राप्त कर जीते। चुनाव प्रक्रिया एल्डर्स कमेटी की देखरेख में संपन्न हुई। एल्डर्स कमेटी के सदस्य छोटेलाल वर्मा ने बताया कि 198 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

15 स्थानों पर बनाये गए रैन बसेरे

सीतापुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. के निर्देश जनपद में 15 स्थानों पर रैन बसेरे बनाए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि रैन बसेरे में कोई निराश्रित, असहाय अथवा राहगीर निःशुल्क ठहर सकता है। सभी रैन बसेरों में शासन के निर्देशानुसार समुचित प्रबन्ध किये गए हैं। अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह ने ठण्ड से बचाव के उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि जनसामान्य लगातार समाचार पत्रों, रेडियो एवं टीवी के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें तथा जिला प्रशासन व राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाली एडवाइजरी को प्राप्त कर जानकारी लेते रहें।

173 आरोग्य मंदिरों का होगा कायाकल्प, खाका तैयार

सीतापुर, अमृत विचार : जिले के सभी 173 आरोग्य मंदिरों का कायाकल्प होने जा रहा है। इसे लेकर डीएम डॉ. राजा गणपति आर. ने खाका तैयार करते हुए विभागीय निर्देश भी दे दिए हैं। जनपद में कई आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की हालत ठीक नहीं है। कुछ मानकों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्रों सहित अन्य स्थानों को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने इनके नवीनीकरण को लेकर खाका तैयार किया। डीएम बताते हैं कि नवीनीकरण कार्यों में भवनों की मरम्मत, रंगाई-पुताई, शौचालयों का व्यवस्थीकरण, पेजजल और प्रकाश की व्यवस्था को प्रमुखता दी गई है। पहला विकास खण्ड में इनकी संख्या 24 है। जबकि दूसरे स्थान पर खैराबाद है, यहां संख्या 17 है। इसके अलावा परसेंडी में 14, पिसावां में 14, महोली में 15, गोंदलामऊ में 13, मिश्रिख में 9, सिधौली में 11, ऐलिया में 7, बिसवां 6, बेहटा 4, हरगांव 4, लहरपुर 8, रेउसा 3, सिधौली 5, कसमण्डा में एक आरोग्य मंदिर है।

सिटी डायरी

मुख्य अतिथि को राधा कृष्ण का चित्र देते जिलाध्यक्ष व विधायक। अमृत विचार

अटल स्मृति सम्मेलन

सीतापुर, अमृत विचार : भाजपा द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में विधान सभा सम्मेलनों का आयोजन किया गया। जिसमें सेउता और मिश्रिख में सभा आयोजित हुई। मुख्य अतिथि के रूप में अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय सम्मिलित हुए। विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी नीरज सिंह रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने की। इस दौरान शासन की नीतियों की बखान किया गया। योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंचाए जाने की बात कही गई। नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू और विधायक सेउता ज्ञान तिवारी मौजूद थे।

सुरक्षित मातृत्व की जानकारी देते सीएचसी प्रभारी। अमृत विचार

शिविर को संबोधित करते सांसद राकेश राठौर।

एएनएम को दिया गया प्रशिक्षण

मछरेहटा, सीतापुर, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछरेहटा में अधीक्षक डॉ. कमलेश कुमार की अध्यक्षता में सभी एएनएम, सीएचओ और आशा संगिनी को सुरक्षित मातृत्व के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया। जिले से आए ट्रेनर बशीर खान ने गर्भवती महिलाओं की जांच और उच्च जोखिम वाली गर्भवती की पहचान कर उन्हे सीएचसी भेजने के लिए प्रेरित किया। बशीर खान ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान प्रत्येक माह की एक, नौ, सोलह, चौबीस तारीख को होता है जिसके लिए सभी सीएचओ, एएनएम और आशाओं के माध्यम से गांव - गांव जाकर जागरूक करने की जरूरत है तभी इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर के मुख्य अतिथि सांसद राकेश राठौर ने कहा कि राहुल गांधी देश के अकेले नेता है, जो देश में जाति जनगणना की बात कर रहे हैं। बिना जाति जनगणना के कमजोर जातियों को सामाजिक और आर्थिक आजादी नहीं मिलेंगी। चिकित्सक डॉ. आरपी वर्मा ने कहा कि अति पिछड़ों के हक - अधिकार के लिए आर - पार की लड़ाई लड़ूंगा। आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की नेता सुनीला रावत ने कहा कि अति पिछड़ों, अति दलितों और पिछड़े मुसलमानों को एक मंच पर आकर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करनी होगी।

परिजनों के सुपुर्द किया गया लोहा व्यापारी

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

- घर से निकलकर संदिग्ध परिस्थितियों में हो गया था लापता

अमृत विचार : एक कॉल से लापता व्यापारी की कड़ियां जुड़ती चली गई। इसी के बाद सीतापुर पुलिस ने उसे उज्जैन से बरामद कर लिया। फिलहाल तथ्यपरक जानकारी के बाद पुलिस ने बरामद लोहा व्यापारी को उसके परिवारवालों के सुपुर्द कर दिया है।

बता दें कि शहर के मुख्य लोहा व्यापारी अर्पित जैन संदिग्ध परिस्थितियों में घर से निकलकर लापता हो गए थे। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी।

एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर एसओजी टीम सक्रिय हुई। एक फोन कॉल और अन्य स्रोतों की मदद से अर्पित जैन की लोकेशन उज्जैन में मिली थी। उसे देर शाम पुलिस टीम ने खोज निकाला था।

विधिक कार्रवाई करते हुए कोतवाली प्रभारी अनूप शुक्ला ने लोहा व्यापारी अर्पित जैन को उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया। उधर, प्रमुख व्यापारी के मिलने की खबर के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

मरीज बाहर करा रहे अल्ट्रासाउंड

जिला महिला अस्पताल

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल की तस्वीर बदलने का नाम नहीं ले रही। आलम ये है कि मरीजों को अल्ट्रासाउंड के लिए जेबें ढीली करनी पड़ रही है। कई मरीज तो ऐसे भी हैं, जो कई दिनों तक चक्कर लगा रहे हैं।

स्थान जिले का महिला अस्पताल, समयः दोपहर 1:30 बजे। पर्चा काउंटर दोपहर बाद भी भीड़ लगी थी, मरीज के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से आए तीमारदार भी थे। कम्प्यूटर कक्ष पर मौजूद जिम्मेदार ने बताया कि रोज की अपेक्षा मरीज अधिक हैं, अब तक 400 मरीज ऑनलाइन किये जा चुके

महिला अस्पताल में पर्चा काउंटर पर लगी मरीजों की भीड़। ● अमृत विचार

हैं। एक मरीज का पंजीयन ऑफलाइन भी था। पैथालॉजी के चिकित्सक डॉ. अभिषेक शुक्ला का दावा था कि थायराइड छोड़कर सभी जांच हो रही हैं। यहीं पर परसदा जमालपुर की मरीज रिंकी देवी मिलीं। कुछ और भी मरीज थे। पूछने पर बताया कि ब्लड की जांच आना बाकी है। कई दिनों तक दौड़ने पर अल्ट्रासाउण्ड नहीं हुआ तो आशा कार्यकत्री ने एक डायग्नोस्टिक सेंटर से 900 रुपये देकर करवाया है। जिला महिला अस्पताल के डॉ. अनूप पाण्डेय ने बताया कि लगातार अल्ट्रासाउण्ड किया जा रहा है। कई बार सुनने में आता है कि आशा कार्यकत्री पैसों के चक्कर में मरीज को गुमराह करके बाहर से जांच करा लेती हैं। ऐसे में मरीजों का शोषण होता है, सभी को सचेत रहने की आवश्यकता है।

निर्देश — **सिधौली विकास खंड का किया औचक निरीक्षण**

पुरानी पेंशन के अभिलेख रखें दुरुस्त : डीएम

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : सिधौली विकास खण्ड का जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। विकास कार्यों को परखते हुए स्थितियों का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. अचानक सिधौली विकास खण्ड कार्यालय पहुंच गए। अपने बीच डीएम को देख अफरातफरी मच गई। डीएम ने सबसे पहले स्थापना कक्ष का हाल जाना। शिकायत रजिस्टर, मनरेगा पटल और लेखाकार कक्ष का निरीक्षण करते हुए सेवा पुस्तिका में अर्जित अवकाश आदि का अवलोकन किया। पुरानी पेंशन के अभिलेखों को देखते हुए दुरुस्तीकरण के निर्देश दिए। कहा कि शिकायत रजिस्टर में नंबर भी अंकित किया जाए। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी धर्मेंद्र मौर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मनरेगा में मिली गड़बड़ियां, नोटिस के निर्देश : मनरेगा में निरीक्षण के दौरान बड़ी कमियां पाई गईं। जिसको लेकर डीएम ने मनरेगा एपीओ अर्चना सिंह से स्पष्टीकरण सहित नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। लेखाकार में निरीक्षण के दौरान फाइलों का रख रखाव भी ठीक नहीं पाया गया।

ब्लाक के अभिलेखों का अवलोकन करते जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर.।

लंबित कार्य समय से पूरे कराने का निर्देश

सीतापुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने सड़क निर्माण परियोजनाओं के अनुसरण को लेकर समीक्षा बैठक की। इसमें विभागीय अधिकारियों से समय से लंबित कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी का पहला फोकस चौदह कोसी मार्ग रहा। उन्होंने मार्ग निर्माण कार्य को लेकर हर बिन्दुओं पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत द्वारा कराए जा रहे सड़कों के कार्यों की समीक्षा भी की। इस दौरान गुणवत्तापूर्ण कार्य कराए जाने पर बल दिया गया। इस अवसर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण मिथलेश वर्मा, राघवेंद्र सिंह, रीमा सोनकर, बुद्धि सागर आदि थे।

रोटी बैंक व खत्री सभा ने बांटे ऊनी कपड़े

सीतापुर, अमृत विचार : इण्डियन रोटी बैंक और खत्री सभा द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान पात्रों को गर्म कपड़े, जूते, कंबल, राशन सामग्री सहित अन्य सामान वितरित किया गया। इस अवसर पर मुनेंद्र अवस्थी यतीन्द्र अवस्थी, एडीएम नीतीश कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी अनूप शुक्ला सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा। अमृत विचार

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बिजली बिल में अधिकतम छूट का अंतिम दिन आज

लालगंज : सरकार के द्वारा लागू की गई अधिकतम छूट की योजना आज 31 दिसंबर को समाप्त हो रही है। उपभोक्ता आज बुधवार को योजना का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करा ले। जिससे उन्हें विद्युत बिल के बकाए में अधिक से अधिक छूट मिल सके। यह जानकारी लालगंज पावर हाउस के अवर अभियंता बृजेश मौर्य ने दी है। इसके बाद 30 जनवरी के पहले बिजली का छूट के बाद बचा हुआ पैसा जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि लोगों की सुविधा के लिए गांव-गांव कैंप लगाए जा रहे हैं।

महिलाओं को दी गई कानूनी जानकारी

ऊंचाहार : महिला सशक्तीकरण, एंटी रोमियो अभियान में महिला सशक्तीकरण चौपाल का आयोजन किया गया। महिलाओं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक को किया गया। कोतवाली चौकी एनटीपीसी क्षेत्र के ग्राम खुरमपुर में पूर्व प्रधान विदुर तिवारी की अगुवाई में चौपाल लगाई गई। महिलाओं, बहू-बेटियों एवं बालिकाओं को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों व कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी अजय कुमार राय, सब इंस्पेक्टर अभिज्ञान सिंह, पूर्व प्रधान विदुर तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

प्रबन्ध समिति का चुनाव 4 जनवरी को

लालगंज : सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहा के प्रबन्ध समिति का चुनाव 4 जनवरी 2026 को विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न होगा। यह जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रबन्धक अध्यक्ष ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेशानुसार विद्यालय के प्रबन्ध समिति का विधिवत चुनाव 4 जनवरी को कराया जाना निश्चित हुआ है। विद्यालय ट्रस्ट के सभी सदस्य व कर्मचारी, शिक्षक व कार्यकारिणी के सदस्य विद्यालय परिसर में अवश्य उपस्थित रहेंगे।

कब्जा करने वाले तीन किसानों पर केस दर्ज

महराजगंज : खेतों के बीच से जाने वाले चकमार्ग और नाली जोतकर कब्जा करना किसानों को महंगा पड़ गया।लेखपाल की तहरीर पर तीन किसानों पर सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। मामला चंदापुर थाना क्षेत्र के दुबे का बाजार मजरे मऊ गांव का है। हल्का लेखपाल शिवराज सिंह चौहान ने चंदापुर पुलिस को दी गई में तहरीर बताया कि गाटा संख्या 4127 व 4129 चकमार्ग व नाली दर्ज है। जिस पर पूरे दुबे बाजार निवासी राजकुमार, सुरेंद्र कुमार व हरिप्रसाद पुत्र गण परसन ने जोतकर अपने खेतों में मिलाकर फ़सल बुवाई कर दी गई है।

ईओ को अपशब्द कहना पड़ा भारी

सलोन : सोशल मीडिया पर अधिशाषी अधिकारी सलोन को भ्रष्ट और धमकाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। अधिशाषी अधिकारी प्रियंका तिवारी ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि कथित विजयशंकर तिवारी द्वारा ओडियो जारी कर अपशब्द कहते हुए उन्हें भ्रष्ट अधिकारी कहा है। पुलिस को बताया कि युवक द्वारा गम्भीर रुप से धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे उन्हें मानसिक क्षति पहुँचा कर उद्यापन करना चाह रहा है। वही पुलिस ने तहरीर लेकर आरोपित के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर लिया है। कोतवाली प्रभारी राघवन कुमार सिंह ने बताया कि अभियोग दर्ज किया गया है।

2026 में उम्मीदों को लगेंगे पंख, एम्स समेत कई गांवों में शहर जैसी सुविधाएं

नए साल में है इंतजार: मुख्यमंत्री से बैठक के बाद नगर पालिका समेत सभी पंचायतों के सीमा विस्तार को हरी झंडी की बढ़ी संभावना

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। वर्ष 2026 का जहां हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। वहीं आने वाला साल नगर पालिका और पंचायतों के लिए उपलब्धियों भरा होने की उम्मीद है। वजह, बीते दिनों मुख्यमंत्री द्वारा जिले के पालिका समेत सभी पंचायत अध्यक्षों के साथ ही सार्थक बैठक का होना है। मुद्दा भले ही पुराना सीमा विस्तार का था, लेकिन वर्तमान जरूरतों को देखते हुए सबसे अहम। सभी ने बड़ी उम्मीदों के साथ वर्तमान जरूरतों और सीमा विस्तार की आवश्यकताओं के बारे में बताया है। मुख्यमंत्री द्वारा आश्वस्त भी किया गया। यदि सब कुछ ठीक रहा तो नए साल में एम्स ही नहीं बल्कि कई गांव नगर क्षेत्र में शामिल हो जाएंगे। इसका लाभ करीब जिले के करीब डेढ़ लाख आबादी को मिलेगा।

बात नगर पालिका क्षेत्र की करें तो मौजूदा समय में रायबरेली शहर 50.17 वर्ग किमी में फैला हुआ है। इसमें करीब ढाई लाख आबादी रहती है। नगर क्षेत्र के सीमा विस्तार को लेकर पहले से ही प्रयास किए जा रहे हैं, जिसे अब पूरा करने के लिए कवायद भी शुरू हो गई है। पूर्व में कई बार प्रस्ताव तैयार किया गया। किन्हीं ना किन्ही कारणों से फाइल को लौटा दिया गया। जानकारों की माने तो वर्तमान में यदि सीमा विस्तार होता है तो अपना शहर करीब 80 वर्ग किमी में फैल जाएगा। इसी तरह बछरावां, ऊंचाहार, नसीराबाद, परशदेपुर, सलोन, महराजगंज, डलमऊ, लालगंज और शिवगढ़ नगर पंचायतों में भी कई गांव ऐसे हैं, जहां कि आबादी वर्षों से नगर क्षेत्र में शामिल होने के लिए आस लगाए बैठी हुई है।

एम्स रायबरेली। अमृत विचार

शत्रोहन नगर का पेंच विस्तार में बना था बाधक: पिछली बार प्रस्ताव तैयार हुआ है। वर्तमान अध्यक्ष के नाम से सई नदी के किनारे बना मुहल्ला शत्रोहन नगर का पेंच फंस गया। मामला अखबारों की सुर्खियां तक बनी। सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल है। यहां से पालिका को बैकफुट पर जाना पड़ा। हालांकि इस बार यदि सबकुछ सही रहा तो एक दर्जन से अधिक गांवों को नगर जैसी सुविधा का लाभ मिल जाएगा। डिडौली, गढ़ीखास, गढ़ीमुतबल्ली, जहानपुर कोडर, सुल्तानपुर आइमा, दरियापुर, मधुपूरी, बिबियापुर आदि गांव शामिल हो सकते हैं। पालिका जिम्मेदारों के मुताबिक दक्षिण क्षेत्र में भुएमऊ, एम्स, पश्चिम क्षेत्र में लोहानीपुर, महराजगंज रोड पर छोटी नहर तक सीमा विस्तार किया जाना है। इसके अलावा इब्राहिमपुर, कोलवा और राजघाट का आंशिक क्षेत्र भी सीमा विस्तार में शामिल किए जाने की संभावना है।

> नगर क्षेत्र के सीमा विस्तार का प्रयास किया जा रहा है। उम्मीद है कि वर्ष 2026 में कुछ सकारात्मक रहेगा। सीमा विस्तार होगा या नहीं, इसका निर्णय शासन को करना है। यदि सीमा विस्तार होता है तो शहर से सटे गांवों में रहने वाले नागरिकों को भी बुनियादी सुविधाएं मिल सकेंगी।
>
> -स्वर्ण सिंह, ईओ, नगर पालिका रायबरेली।

विकास को लेकर क्या बोले सभासद

कमरुद्दीन आसिफ।

जय प्रकाश वर्मा।

कमरुद्दीन आसिफ (सभासद गोरा बाजार वार्ड नंबर 14) का कहना है कि नगर पालिका का विस्तार होना बहुत जरूरी है। लगातार मुहल्ले बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वहीं जय प्रकाश वर्मा (सभासद देवानंद पुर वार्ड नंबर 03) ने बताया कि चिकित्सा क्षेत्र की सर्वोच्च इकाई में शामिल होने के बावजूद एम्स को नगर क्षेत्र से बाहर है। वहां के आसपास के लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। उम्मीद है कि इस बार जरूर सीमा विस्तार हो जाएगा। उधर, रामखेलावन बारी (सभासद सत्य नगर वार्ड नंबर 32) का कहना है कि वर्तमान में जिस तरह से आबादी बढ़ रही है, इससे चार से पांच नए वार्ड बन जाएंगे। सीमा विस्तार होने से नगर क्षेत्र से जुड़े गांवों के लोगों को भी लाभ मिलेगा।

जीने से गिरकर कोटेदार की मौत

संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली

कोहराम

- घर की दूसरी मंजिल से उतरते समय जीने से फिसल गए

अमृत विचार। हसनपुर के कोटेदार आशुतोष पांडेय अपने घर के जीने से अचानक गिर गए। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलावस्था में उन्हें सीएचसी लाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से उन्हें एम्स ले जाया गया। एम्स में उन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सोमवार की रात वह घर की दूसरी मंजिल से उतरते समय वह अचानक जीने से फिसल गए। परिजन उन्हे बेहोशी की हालत में एम्स अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की जानकारी होते ही पूर्व विधायक रामलाल अकेला, सुशील पासी, विधायक श्यामसुंदर भारतीय, राजाराम त्यागी, प्रदीप चौधरी, पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र प्रताप सिंह, लक्ष्मी कांत रावत, सरोज गौतम, सुधा अवस्थी, विजय धीमान, बछरावां चेयरमैन राम जी केशव चौधरी, पूर्ति निरीक्षक अवधेश चतुर्वेदी, गंगा सागर पाण्डेय, कोटेदार संघ के अध्यक्ष सुरेश शुक्ला, कन्हैया तिवारी सहित सैकड़ों लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।

आशुतोष पांडेय की फाइल फोटो।

बस से गिरकर छात्रा घायल, बछरावां: लखनऊ से पेपर देकर अपने घर लौट रही एक छात्रा का रोडवेज बस से उतरते समय पैर सीढ़ियों में फंस गया। जिसके कारण वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल छात्रा ज्योति यादव पुत्री सुरेश यादव निवासी जवाई खेड़ा, थाना निगोहा जिला लखनऊ क्षेत्र के अंतर्गत रत्नापुर गांव में अपनी रिश्तेदारी में रहकर पढ़ाई करती है। दिल्ली पुलिस का पेपर देने के लिए उतरठिया गई हुई थी। सोमवार की देर रात वह रोडवेज बस से वापस लौट रही थी। जैसे ही वह दखिना टोल प्लाजा के पास रत्नापुर मोड़ के बस से उतरते समय नीचे गिर गई। एनएचएआई की एंबुलेंस से सीएचसी बछरावां पहुंचाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के पश्चात जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

एम्स का आयुष विभाग मरीजों के लिए बना संजीवनी

दुर्गेश पाण्डेय, रायबरेली

- विभाग एम्स की उपलब्धियों में अपनी हिस्सेदारी निभा रहा

अमृत विचार। चिकित्सा जगत में आयुर्वेद आज भी अपना अलग स्थान रखता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) मुंशीगंज में संचालित आयुष विभाग चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स की उपलब्धियो में अपनी हिस्सेदारी निभा रहा है। इसका लाभ रोगियों को मिल रहा है। दिन प्रतिदिन एम्स के आयुर्वेद विभाग की ख्याति बढ़ती जा रही है। एम्स निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन ने भी आयुष विभाग के विस्तार को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। उनका कहना है कि जल्द ही भारत सरकार के निर्देशन में विस्तार हो जाएगा। इससे और सुविधाओं का लाभ रोगियों को मिलेगा।

एम्स रायबरेली। अमृत विचार

एम्स में संचालित कुल 34 विभागों में से एक विभाग आयुष भी है। आयुष विभाग के डॉ. हरिकृष्ण पारीक ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से इस वर्ष लाइलाज बीमारियों का इलाज कर यह साबित कर दिया है कि आयुर्वेद में आज भी जटिल से जटिल बीमारियों का इलाज संभव है। एम्स से कुछ दूरी पर एक गांव के रहने वाले लकवा (वोकल कार्ड पैरालाईसिस) ग्रसित मरीज अपनी आवाज खो चुका था। आयुर्वेद ने खोई आवाज वापस लौटा दी। एम्स के पास एक गांव के रहने वाले रोगी का डेढ वर्ष से पैर का घाव नहीं भर रहा था। जिसे कुछ डॉक्टर ने पैर को कटवाने तक की सलाह दे डाली थी। ऐसे रोगी को पीपल की छाल और देशी घी से बनी दवा से घाव को भरकर कटने से बचाया। सफेद दाग और सोरियासिस जैसे चर्म रोगो से ग्रसित हजारो मरीजो को आयुर्वेद ने सही किया।

वहीं एम्स की निदेशक प्रो. डॉ. अमिता जैन का कहना है कि आयुष विभाग से रोगियों को लाभ मिल रहा है। चिकित्सीय टीम की कड़ी मेहनत का नतीजा है कि आयुष में रोगियों की संख्या बढ़ रही है। आयुष विभाग के विस्तार के प्रयास किए जा रहे हैं।

डेढ़ साल में 20 हजार से अधिक रोगियों का इलाज

लगभग डेढ वर्ष पहले एम्स मे आयुष विभाग का शुभारंभ किया गया था। आयुष विभाग के खुलते ही डा हरिकृष्ण पारीक कार्यभार ग्रहण कर मरीजों का इलाज करना शुरू किया था। डेढ़ वर्ष मे लगभग बीस हजार से अधिक मरीजों का इलाज आयुष विभाग कर चुका है। प्रतिदिन लगभग एक सैकडा से अधिक मरीजों का इलाज आयुष विभाग कर रहा है।आयुष विभाग एम्स दिल्ली, जोधपुर व बीएचयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान मे आयोजित सेमिनार भाग ले चुका है।

विटामिन ए सम्पूर्ण कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

बछरावां, रायबरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावा में विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम के द्वितीय चरण के अंतर्गत बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई गई। सीएचसी अधीक्षक अर्पिता श्रीवास्तव ने बताया कि यह कार्यक्रम वर्ष में दो बार जुलाई-अगस्त तथा दिसंबर- जनवरी में आयोजित होता है। इस अभियान में नौ माह से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई जाती है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया कि विटामिन ए आंखों की रोशनी, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बच्चों की वृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह हड्डियों की मजबूती और सही विकास के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण देकर उनकी ड्यूटी लगाई गई है। वह सभी 28 जनवरी तक क्षेत्र के नौ माह से 5 वर्ष के बच्चों को इस दवा की खुराक देंगे, ताकि बच्चों का जीवन स्वस्थ रहे। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चे को खुराक पिलाती सीएचसी अधीक्षक।

विहिप ने बांग्लादेश का फूंका पुतला

सरेनी, संवाददाता। मंगलवार को गौतम चौराहे पर विश्व हिंदू परिषद ब्लॉक अध्यक्ष मुन्नू तिवारी की अगुवाई में बांग्लादेश का पुतला दहन किया गया। बांग्लादेश मुर्दाबाद, यूनुस सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। ब्लाक अध्यक्ष ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार हो रहा है। यूनुस सरकार को चाहिए कि अत्याचार तुरंत बंद कर दे, वरना गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। एसपी सिंह ने कहा कि हिंदू जाग चुका है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार बंद न हुए तो जिसने इस देश को बनाया है वही बर्बाद करने की ताकत भी रखता है। इस मौके पर महेश शुक्ला, विश्वास बाजपेई, डॉ. ओपी सिंह, अंशु गुप्ता, लल्लू गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, चंद्रेश सिंह, हर्ष गुप्ता, पंकज शुक्ला, बंसी बाजपेई, रामकुमार लोधी, अमित तिवारी आदि मौजूद रहे।

पुतला दहन करते विहिप ब्लाक अध्यक्ष व अन्य।

हॉस्पिटल में बच्चे की मौत पर यूनियन ने सौंपा मांग पत्र

लालगंज। सोमवार को रेल कोच कारखाने के कर्मचारी अभिषेक के पुत्र की मौत के बाद यूनियन नेताओं ने प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। मंगलवार को प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने यूनियन के नेताओं के साथ मीटिंग की। यहां पर उन्होंने चिकित्सा तंत्र में सुधार के साथ-साथ दोषी डॉक्टरों के खिलाफ जांच कराकर कार्रवाई की बात कही है। बताते चले कि यूनियन के लोगों ने बच्चे आरव की मौत को चिकित्सा तंत्र की लापरवाही को दोष दिया है। एमसीएफ यूनियन नेताओं ने बताया कि 10 सूत्रीय मांग पत्र में हर समय अस्पताल में तत्काल रेफरल की सुविधा सुनिश्चित किये जाने की मांग की गई है। आपातकालीन स्थिति में डॉक्टरों की लापरवाही या रेफर करने में की जाने वाली देरी को "अपराध" माना जाए और इसकी सीधी जवाबदेही तय की जाए। रायबरेली के स्थानीय अस्पतालों को भी रेफरल पैनल में शामिल करने की बात भी मांग पत्र में है। अच्छे डायग्नोस्टिक सेंटरों को पैनलबद्ध किया जाए, ताकि गंभीर मरीजों की जांच रिपोर्ट के लिए घंटों इंतजार न करना पड़े। बैठक के दौरान मजदूर संघ अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल, महामंत्री सुशील गुप्ता, एससी एसटी एसोसिएशन के अध्यक्ष देव नाथ निर्मल, रोहित मिश्रा रहे।

चौपाल स्थल का सीडीओ ने किया निरीक्षण

सतांव, रायबरेली, अमृत विचार। सूबे के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रस्तावित जनपद स्तरीय ग्राम चौपाल को लेकर प्रशासनिक अमला सतर्क हो गया है। मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी मंजू लता ने बीडीओ अंजू रानी वर्मा के साथ ब्लॉक क्षेत्र के कोरिहर गांव के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। सीडीओ ने गुरुबक्शगंज-रायबरेली मार्ग पर स्थित ढकिया चौराहे के निकट स्थित मैदान का भौतिक निरीक्षण करते हुए वहां पर साफ सफाई कराने का निर्देश दिया। खंड विकास अधिकारी अंजू रानी वर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर जिले में ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन होना है, जिसके लिए स्थल का भौतिक निरीक्षण किया जा रहा है। शीघ्र ही स्थान के चयन उपरान्त कार्यक्रम दिवस भी घोषित किया जायेगा।

महिला की मौत पर आक्रोश, लगाया जाम

संवाददाता, सतांव (रायबरेली)

अमृत विचार। बच्चों को दूसरे घर पर छोड़कर वापस लौटते समय रास्ते में महिला गश खाकर सड़क पर गिर पड़ी। अचेता अवस्था में परिजनों द्वारा उसे सीएचसी ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। महिला की मौत को संदिग्ध मानकर परिजनों ने गुरुबक्शगंज-खीरों मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस के हाथ पांव फूल गए।

जानकारी के अनुसार 25 दिसम्बर की शाम सेनी मजरे भीतरगांव निवासी मो. जमील से बच्चों के खेल को लेकर उसके पड़ोसी रामदेव द्वारा गाली-गलौज, मारपीट व जानमाल की धमकी की तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय में अरविन्द पुत्र रामदेव, होलिका पुत्री रामदेव, रामदेव की पत्नी नाम अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत हुआ था।पंजीकृत अभियोग के कारण फौजदारी पर अमादा होने पर पुलिस द्वारा रामदेव (55) पुत्र स्व. औसान, अरविन्द (20) पुत्र रामदेव के विरुद्ध कार्यवाही की गई थी। 29 दिसंबर को सुबह सोनी (45) पत्नी रामदेव बच्चों को जब अपने दूसरे घर पर छोड़कर वापस आ रही थी तो रास्ते में चक्कर खाकर गिर गई। जिसे सीएचसी खीरों ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में सोनी की मौत हो गई। पुलिस ने आरोप-प्रत्यारोप के चलते शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मंगलवार को पोस्टमार्टम के उपरान्त मृतका के परिवारजनों ने शाम करीब 4 बजे गुरुबक्शगंज-खीरों मार्ग पर शव रखकर मार्ग जाम करने का प्रयास किया, परन्तु पुलिस की सजगता के चलते वह अपने प्रयास में सफल नही हो सके। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम में मृतका के शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं पाया गया। ऐसे में बीमारी के कारण ही मृत्यु होना प्रतीत होता है।

गुरुबक्शगंज-खीरों मार्ग पर प्रदर्शन करते ग्रामीण व मौजूद पुलिस। अमृत विचार

मूर्ति गिराने व शराब की बोतलें फेंकने पर लोगों में आक्रोश, जगतपुर: थाना क्षेत्र के अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा के पास बाईपास निर्माण के दौरान धार्मिक स्थल तोड़े जाने के बाद स्थापित की गई। मूर्ति के साथ छेड़छाड़ और शराबियों द्वारा शराब की बोतलें फेंके जाने का मामला सामने आया है। घटना से आक्रोशित बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन से शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मंगलवार को बाईपास निर्माण कार्य के चलते बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप स्थित धार्मिक स्थल को तोड़ दिया गया था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने कुछ दूरी पर मूर्ति स्थापित कर पूजन-अर्चन शुरू कर दिया। आरोप है कि शाम के समय कुछ शराबियों ने वहां शराब पी और मूर्ति के पास खाली बोतलें फेंक दीं। इतना ही नहीं मूर्ति को गिरा भी दिया गया। जब लोगों ने मूर्ति गिरी हुई और शराब की बोतलें पड़ी देखीं तो उन्होंने इसका विरोध किया। सूचना पाकर बजरंग दल के के शैलेश पटेल, तेजपाल चौहान, ज्ञानू तिवारी, हिमांशू तिवारी, संतोष तिवारी ने बताया कि शाम के समय यहां शरारती तत्वों का जमावड़ा लगता है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे शरारती तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नजरंदाजी | किसानों के गेहूं, सरसों और चना जैसी फसलों के लिए पानी की जरूरत

माइनर में पानी न आने से फसल पर संकट, किसान परेशान

संवाददाता, महराजगंज, (रायबरेली)

अमृत विचार। कठिन मेहनत के बाद खेतों में बोई गई रवि की फसल अब उग आई है, लेकिन सिंचाई के लिए जौनपुर नहर ब्रांच से निकलने वाली हलोर अल्पिका और मांझगांव माइनर में पानी न आने से किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। क्षेत्र के किसान इन दिनों गहरी परेशानी में हैं। फसल के शुरुआती विकास के इस महत्वपूर्ण समय में यदि समय पर पानी नहीं मिला, तो पैदावार पर गंभीर असर पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि सरसों और चना जैसी रवि की फसलें खेतों में अच्छी तरह जम चुकी हैं, लेकिन अब उन्हें नियमित सिंचाई की जरूरत है। नहर से जुड़े माइनर में पानी आने की उम्मीद में किसान रोजाना इंतजार कर रहा है, मगर माइनर लगातार खाली पड़ी है। पानी न मिलने से खेतों की मिट्टी सूखने लगी है और पौधों के ग्रोथ पर खतरा पैदा हो गया है। नहर विभाग की लापरवाही को लेकर स्थानीय किसानों में भारी आक्रोश है।

महराजगंज क्षेत्र के एक गांव में स्थित मानइर। अमृत विचार

सिल्ट और गंदगी बनी बाधा: किसान जगदत्त त्रिपाठी और अतुल तिवारी के अनुसार, अल्पिका की सफाई व्यवस्था भी बदहाल है। नहर की पटरियों पर सिल्ट का अंबार लगा है, जिससे पानी का प्रवाह बाधित हो रहा है। खासकर हेड के पास अत्यधिक सिल्ट जमा होने के कारण मुख्य नहर का पानी अल्पिका में प्रवेश नहीं कर पा रहा है।

क्या बोले किसान: राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, लाखन सिंह और हेमंत सिंह सहित दर्जनों किसानों ने बताया कि गेहूं की सिंचाई के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण समय है। पानी न मिलने से फसल की पैदावार प्रभावित होने का डर सता रहा है। किसानों का आरोप है कि जौनपुर नहर ब्रांच का पानी सीधे आगे की ओर छोड़ दिया जाता है, जिससे स्थानीय अल्पिकाएं प्यासी रह जाती हैं।

दो सप्ताह से है पानी का इंतजार

खण्ड 28 जौनपुर नहर ब्रांच से निकलने वाली यह अल्पिका मांझगांव, हलोर और पुरासी बसकटा होते हुए नैय्या नाले तक जाती है। वहीं, मांझगांव से नारायनपुर मोन को जाने वाली माइनर भी पूरी तरह सूखी पड़ी है। जमुरांवा के किसान इंद्रपाल यादव ने बताया कि "दो सप्ताह पहले मात्र दो घंटे के लिए पानी आया था, उसके बाद जलस्तर इतना गिर गया कि अल्पिका तक पानी पहुंचना ही बंद हो गया।

> वर्तमान में हमें ऊपर से मिलने वाले पानी की मात्रा में कटौती हुई है। पहले हमें 3800 क्यूसेक पानी मिल रहा था, जो अब घटकर 2500 क्यूसेक रह गया है। जैसे ही मुख्य नहर में पानी की मात्रा बढ़ाई जाएगी, तत्काल अल्पिका में पानी छोड़कर किसानों तक पहुंचाया जाएगा।
>
> -नवनीत कुमार, अभियंता (नहर विभाग)।

भ्रष्टाचार की खुली पोल, पानी छोड़ते ही नवनिर्मित पुलिया धंसी

डलमऊ, रायबरेली

अमृत विचार। सिंचाई विभाग द्वारा नवनिर्मित पुलिया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। माइनर में पानी छोड़ने के साथ ही पुलिया धंस गई, जिसको लेकर किसानों ने नाराजगी जाहिर की है।

डलमऊ तहसील क्षेत्र के पूरे गुरु देवली गांव में माइनर की पुलिया जर्जर थी। काफी दिनों से आवागमन बाधित था। किसानों की मांग पर सिंचाई विभाग ने पुलिया निर्माण के लिए बजट जारी किया। ठेकेदार द्वारा पुलिया का निर्माण कार्य शुरू कराया गया। काम शुरू होते ही मनमानी को लेकर किसानों ने विरोध किया, लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। आलम यह रहा कि सोमवार रात को माइनर में पानी छोड़े जाने के बाद नवनिर्मित पुलिया धंस गई। ग्रामीणों को जब पुलिया धंसने की जानकारी हुई तो ठेकेदार को सूचना दी। ग्रामीण राजेंद्र कुमार यादव, महादेव, मनोज, सुरेश, आकाश, जयप्रकाश, रमेश कुमार का कहना है कि रात ही में ठेकेदार मजदूरों के साथ पलिया में आई दरार को छुपाने के लिए मसाले का लेप करने लगे, जिसे ग्रामीणों ने विरोध किया। किसानों का कहना है कि पुलिया निर्माण से ही भ्रष्टाचार किया गया। मानक के अनुरूप काम नहीं किया गया। गुणवत्ता पूर्ण निर्माण न होने से पलिया धंस गई। वहीं जेई सौरभ ने बताया कि पानी छोड़ने के साथ ही पुलिया के साइड स्ट्रक्चर में दरारें आई थी, जिसे सही कराया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

50 ग्राम स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

शुकुल बाजार (अमेठी) : थाना शुकुल बाजार पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को 50 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान कल्लू पुत्र भल्लू निवासी निध्दा का पुरवा, मजरा मरदानपुर, थाना शुकुल बाजार, जनपद अमेठी के रूप में हुई है। अभियुक्त की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान अभियुक्त की तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से 50 ग्राम स्मैक बरामद हुई। बरामदगी के बाद अभियुक्त को हिरासत में लेकर थाना शुकुल बाजार लाया गया। गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना शुकुल बाजार पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

शिक्षक व अभिभावकों ने की चर्चा

रायबरेली : न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी (पीटीएम) का आयोजन किया गया। विद्यालय में पीरियोडिक टेस्ट-द्वितीय के लिए आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक के दौरान अभिभावकों ने अपने पाल्यों के क्रियाकलापों पर शिक्षकों से विचार विमर्श करते हुए परीक्षा परिणामों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी जिज्ञासाओं को शिक्षकों के समक्ष रखा। अध्यापकों ने विद्यार्थियों के मजबूत व कमजोर पक्षों पर चर्चा की। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति, उप-प्रधानाचार्य मो. फैज़ान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, पिंकी जायसवाल, शाहीन खान, अजय सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, कामरान, गिरीश श्रीवास्तव आदि रहे।

हिंदू समाज में एकता जरूरी: कृष्ण कुमार

सिंहपुर (अमेठी) : क्षेत्र के सेमरौता और राजा फतेपुर न्याय पंचायत में मंगलवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय हजारों हिन्दू जनमानस एकत्रित रहा। राजा फतेपुर स्थित सरस्वती ज्ञान विद्या मंदिर प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया वहीं सेमरौता के सतगवा स्थित शिव मंदिर परिसर में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। हिन्दू सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार ने हिन्दू समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा तथा युवाओं में संस्कारों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज में एकता जरूरी है। वहीं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सुल्तानपुर के विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश रहे। कमला देवी ने कहा कि सनातन संस्कृति सहिष्णुता, सेवा और सद्भाव का संदेश देती है। कार्यक्रम में धर्मेश मिश्रा, तेज नारायण मिश्रा, देवेंद्र शुक्ला, अमरीश जायसवाल, नितिन त्रिपाठी, उपेंद्र मिश्रा, अवनीन्द्र सिंह, राज बहादुर सिंह, सज्जन अवस्थी, अरुण मिश्रा, रामादत्त शुक्ला, दिनेश जायसवाल रहे।

अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

मुसाफिरखाना : मुसाफिरखाना तहसील परिसर में मंगलवार को बार एसोसिएट अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ल की अगुवाई मे अधिवक्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। अधिवक्ताओं का आरोप है कि एसडीएम न तो समय से जनसुनवाई में बैठते हैं और न ही नियमित रूप से न्यायालय में उपस्थित रहते हैं। इस मौके पर अधिवक्ता राजन सिंह, सतीश सिंह, अंजनी मिश्रा, नवनीत चौबे, विकास पाल, प्रभाकर सिंह, रमाशंकर तिवारी, पवन तिवारी, जगतराम पाल आदि रहे।

जमीन के लिए 'मृत' व्यक्ति ने किया दावा

सरकारी अभिलेख और ग्रामीण घोषित कर चुके मृत, हजारों ग्रामीणों के बीच हुई पंचायत

हुई खुली बैठक

संवाददाता, अमेठी

बैठक का एजेंडा पढ़ते ग्राम पंचायत सचिव विपिन तिवारी। अमृत विचार

जंगल रामनगर में आयोजित खुली बैठक में मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। जंगल रामनगर में पांच बीघा जमीन को लेकर चल रहा विवाद उस समय फिल्मी ड्रामा बन गया, जब एक शख्स ने खुद को जीवित बताते हुए पूरी संपत्ति पर दावा ठोक दिया, जबकि सरकारी अभिलेख और ग्रामीण उसे मृत घोषित कर चुके हैं। उच्च न्यायालय के आदेश पर मंगलवार को पंचायत भवन में बुलाई गई खुली बैठक में हजारों की भीड़ उमड़ी और माहौल काफी तनावपूर्ण रहा। मामले की जड़ रामप्रसाद नाम के व्यक्ति की पहचान है।

सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, रामप्रसाद की मृत्यु 3 जनवरी 2012 को हो चुकी है और उनका मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी है। लेकिन रामू नामक व्यक्ति का दावा है कि वही असल 'रामप्रसाद' है और वह जीवित है। जमीन पर कब्जे को लेकर यह मामला उच्च न्यायालय तक जा पहुँचा है। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में जिला पंचायत अधिकारी मनोज त्यागी ने खंड विकास अधिकारी को बैठक के निर्देश दिए थे। कार्यवाहक ये डीओ पंचायत अनुराग यादव के नेतृत्व में गठित टीम ग्राम पंचायत सचिव विपिन तिवारी अध्यक्षता प्रधान राहुल वर्मा में यह पंचायत बुलाई गई। न्यायालय के आदेश पर खुली बैठक कर ग्रामीणों के बयान दर्ज किए गए हैं। सभी हस्ताक्षर और रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंपी जाएगी। अंतिम फैसला अदालत के विवेक पर निर्भर है।

रिश्तों का उलझा गणित: वहीं रामप्रसाद की पत्नी ने रामू के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। उनके अनुसार रामप्रसाद का असली नाम शिवप्रसाद था, जिन्हें शिवनारायण ने गोद लिया था।महावीर के तीन बेटे थे-सबसे बड़ा शिवप्रसाद उर्फ रामप्रसाद (मृतक), दूसरा रामू (जो दावा कर रहा है) और तीसरा रामअवतार। मामले में पत्नी का कहना है कि रामू असल में उनका देवर है, उसका पति नहीं।

500 ग्रामीणों ने दी गवाही, पुलिस रही मुस्तैद

पंचायत के दौरान गांव का माहौल बेहद गर्म रहा। स्थिति को संभालने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। जांच टीम ने ग्रामीणों के पक्ष सुने, जिसमें 500 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर कर तस्दीक की कि रामप्रसाद की मौत 2012 में हो चुकी है। पूरी प्रक्रिया के दौरान दोनों पक्षों के करीब 1000 लोग मौजूद रहे दोनों पक्षों की हस्ताक्षर कराए गए हैं। बैठक में रामू के पक्ष में 34 लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं।

ट्रैक्टर से कुचलकर मजदूर की मौत, गांव में छाया मातम

संवाददाता, मुसाफिरखाना (अमेठी)

अमृत विचार। क्षेत्र के रुदौली गांव के पास सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर से कुचलकर एक मजदूर की मौत हो गई। इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर ईंट उतारकर वापस लौट रहा था। रुदौली गांव के पास अचानक सड़क पर एक बकरी आ जाने से चालक ने ट्रैक्टर में तेज ब्रेक लगा दिया। इससे ट्रैक्टर के पीछे बैठा मजदूर गया प्रसाद (37) संतुलन खो बैठा और नीचे गिर गया। गिरते ही वह ट्रैक्टर के पहिये के नीचे आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से घायल गया प्रसाद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। मजदूर की हादसे में मौत की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के भाई नकछेद और मां कोयला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में हर आंख नम है।

बच्ची को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर, हालत गंभीर रिपोर्ट दर्ज, अमेठी: तिलोई की कोतवाली मोहनगंज क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम कोची निवासी रामनरेश पुत्र धवकाली ने थाने में प्रार्थनापत्र देकर बताया कि मेरी पुत्री अंकिता उम्र तीन वर्ष जो घर के बाहर खेल रही थी। तभी बब्लू पुत्र अज्ञात निवासी ग्राम बहादुरपुर मजरे रास्तामऊ थाना मोहनगंज ई-रिक्शा तेज़ रफ़्तार लापरवाही पूर्वक चलाते हुए मेरी पुत्री पर ई-रिक्शा चढ़ा दिया। जिससे उसके शरीर पर काफी चोट आई और पेशाब के रास्ते पर काफी गम्भीर चोटें आई हैं जिससे वह वहीं पर बेहोश हो गयी। जबकि हादसे के बाद ई-रिक्शा लेकर बब्लू मौके से फरार हो गया। पीड़ित व ग्रामीणों की मदद से घायल अवस्था में आनन फानन पुत्री को लेकर दवा कराने चले गए थे। दवा उपरांत दिन सोमवार को थाने पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराई। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जायेगी।

चोरों ने पांच लाख के आभूषण किए पार

सिंहपुर (अमेठी) अमृत विचार। इन्हौना थाना क्षेत्र के पूरे जयलाल दुबे मजरे चिलौली गांव मे बीती सोमवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर बक्से मे रखे 5 लाख के जेवरात समेत नकदी पार कर दिया है। गृहस्वामिनी ने लिखित तहरीर थाने पर दी है। गांव निवासिनी रीना पत्नी हरी प्रसाद ने थाने पर दी तहरीर मे लिखा है कि बीती रात लगभग एक बजे इसके घर पर चोरों ने धावा बोलकर कीमती जेवरात पार कर दिया। पीड़िता के पति रोजगार के सिलसिले मे अहमदाबाद शहर मे रहते है। सास के साथ वह घर पर थी। इसी दौरान चोरों ने उसके कमरे मे बाहर से कुण्डी लगाकर उसकी शादी के ज़ेवर, सास के ज़ेवर व उसकी ननद के ज़ेवर समेत 25 हजार कि नकदी पार कर दी है। जानकारी होने पर दरवाजा बाहर से बंद था उसने आस पास के लोगों को मदद की गुहार लगाई ज़ब तक लोग पहुँचते तब तक चोर बड़ी वरदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे। पीड़िता ने चोरी हुए जेवरात की कीमत पांच लाख रूपये बतायी है। सूचना पर रात मे ही डायल 112 ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच पड़ताल की। चोरी की घटना को संज्ञान लेते सीओ तिलोई दिनेश मिश्रा ने भी घटना स्थल पार पहुंचकर थानेदार को घटना के खुलासे का निर्देश दिया है। चोरी की घटना से पुरे गांव के लोग सशंकित है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष विवेक सिंह ने बताया कि चोरी के मामले की जांच की जा रही है।

आसानी से बनवा सकते हैं गोल्डन कार्ड: डॉ. अनूप

संवाददाता, अमेठी

गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करती स्वास्थ्य विभाग की टीम। अमृत विचार

जागरूकता अभियान

अमृत विचार। अमेठी जिले में जिलाधिकारी के निर्देशानुसार आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाने का अभियान तेज कर दिया गया है। शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पात्र लोगों के गोल्डन कार्ड बना रही हैं, ताकि कोई भी योग्य व्यक्ति इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना से वंचित न रह जाए। मंगलवार को जिला समन्वयक आयुष्मान भारत डॉ. अनूप तिवारी के नेतृत्व में जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) के कर्मचारियों ने व्यापक स्तर पर अभियान चलाया। इस दौरान घर-घर जाकर कार्ड बनाए गए और एक ही दिन में लगभग 2000 गोल्डन कार्ड तैयार किए गए।

जिला समन्वयक डॉ. अनूप तिवारी ने बताया कि ग्रामीण किसी भी प्रकार के भ्रम में न रहें। पात्र लाभार्थी अपने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या पंचायत भवन पर उपस्थित पंचायत सहायक के माध्यम से आसानी से गोल्डन कार्ड बनवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान गोल्डन कार्ड बन जाने के बाद लाभार्थी को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज सूचीबद्ध सरकारी व निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पात्र लाभार्थी समय रहते अपना कार्ड अवश्य बनवा लें और अफवाहों पर ध्यान न दें। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य है कि हर पात्र परिवार तक योजना का लाभ पहुंचे।

इसी क्रम में मुसाफिरखाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. आलोक मिश्रा एवं बी.सी.पी.एम. राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा गोल्डन कार्ड बनाने में आ रही तकनीकी व अन्य समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। उनकी देखरेख में स्वास्थ्य कर्मियों की टीम गांव-गांव जाकर पात्र लोगों के कार्ड बनवा रही है।

वहीं जिला समन्वयक आयुष्मान भारत अनूप तिवारी ने पात्र लाभार्थियों से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द नजदीकी शिविर या संबंधित केंद्र पर पहुंचकर अपना गोल्डन कार्ड अवश्य बनवाएं, ताकि जरूरत पड़ने पर योजना का लाभ लिया जा सके।

घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बना रही स्वास्थ्य टीम, संग्रामपुर: जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केंद्र बड़गांव के तहत मंगलवार को स्वास्थ्य टीम घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बना रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर प्रभारी डॉ संतोष सिंह ने बताया कि अमेठी सीएमओ डॉक्टर अंशुमान सिंह के निर्देश पर सभी स्वास्थ्य उपकेंद्र क्षेत्र के गांव में स्वास्थ्य टीम घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बना रही है। जिसकी शुरुआत आज मंगलवार को क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केंद्र बड़गांव से शुरू की गई है। मंगलवार को पहले दिन गांव में करीब 35 आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कार्यक्रम शत-प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करने तक निरंतर चलता रहेगा। इस कार्यक्रम में आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम काम कर रही है।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, केस दर्ज

तिलोई (अमेठी)। फुरसतगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बगल गांव के रहने वाले युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता के अनुसार, आज सुबह उसकी तेरह वर्षीय बेटी खेत की तरफ गई थी तभी आरोपी ने उसे घसीट कर अपने ट्यूबवेल में उसके साथ किया दुष्कर्म किसी ना बताने की दी धमकी। घटना के बाद बच्ची ने आपबीती अपनी मां को बताई, जिस पर मां ने तत्काल फुरसतगंज थाने में तहरीर दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी नन्द हौशीला यादव ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक की मांग को लेकर प्रदर्शन

सुरक्षा अधिनियम विधेयक की मांग करते अधिवक्ता।

सलोन (रायबरेली)। अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक की मांग को लेकर मंगलवार को प्रदेशव्यापी अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा तहसील सलोन परिसर पहुंची। यहां वकीलों ने नारेबाजी के साथ भारी विरोध प्रदर्शन किया। आल इंडिया रूरल बार एसोसिएसन के बैनर तले मांग को लेकर वकीलों ने तहसील गेट पर एकत्रित होकर विरोध का स्वर मुखर किया। एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल एवं राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी की संयुक्त अगुवाई में प्रदेश भर में निकली अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा का सलोन में जोरदार आगाज दिखा। वकीलों ने केंद्र सरकार से इस विधेयक को अविलम्ब पारित कराए जाने की मांग उठाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने ऐलान किया कि यह मांग पूरी न होने पर वकील अगले बजट सत्र में दिल्ली में संसद भवन के सामने जोरदार प्रदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि वकीलों के भारी दबाव के बीच प्रदेश सरकार ने अब अधिक्ताओं के कैशलेस हेल्थ बीमा को लेकर कैबिनेट के लिए प्रस्ताव मांगा है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप जोशी, तेजभान पटेल, ज्ञानेन्द्र कुमार तिवारी, संजय सिंह, सीबी सिंह ने संबोधित करते हुए अधिवक्ताओं की सुरक्षा व सुविधाओं पर सरकार की ढ़िलाई पर नाराजगी जतायी।

करंट की चपेट में आने से दिहाड़ी मजदूर की मौत

जायस (अमेठी)

अमृत विचार। जायस कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुबारकपुर मुखेतिया निवासी एक दिहाड़ी मजदूर की हरियाणा के गुरुग्राम में काम के दौरान हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मुबारकपुर मुखेतिया निवासी 25 वर्षीय संदीप मौर्य पुत्र रामभवन रोज़गार की तलाश में गुरुग्राम गया था, जहां वह एक ठेकेदार के अधीन प्लंबर का कार्य कर रहा था। बीते सोमवार को काम के दौरान संदीप अचानक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक संदीप अपने परिवार में दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था तथा परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। युवक की मौत की खबर जब गांव पहुंची तो परिजनों में चीख-पुकार मच गई। छोटे भाई-बहन का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पिता रामभवन गहरे सदमे में हैं। परिजनों ने बताया कि संदीप की शादी आगामी 20 अप्रैल 2026 को तय थी, जिसकी तैयारियां घर में जोरों पर चल रही थीं। अचानक हुई इस हृदय विदारक घटना ने खुशियों को मातम में बदल दिया।

सिटी डायरी

कंबल के साथ खड़े जरूरतमंद ग्रामीण व मौजूद समाजसेवी।

समाजसेवी ने बांटे कंबल

शिवगढ़ (रायबरेली)। समाजसेवी व हरियाणा वाले राज भैया उर्फ राज दीक्षित ने कुम्हरावां, ढेकवा, पिपरी, पूरे पाण्डेय, भैरीखेड़ा आदि गांवों में घर-घर जाकर गरीब, असहाय, वृद्धों, दिव्यांगों एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया। उनका कहना है कि बढ़ती इस ठंड में यदि उनके द्वारा गरीब व जरूरतमंदों के प्रति कदम बढ़ते हैं तो उन्हें बहुत सुकून प्राप्त होता है। वैसे क्षेत्र में इनकी समाजसेवा को लेकर खूब सराहा जाता है। कंबल वितरण अभियान में उनके पिता अंजनी दीक्षित प्रतिदिन परशुराम भवन में आने वाले जरूरतमंदों को कंबल बांटने का काम कर रहे हैं। इस मौके पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी, अमित मिश्रा, छोटू गुप्ता, सोनू पाण्डेय, विकास गुप्ता, सुनील मिश्रा, कल्लू गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

पौधरोपण करते सोसाइटी के पदाधिकारी।

मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करते कर्मी।

कंबल पाकर खिले चेहरे

महराजगंज (रायबरेली)। बढ़ती ठंड और शीतलहरी से लोगों को राहत दिलाने के लिए क्षेत्र के मोन गांव में शासन द्वारा दिए गए कम्बल पाकर बुजुर्गों के चेहरे खिल गए। मोन गांव स्थित पंचायत घर में मंगलवार को बुजुर्ग, विधवा व दिव्यांगो को ठंड से निजात दिलाने के लिए कम्बल वितरित किए गए। प्रधान शिवकला और हल्का लेखपाल शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में बेसहारा बुजुर्गों को कम्बल वितरित किए गये। वहां मौजूद प्रधान पति अमरेश कुमार ने बताया कि जिन लोगों के पास पर्याप्त कपड़े नहीं हैं, उनका ठंड से बुरा हाल है। शासन द्वारा ऐसे गरीब लोगों को ठंडे से राहत दिलाने के लिए कंबल वितरित किए जा रहे। हल्का लेखपाल शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि मोन गांव में मंगलवार को 30 जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए गये है।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

अमेठी। मानवता की सेवा के उद्देश्य से एक भव्य निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मंगलवार सुबह अमेठी नगर पंचायत के पुराना रायपुर (वार्ड नंबर एक) में आयोजित इस शिविर का लाभ उठाने के लिए भारी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे। व्यापार मंडल और धर्मार्थ चिकित्सालय की संयुक्त पहल यह शिविर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल की अगुवाई में आयोजित किया गया। इसमें धर्मार्थ चिकित्सा सेवा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं। वरिष्ठ डॉक्टर गौरव यादव ने अपनी टीम के साथ आए हुए सैकड़ों मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

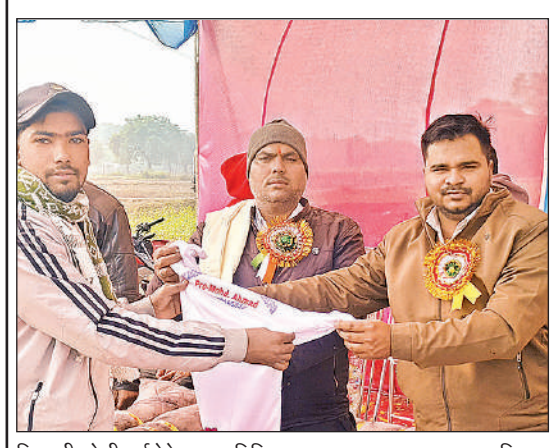

खिलाड़ी को टी शर्ट देते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

खेल से निखरती है प्रतिभा व अनुशासन: दुर्गमांग

मुसाफिरखाना (अमेठी)। खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। खेलों के माध्यम से व्यक्ति की छिपी हुई प्रतिभाएं सामने आती हैं और वह स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली की ओर अग्रसर होता है। यह विचार युवा समाजसेवी दुर्गामांग तिवारी 'नानपून' ने व्यक्त किए। वे अमेठी जनपद के अंतर्गत जिला पंचायत वार्ड संख्या-1 से प्रत्याशी अंशु तिवारी द्वारा आयोजित खेलो इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। यहां अंशु तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, समाजसेवी अरविंद तिवारी आदि रहे।

जिम्मेदार बेखबर — अतिक्रमण के कारण लोगों को सड़क पर चलना दूभर

ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से लग रहा जाम

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

सड़क पर मनमाने ढंग से चालकों द्वारा खड़े किए गए ऑटो और ई-रिक्शा। अमृत विचार

अमृत विचार। ऊंचाहार मार्ग पर ऑटो, अवैध ई-रिक्शा स्टैंड और अतिक्रमण यातायात संचालन में बाधक बना हुआ है। हालत यह है कि सुबह से लेकर शाम तक सड़क पर लगने वाला जाम नासूर बन चुका है। फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण लोगों को सड़क पर चलना भी दूभर हो रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। काफी समय से स्थानीय लोग अवैध तरीके से लगने वाले ई-रिक्शा स्टैंड हटाने की मांग कर रहे है। लेकिन पुलिस प्रशासन की अनदेखी के चलते आम जनता को परेशानी से जूझना पड़ रहा है।

नगर के मुख्य ऊंचाहार मार्ग स्थित चौराहे पर अवैध ई-रिक्शा स्टैंड बनाकर सड़क की पटरी चालकों ने कब्जा कर रखा है। इस चौराहे से होकर रायबरेली, प्रतापगढ़ राहगीर सफर को जाते हैं।,दूसरी ओर सलोन-ऊँचाहार मार्ग पर प्रयागराज, कुंडा, ऊँचाहार के लिए इसी मार्ग से होकर बड़ी संख्या में लोडेड वाहन गुजरते हैं। अवैध ई-रिक्शा स्टैंड से एक साथ कई-कई रिक्शा जैसे ही सड़क पर पहुंचते है, तो जाम लग जाता है।

ई-रिक्शा चालक अन्य वाहन चालकों से दुर्व्यवहार करते हैं, जिससे यहां आए दिन अफरा-तफरी मची रहती है। क्षेत्र के लोगों ने कई बार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत की लेकिन कोई नतीजा जीरो ही निकलता है। वहीं इस सम्बंध में एसडीएम चन्द्र प्रकाश ने बताया कि नगर पंचायत को निर्देशित कर समस्या का निस्तारण कराया जायेगा। जल्द समाधान होगा।

विद्युत विभाग की लापरवाही दे रही है किसी बड़ी दुर्घटना को दावत, बछरावां: विकास क्षेत्र के अंतर्गत कस्बे के महराजगंज रोड पर स्थित विद्युत उपकेंद्र बछरावां के जिम्मेदार अधिकारियों की एक बड़ी लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना को दावत देती हुई नजर आ रही है। विदित हो कि उक्त विद्युत उपकेंद्र से संबंधित कस्बे के मुख्य चौराहे पर लगा एक ट्रांसफार्मर जो कि खराब हो गया है। उक्त खराब ट्रांसफार्मर के स्थान पर एक ट्राली में ट्रांसफार्मर रखकर उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जाने लगी। परंतु ताज्जुब की बात तो यह है कि उक्त ट्राली पर रखा ट्रांसफार्मर जिसके तार खुले पड़े हैं और जिस जगह वह ट्राली खड़ी है, उस जगह दर्जनों की संख्या में पटरी दुकानदार पटरी पर अपनी दुकान लगाते हैं और उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की बसें भी आकर भी इसी जगह रूकती है। जहां सैकड़ो यात्री प्रतिदिन उतरते व चढ़ते हैं। अब ऐसे में अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा दिख रहे यह खुले तार किसी बड़ी दुर्घटना को दावत देते हुए नजर आ रहे हैं। उक्त समस्या के संबंध में जब विद्युत उपकेंद्र बछरावां पर तैनात जेई उमेश कुमार यादव से उनके दूरभाष विभागीय सीयूजी नंबर 9415901227 पर कई बार बातचीत करने की कोशिश की गई तो उनका फोन स्विच ऑफ रहा। जो कहीं न कहीं उनके द्वारा प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के निर्देशों की धज्जियां भी उड़ा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि संबंधित विभाग के अधिकारी कब तक इस जटिल समस्या का निराकरण करेंगे या फिर किसी बड़े हादसे या अनहोनी का इंतजार करते रहेंगे।

अमृत विचार

बुधवार, 31 दिसंबर 2025

यदि आप किसी से प्रेम करते हैं, तो उसे जाने दें, क्योंकि यदि वह लौट आता है, तो वह हमेशा आपका था। यदि नहीं लौटता, तो वह कभी आपका था ही नहीं।

खलील जिब्रान, दार्शनिक

नए साल में नई परिभाषा

दुनिया की सबसे पुरानी भूगर्भीय संरचनाओं में शामिल अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने ही आदेश को वापस लेना यह संकेत है कि न्यायालय को प्रस्तुत परिभाषा और उसके दूरगामी पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर शंकाएं उत्पन्न हुई हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित करने में जल्दबाजी और अधूरी वैज्ञानिक कसौटियां खतरनाक साबित हो सकती हैं। नया आदेश यह साबित करता है कि पिछला फैसला किंचित जल्दबाजी में लिया गया था।

अदालत ने स्वयं यह स्वीकारा कि नई परिभाषा से 'संरचनात्मक विरोधाभास' तो पैदा नहीं हो रहा, यह जांचना आत्यावश्यक है। अदालत की स्वीकारोक्ति बताती है कि सरकार का जवाब अंतिम सत्य मान लेने लायक भरोसेमंद नहीं थे। जिस नई परिभाषा को अदालत ने पहले स्वीकार किया था, वह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने प्रस्तुत की थी। उद्देश्य अरावली की रक्षा बताई गई थी, पर आरोप यह हैं कि उक्त परिभाषा के मानदंड, जैसे 100 मीटर की ऊंचाई- व्यावहारिक रूप से अरावली के बड़े हिस्से को संरक्षण से बाहर कर देते हैं। यदि समिति का उद्देश्य संरक्षण था, तो यह परिभाषा अपने परिणामों में विपरीत कैसे हो सकती है? लाजिमी है कि यह पुनर्विचार आवश्यक था। राजस्थान में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 के 100 मीटर से अधिक ऊंचे होने के दावे को मानने से 92 फीसद से अधिक पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हो जाएंगी। यह तथ्यात्मक स्थिति बताती है कि ऊंचाई-आधारित परिभाषा अरावली की वास्तविक भूगर्भीय और पारिस्थितिक निरंतरता को नज़रअंदाज़ करती हैं। नतीजा- अंधाधुंध खनन और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए दरवाज़ा खुल सकता है। अरावली की प्रकृति 'टुकड़ों में बंटी पहाड़ियों' की नहीं, बल्कि एक जुड़े हुए पारिस्थितिक, प्राकृतिक तंत्र की है। यदि पहाड़ियां 100 मीटर से ऊंची हों, पर 500 मीटर से अधिक दूरी पर हों, तब भी वे भूजल रिचार्ज, जैव-विविधता और जलवायु नियमन के साझा कार्य करती हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग इकाइयों के रूप में नहीं, बल्कि एक सतत पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना ही वैज्ञानिक दृष्टि से उचित है। 'विनियमित' या 'सतत' खनन की अवधारणा कागज़ पर आकर्षक लग सकती हैं, पर अरावली जैसे नाजुक क्षेत्र में कड़ी निगरानी के बावजूद इसके प्रतिकूल प्रभावों को नकारा नहीं जा सकता। ढलानों का कटाव, भूजल स्तर में गिरावट और जैव-विविधता का नुकसान दीर्घकाल में अपरिवर्तनीय हो सकता है।

एफएसआई द्वारा लंबे समय से अपनाया गया 3-डिग्री ढलान का मानदंड अधिक समावेशी और भू-आकृतिक वास्तविकताओं के करीब रहा है। इसके विपरीत, सरकार द्वारा सौंपी गई नई सूची में कई जिलों को संरक्षण क्षेत्र से बाहर कर दिया गया है, जिससे उन क्षेत्रों में पर्यावरणीय दबाव तेज़ी से बढ़ सकता है। अरावली उत्तर-पश्चिम भारत में रेगिस्तान बनने से रोकने, भूजल रिचार्ज करने और आजीविका बचाने की रीढ़ है, इसलिए इसे केवल ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु महत्व से परिभाषित किया जाना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण की कुंजी है व्यक्ति निर्माण

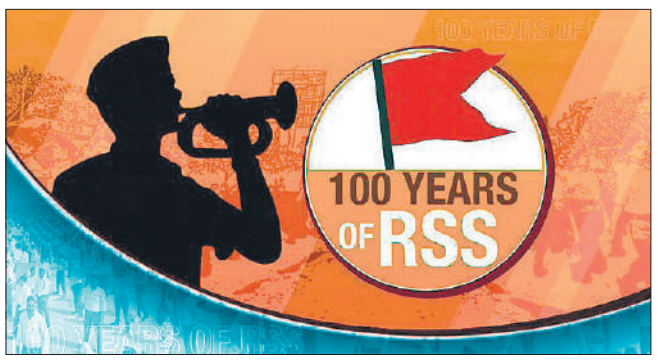

नुसरत जहां

एजीए हाईकोर्ट लखनऊ बेंच

एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक का चिन्ह और दूसरी ओर भारत माता का चित्र अंकित किए हुए सिक्के और डाक टिकट भारत के प्रधानमंत्री की ओर से स्मारक के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो जाने के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत मां के प्रति समर्पित है। भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का संरक्षण व संवर्धन करने, राष्ट्र निर्माण के लिए अनुशासन, देशभक्ति तथा सेवाभाव से निरंतर कार्य करते हुए यह देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से अपनी समृद्धता को विस्तार दे रहा है।

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आगामी वर्षों में यह संगठन इतना प्रभावशाली बन जाएगा। भारत माता के प्रति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस अतुलनीय और अनुकरणीय योगदान को देखते हुए दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसे विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया। राष्ट्र प्रथम विचारधारा को लेकर चलते हुए आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई आनुषंगिक संगठनों को साथ लेकर कार्य करते हुए अपने उद्देश्यों की पूर्ति में निरंतर अग्रसर है।

संघ अपनी स्थापना का सफल शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो लाजमी है कि उसके 100 वर्षों के कार्यों की एक छोटी सी झलक तो जानने की उत्सुकता तो होगी ही न। 1925 में जब संघ की स्थापना हुई, तो भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई और उसने अपना कार्य- राष्ट्र प्रथम का ध्येय लेकर भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान और भारत के विकास के लिए कार्य करना प्रारंभ किया।

> जब भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई।

गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस शिविर का दौरा किया, वहां स्वयंसेवकों के कठोर अनुशासन, सादगी से कार्यों को करते हुए देखा, छुआ-छूत की अनुपस्थिति से वे बहुत प्रभावित हुए। यह तथ्य उनके साप्ताहिक पत्र 'हरिजन' में प्रकाशित हुआ था। आजादी के समय जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो लोग विस्थापित हुए। हिंसा के दौरान कई लोगों की हत्या हुई और कई लोग घायल हुए। उन घायलों की सेवा, बिना भेदभाव शवों के अंतिम संस्कार, पीड़ितों को भोजन, चिकित्सा जैसे कार्यों को संघ के स्वयंसेवक पूरे मनोबल से कर रहे थे।

1947-48 में कबायली आक्रमण के दौरान शरणार्थियों को राहत कार्यों द्वारा मदद की गई। 1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नागर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। पुर्तगाली सैनिकों की गोलाबारी में कई स्वयंसेवकों ने प्राण न्यौछावर किए। राष्ट्र के प्रति संघ के समर्पण को देखने के लिए केआर मलकानी द्वारा लिखित पुस्तक 'द आरएसएस स्टोरी' का अध्ययन किया जा सकता है।

आपातकाल के दौरान आरएसएस के हजारों स्वयंसेवकों ने सरकारी तानाशाही का विरोध खुलकर किया। कुछ कार्यकर्ता भूमिगत रहते हुए जनता के बीच प्रेस के माध्यम से अखबारों, पत्रिकाओं और पर्चों के जरिए सूचना का प्रचार-प्रसार करते थे। 'द इकॉनॉमिक' ने लिखा था कि इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़े संगठन आरएसएस है, जो कि सदैव लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति संकल्पित है।

अगस्त 1967 में हिंदी दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित एक साक्षात्कार में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली ने बताया कि मैंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से छिपने के लिए आरएसएस के दिल्ली संघचालक लाल हंसराज गुप्ता के घर शरण ली थी, जहां उन्होंने लगभग 15 दिनों तक उन्हें गोपनीय तरीके से रखा। वहां पर लालजी ने मेरी सुरक्षा का पूरा प्रबंध कर रखा था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी को भी मेरे उनके घर पर रहने की जानकारी न मिले। स्वाधीनता संग्राम में आरएसएस के स्वयंसेवकों की भूमिका और समर्पण को लेकर माणिक चंद्र वाजपेयी और श्रीधर पराडकर ने अपनी पुस्तक 'ज्योति जला निज प्राण की' में विस्तार से चित्रण किया है।

वर्तमान में आयोजित यह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम छह सरसंघचालकों की साधना का प्रतिफल है। इसमें प्रथम सरसंघचालक एवं संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार हैं। माधव सदाशिव गोलवलकर द्वितीय सरसंघचालक हैं, जो गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उन्हें संघ के प्रबल विस्तारण के रूप में जाना जाता है। वही अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा थे। तृतीय सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रय देवरस, जिन्हें आदरपूर्वक बालासाहेब देवरस भी कहा जाता है, सेवा कार्यों का एक नवीन आयाम स्थापित किया। चतुर्थ सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया पहले ऐसे सरसंघचालक थे, जिन्होंने विदेश जाकर आरएसएस का व्यापक विस्तार किया। पंचम सरसंघचालक सीतारमैया सुदर्शन स्वदेशी के कट्टर समर्थक तथा भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति बड़े सजग व प्रबल पक्षधर थे।

छठे एवं वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत के कार्यकाल में आरएसएस शताब्दी वर्ष मना रहा है। मोहन भागवत जी समरसता और समावेशी समाज के पक्षधर हैं, जो व्यक्ति को धार्मिक पहचान से कहीं ज्यादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में देखते हैं। दिल्ली और बंगलौर के सम्मेलन में दिया गया, उनका यह कथन बहुत प्रभावशाली है कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है। इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। उनका आग्रह देश-समाज के सभी वर्गों और पंथों को साथ लेकर चलने का है।

email: nusratfahad8@gmail.com

आमने सामने

मोदी जी के चित्र फाड़ने से कोई भागीरथ नहीं बन सकता। भाजपा सिर्फ एक नेशनल पार्टी नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और इस तरह के कृत्य निंदनीय हैं। मेरे बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन मेरे भाई का इन गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है।

-डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
कृषि मंत्री, राजस्थान

डाक बंगला किसी की बपौती नहीं है। न ही हमने वहां कोई पोस्टर हटाए। डाक बंगले की चाबी कहां रखी है? इसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी। मैं खुद और दौसा सांसद डाक बंगला पहुंचे थे, लेकिन वहां ताला लगा मिला।

-डीसी बैरवा
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

ब्रिक्सः कई बाधाएं हैं पाकिस्तान-तुर्किए की राह में

दिग्विजय सिंह

कानपुर

भारत का दुश्मन पाकिस्तान और तुर्किए 11 देशों के समूह ब्रिक्स में शामिल होने को बेकरार है, लेकिन उनका यह सपना पूरा होता नहीं दिखा रहा है। ब्रिक्स में फिलहाल ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। चीन चाहता है कि भारत इन देशों के समूह में शामिल होने की सहमति दे, लेकिन उसकी यह चाहत पूरी नहीं होगी, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा। ब्रिक्स में किसी देश को तभी सदस्यता मिलती है, जब सभी देशों की सहमति हो। तुर्किए आमंत्रित सदस्य तो है, लेकिन पाकिस्तान को यह दर्जा भी नहीं मिला है। भारत शुरू से ही इन देशों की सदस्यता का विरोध करता आया है। भारत पहली जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

तुर्किए नाटो व यूरोपीय संघ पर अपनी निर्भरता को घटाना चाहता है। उसने यूरोपीय संघ में शामिल होने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसे इसमें भी सफलता नहीं मिली। नाटो देशों के साथ भी उसके संबंध अच्छे नहीं हैं। नाटो के साथ तनावपूर्ण संबंधों और यूरोपीय संघ में शामिल होने की इच्छा की पूर्ति न होने की वजह से ही वह ब्रिक्स का सदस्य बनना चाहता है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी नहीं चाहते कि तुर्किए को इस ग्रुप की सदस्यता मिले। इन देशों के भारत में समर्थन की वजह से भी चीन परेशान है।

भारत, तुर्किए की हर कदम पर मदद करता रहा है। प्राकृतिक आपदाओं के समय सर्वाधिक मदद भारत की तरफ से ही की जाती रही है, लेकिन जब भी मौका आया तुर्किए भारत के विरोध में खड़ा हुआ। कश्मीर के मुद्दे पर तो संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई मंच हर जगह उसने पाकिस्तान का पक्ष लिया। उसने न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया, बल्कि उसे हथियार भी मुहैया कराया। ऑपरेशन सिंदूर की निंदा करने वाले देशों में तुर्किए आगे था। अब तो वह बांग्लादेश में भी भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगा है। वहां पर आईएसआई की उपस्थिति कराने में अहम भूमिका निभाई है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की बीच सुलह का सूत्रधार भी तुर्किए के राष्ट्रपति को ही माना जाता है। यही वजह है कि भारत तुर्किए की राह में दीवार बनकर खड़ा है। इससे पहले भी भारत के विरोध के कारण तुर्किए को सदस्यता नहीं मिली थी। रही बात पाकिस्तान की तो भारत के रहते पाकिस्तान इस समूह का सदस्य कभी नहीं बन पाएगा। पाकिस्तान ने इसके लिए चीन की शरण ली है, पर चीन कुछ नहीं कर सकता। भारत के हाथ ब्रिक्स की अध्यक्षता आने से पाकिस्तान और तुर्किए तो परेशान हैं हीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के माथे पर भी बल आ गया है, क्योंकि भारत को अध्यक्षता उस समय मिल रही है, जब ट्रंप की अपरिपक्व व कठोर नीतियों के कारण भारत, चीन और रूस एक साथ आ गए हैं।

ब्राजील भी इन देशों के साथ मजबूती से खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ हथियार की धार कमजोर करने में ब्राजील ने अहम भूमिका निभाई है। ट्रंप को डर है कि कहीं ब्रिक्स देश डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्रा न लांच कर दें। अगर मुद्रा लांच होगी, तो इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बड़ी और करारी चोट होगी, हालांकि ब्रिक्स देशों ने नई मुद्रा लांच करने का कोई संकेत तो नहीं दिया है, लेकिन यह तय है कि समूह के सदस्य देश सौ प्रतिशत कारोबार डालर के बजाय खुद की मुद्रा में करने को राजी हैं। यह भी अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं होगा।

ब्रिक्स में शामिल देश कृषि क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने में जुटे हैं। खाद्य सुरक्षा को वैश्विक दक्षिण के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दे रहे हैं। कृषि व्यापार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-अनुकूल खेती और मूल्य श्रृंखला विकास में साझेदारी का विस्तार कर रहे हैं। ये कवायद अमेरिका को चुभ रही है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार इन देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, हालांकि उनकी धमकी से 11 देशों वाले ब्रिक्स समूह को कोई फर्क पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

अगस्त में ही भारत ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। भारत द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र के तहत ब्रिक्स देशों को वह अपना 100% व्यापार भारतीय रुपये में करेगा। यह फैसला अमेरिका के लिए झटका था। बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और बांग्लादेश भी चाहते हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता मिले। भारत ने बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब की सदस्यता का विरोध नहीं किया है। अन्य देश भी इन देशों की सदस्यता को लेकर कोई विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसे में यह उम्मीद है कि पाकिस्तान और तुर्किए को छोड़ अन्य देशों को सदस्यता मिल सकती है।

> आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा।

प्रसंगवश

दुनियाभर में नव वर्ष के हैं अनोखे रंग

दुनिया भर के देशों में नया वर्ष मनाने की प्रथाएं एवं परंपराएं हैं। कई काफी अनोखी हैं। प्राचीन रोम में नये वर्ष के अवसर पर भेंट देने की परंपरा थी। रोम के एक बादशाह ने तो भेंट देने के लिए मात्र नववर्ष का अवसर ही नियत किया था। इसके अतिरिक्त अन्य अवसरों पर भेंट दिया जाना निषिद्ध था। स्काटलैंड में नये वर्ष के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की रात में 12 बजे से पूर्व ही युवक अपने-अपने घरों से निकलकर अपने-अपने मित्रों के घर जाते हैं। सभी लोग अपने साथ मक्खन, डबल रोटी, टाफियां, केक एवं चाय आदि का सामान भी लाते हैं। 12 बजे रात्रि के बाद जो अतिथि सबसे पहले घर में प्रवेश करता है, उसका स्वागत अत्यंत धूम-धाम तथा हर्ष के साथ किया जाता है। समाज में ऐसी मान्यता है कि नये वर्ष में प्रवेश करने वाला प्रत्येक अतिथि अपने साथ सुख-सम्द्धि एवं सौभाग्य लेकर आता है। अतिथि अपने साथ लाये हुए नाश्ते के सामान को परिवार के प्रत्येक सदस्यों में बांटता है।

अंजु अग्निहोत्री

लेखिका

दक्षिणी अफ्रीका में नया वर्ष राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे क्यू क्वेचवाना कहा जाता है। क्यू क्वेचबाना से तात्पर्य है, ज्वार की फसल तैयार होने के उपलक्ष्य में भगवान को धन्यवाद देने का उत्सव। इसी दिन यहां का राजा अपनी सेनाओं का निरीक्षण भी करता है एवं वीरता प्राप्त सैनिकों को विवाह करने की अनुमति भी प्रदान की जाती है। इस दिन सामूहिक रूप से विवाह का भी आयोजन होता है। बर्मा में नये वर्ष की दिन तिजांन नामक पर्व मनाया जाता है जो नये वर्ष का स्वागत पर्व है। इस दिन जलक्रीड़ा का विशेष आयोजन होता है, जिसमें एक-दूसरे पर पानी फेंका जाता है। तिजांन के दिन प्रातः काल ही भगवान बुद्ध की मूर्तियों को स्वच्छ सुगंधित जल में नहला कर उसकी पूजा की जाती है।

ईरान में नया वर्ष अत्यंत ही हर्षपूर्ण वातावरण में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाया जाता है। ईरान में नये वर्ष के उत्सव को नौरोज कहा जाता है। नौरोज से 15 दिन पहले ही घर में किसी स्थान पर गेहूं अथवा जौ बो दिया जाता है। नौरोज का दिन आते-आते यह अंकुरित हो जाता है। नौरोज के दिन परिवार के सभी लोग किसी मेज के चारों तरफ बैठ जाते हैं तथा मेज के ऊपर शीशा, अंडा एवं मोमबत्ती रख दिया जाता है। इसके साथ ही एक प्याले में स्वच्छ एवं पवित्र जल के साथ रोटी एवं पवित्र ग्रंथ भी रख दिया जाता है। पानी से युक्त प्याले में गेहूं या जौ के अंकुर को डाल दिया जाता है। बाली द्वीप में नये वर्ष के प्रथम दिन का गालुंगन के दिन सभी लोग मित्रों एवं रिश्तेदारों को उपहार देते हैं तथा उनसे मिलने के लिए दूर दराज गांवों तक भी चले जाते हैं। गालुगंन दिवस के एक सप्ताह बाद तक यह उल्लासमय वातावरण चलता रहता है। एवं सभी काम-धंधे बंद रहते हैं।

जापान में वर्ष के प्रथम दिन नव वर्षोत्सव मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक घरों की विशेष सजावट की जाती है तथा घर के दरवाजे पर हरे बांस के टुकड़े एवं चीड़ वृक्ष की शाखाएं रखी जाती हैं। इनके समाज में बांस सच्चरित्रता तथा दृढ़ता और चीड़ के साथ-साथ गोहेई अर्थात् कागज के तिकोने टुकड़े भी लटकाये जाते हैं। नव वर्ष के दिन प्रातः नदी तालाब या कुंआ से जल लाया जाता है, जिसे नवजात जल कहा जाता है। जापानियों में ऐसी मान्यता है कि इस जल को पीने से आयु में वृद्धि होती है। इस दिन चावल से बने विशेष भोज्य पदार्थ मोर्चा एवं कमल की जड़ खाने की भी प्रथा है। अगर किसी जापानी के ऊपर कर्ज रहता है, तो वह इस दिन निश्चित ही चुकाने का प्रयास करता है।

सोशल फोरम

फिनलैंड की पूर्व राष्ट्रपति क्यों बनीं 'बेघर'

कलम रंगदार

ब्लॉगर

वह न तो कोई भिखारिन हैं और न ही कोई ऐसी शरणार्थी, जिसकी ज़िंदगी पूरी तरह बिखर चुकी हो। वह तार्या हालोनेन हैं- फिनलैंड की राष्ट्रपति, जिन्होंने 2000 से 2012 तक देश का नेतृत्व किया।

उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान फिनलैंड दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में शामिल हो गया। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के मामले में। फ़िनिश कंपनियां भी खूब फली-फूलीं। नोकिया, वार्त्सिला और सून्टो जैसे बड़े नाम लगातार सफल होते रहे। सिर्फ़ 55 लाख की आबादी और कड़ाके की ठंड के बावजूद, फिनलैंड मज़बूती से आगे बढ़ता रहा।

इस तस्वीर में पूर्व राष्ट्रपति सेकेंड-हैंड कपड़े पहने हुए हैं और सड़क पर घंटों बैठी दिखाई देती हैं। बिलकुल किसी बेघर इंसान की तरह। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे खुद उस पीड़ा को महसूस कर सकें और दूसरों को भी गरीबों और शरणार्थियों की ज़िंदगी की कठिनाइयों को समझा सकें।

उन्होंने कहा, "मैं भी एक भिखारिन या शरणार्थी हो सकती थी, लेकिन किस्मत ने मुझे राष्ट्रपति बना दिया। यही वजह है कि जो लोग उतने खुशकिस्मत नहीं हो पाए, उनके लिए मेरे दिल में गहरी संवेदना है।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

चार साल में सड़क ने लील लीं 7.77 लाख जिंदगी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में सड़क हादसों को लेकर जो कहा, वह केवल एक मंत्री का बयान नहीं था, बल्कि भावुक, विचलित और एक बेचैन इंसान की स्वीकारोक्ति भी थी कि सड़क हादसे ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसे हम ठीक से रोक नहीं पा रहे हैं। गडकरी का यह कहना कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। इस मामले में केवल सरकार की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक विफलता को प्रकट करती है।

सड़क हादसों के आंकड़े डराते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपी मानवीय कहानियां उनसे भी ज्यादा डराती हैं। गडकरी ने जो जानकारी संसद में दी है, उसके अनुसार देश में हर साल लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं होती हैं और इनमें 1.8 लाख से ज्यादा लोग मारे जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन लगभग 485 लोग घर से निकलते हैं और फिर कभी लौटकर नहीं आते। कोई पिता ऑफिस जाते हुए मर जाता है। कोई बेटा कॉलेज जाते वक्त दम तोड़ देता है, तो कोई मां सब्जी लेने सड़क पार करते हुए दुनिया को अलविदा कह जाती है। सड़क पर होने वाली हर मौत के साथ एक परिवार टूट जाता है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2018 से 2022 के बीच सड़क हादसों में 7.77 लाख से अधिक लोगों की जान जाना केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह 7.77 लाख अधूरे सपने और ऐसा दुःख है जो अक्सर चुपचाप सह लिया जाता है। वर्ष 2024 में हादसों की संख्या बढ़कर लगभग 1.80 लाख तक पहुंच जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या इस दर्द का कोई अंत नहीं है। सबसे पीड़ादायक सच यह है कि मरने वालों में सबसे बड़ी संख्या युवाओं की है। 18 से 34 वर्ष की उम्र में जब कोई अपने जीवन की दिशा तय कर रहा होता है और जब परिवार उससे उम्मीदें लगाए बैठा होता है, तब उसकी मौत का मतलब केवल एक व्यक्ति का मर जाना नहीं होता। सड़क हादसा सिर्फ उस एक व्यक्ति को नहीं मारता, वह पूरे परिवार का भविष्य छीन लेता है।

हम अक्सर हादसों के लिए तेज रफ्तार, लापरवाही, नशा आदि कारणों से ड्राइवर को दोष देते हैं। सही है हादसों के ये कारण भी हैं, लेकिन खराब सड़क डिजाइन, बिना संकेतक के बने कट, अंधे मोड़, अधूरी सर्विस लेन, कमजोर ट्रैफिक व्यवस्था भी हादसों के जिम्मेदार हैं। सिर्फ ड्राइवरों को दोष देने से सड़क हादसे नहीं रुकेंगे। जैसा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा है, सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण अब भी लोगों की लापरवाही है। कई लोग आज भी हेलमेट पहनने से बचते हैं या फिर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, जबकि भारी जुर्माने का प्रावधान है। जब तक लोगों को सही ट्रेनिंग और जागरूकता नहीं मिलेगी, तब तक ये समस्या बनी रहेगी। हादसे रोकने के लिए हर कारण को दूर करने पर विचार करना होगा। हादसे के बाद मदद का समय पर नहीं पहुंचना भी हताहतों की तादाद बढ़ने का कारण है।। अगर सही समय पर इलाज मिल जाए तो कई जानें बच सकती हैं।

कई बार एंबुलेंस देर से पहुंचती है। लोग मदद करने से डरते हैं। अस्पतालों में व्यवस्था नहीं होती। कई लोग सड़क पर नहीं, बल्कि इलाज न मिलने से मर जाते हैं। हादसे रोकना केवल सरकार की नहीं, समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोग सीट बेल्ट नहीं लगाते। हेलमेट को बोझ समझते हैं। रेड लाइट तोड़ना सामान्य बात मानते हैं। जब तक सड़क सुरक्षा को हम अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह काम नहीं कर सकती। सड़क हादसे रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करना होगा। हर किसी को इसमें योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

जौनपुर का शाही किला

ऐतिहासिक धरोहर, वास्तुकला की झलक

जौनपुर का शाही किला शहर से करीब दो किलोमीटर दूर गोमती नदी के किनारे शाही पुल के पास स्थित है। इस ऐतिहासिक किले का निर्माण फिरोज शाह तुगलक ने वर्ष 1362 में कराया था। यह वह समय था जब तुगलक वंश ने जौनपुर को एक मजबूत सैन्य व प्रशासनिक केंद्र का दर्जा दिया था। यह किला अपनी भव्यता और स्थापत्य कला के लिए मशहूर है। मुख्य द्वार के पास शौर्य का प्रतीक विजय स्तंभ, विशाल द्वार और मेहराब देखने लायक हैं। किले से गोमती नदी का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। जौनपुर की विरासत को दर्शाने के साथ शाही किला इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

शाही किला अपनी मजबूत दीवारों, ऊंचे दरवाजों और सुरक्षा की दृष्टि से तैयार की गई गहरी खाई के लिए जाना जाता है। किले का मुख्य द्वार काफी बड़ा और नक्काशीदार है। प्रवेश द्वार की ऊंचाई 36 फुट है, इसके उपर एक विशाल गुंबद बना है। किले के भीतर का गेट 26.5 फुट ऊंचा और 16 फुट चौड़ा है। कभी किले के भीतर कई महल, बावड़ियां और खूबसूरत इमारतें थीं, लेकिन वर्तमान में कुछ ज्यादा नहीं बचा है। किले के भीतर एक मस्जिद और एक तुर्की हम्माम ही केवल दो प्रमुख संरचनाएं बची हैं। परिसर में एक दरगाह के साथ एक गेट जैसी संरचना भी है। हम्माम पर बने ऊंचे,नीचे गुंबद बहुत सुंदर ढंग से बनाए गए हैं। वर्तमान में किला एक संरक्षित इमारत है।

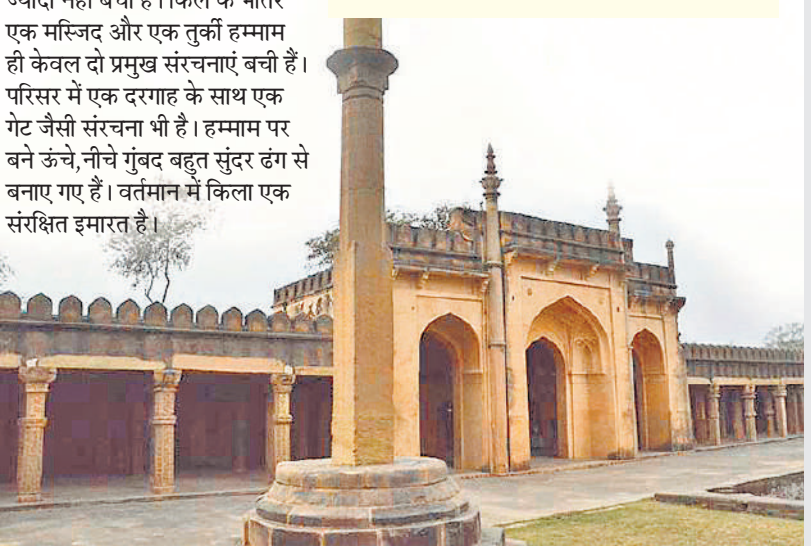

राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का प्रयोग

शाही किला को कन्नौज के राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का उपयोग करके बनाया गया था। इस किले को अनेक शासकों द्वारा कई बार नष्ट किया गया। मुगल साम्राज्य के शासन के दौरान किले का व्यापक जीर्णोद्धार और मरम्मत की गई। इसकी वजह किले का सामरिक रूप में महत्वपूर्ण होना था। बाद में यह किला अवध के नवाबों के अधीन रहा, लेकिन ब्रिटिश शासन के समय इसकी स्थिति कमजोर होती गई।

पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज

पूर्व में इसे केरार कोट किला कहते थे। किले का लेआउट पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज है। दीवारें उभरी हुई मिट्टी की दीवारों से घिरी हुई है। हालांकि मूल संरचनाओं के अधिकांश अवशेष खंडहर हालत में हैं या दफन हो चुके हैं। मुख्य द्वार पूर्व की ओर है। सबसे बड़ा आंतरिक द्वार 14 मीटर ऊंचा है। इसकी बाहरी सतह अशलर पत्थर से बनी है।

बाहरी दीवारों पर सजावटी आले, मेहराबों के बीच नीले-पीले पत्थर

16 वीं शताब्दी में जौनपुर के गवर्नर मिनम खान के संरक्षण में मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान एक और बाहरी द्वार स्थापित किया गया था। इसे एक बगल की बुर्ज के आकार में डिजाइन किया गया है। बाहरी द्वार के मेहराबों के बीच के स्पैन्ड्रेल या रिक्त स्थान को नीले और पीले रंग के पत्थरों से सजाया गया था। बाहरी द्वार की दीवारों में सजावटी आले बनाए गए हैं। किले की संरचना में स्थापित गुंबदों के शीर्ष पर खुलने के कारण प्रकाश अंदर आता है।

तुर्की शैली का हम्माम, मस्जिद निर्माण में हिंदू और बौद्ध शिल्प

किले के भीतर आदर्श तुर्की शैली का एक स्नानघर है, जिसे आमतौर पर हम्माम या भूलभुलैया के नाम से जाना जाता है। हम्माम आंशिक रूप से भूमिगत बना हुआ है, जिसमें इनलेट और आउटलेट चैनल, गर्म और ठंडा पानी और इसी तरह की अन्य सुविधाएं हैं। भीतर एक मस्जिद भी है। इब्राहिम बरबक द्वारा बनवाई गई इस मस्जिद के निर्माण में हिंदू एवं बौद्ध शिल्प कला की छाप साफ दिखाई पड़ती है। इसे जौनपुर शहर की सबसे पुरानी इमारत गिना जाता है। इसके बगल में 12 मीटर ऊंचा पत्थर का स्तंभ है, जिस पर एक फारसी शिलालेख खुदा हुआ है, जो मस्जिद के निर्माण की कहानी बताता है। मस्जिद में तिहरे मेहराब हैं और इसके ऊपर तीन निचले केंद्रीय गुंबद हैं।

रंग-तरंग

खामोश पत्थरों में उतरता संगीत

इतिहास की किताबों में दर्ज कई इमारतें समय के साथ खामोश हो जाती हैं, लेकिन हैदराबाद के सिकंदराबाद स्थित 300 साल पुरानी बंसीलालपेट बावड़ी आज फिर से सांस ले रही है। कभी उपेक्षित और गुमनामी में डूबी यह ऐतिहासिक जल संरचना अब संगीत और कला के जरिए शहर की एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। 'टैंगी सेशंस' नामक समूह की पहल ने इस बावड़ी को हर वीकेंड एक अनोखे सांस्कृतिक मंच में बदल दिया है। आम दिनों में शांत रहने वाली नक्काशीदार पत्थर की सीढ़ियां शनिवार और रविवार की शाम रोशनी से जगमगा उठती है। शाम 5:45 से रात 8 बजे तक ढलते सूरज की सुनहरी किरणें, बावड़ी की गहराई से आती ठंडी हवा और पानी में पड़ती रोशनी का

प्रतिबिंब मिलकर एक जादुई माहौल रचते हैं। दीवारों से टकराती संगीत की लहरें दर्शकों को इतिहास और वर्तमान के बीच एक रूहानी यात्रा पर ले जाती हैं। टैंगी सेशंस के संस्थापक अर्जुन का मानना है कि विरासत को सहेजने के लिए केवल ढांचे का संरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जीवंत बनाए रखना जरूरी है। उनके अनुसार, जब लोग बार-बार ऐसे स्थलों पर सांस्कृतिक अनुभव के लिए आते हैं, तो वे केवल दर्शक नहीं रहते, बल्कि उस विरासत के संरक्षक बन जाते हैं। यह पहल दर्शाती है कि कला और संगीत पुराने स्मारकों को नई पीढ़ी से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। बंसीलालपेट बावड़ी आज सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि हैदराबाद की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन चुकी है।

यहां होने वाले कार्यक्रमों की सूची काफी विविधतापूर्ण है। इसमें लोक संगीत, सूफी गायन, कविता पाठ, मुशायरे, थिएटर और आधुनिक रैप सेशंस भी शामिल होते हैं। आयोजक ध्वनि के स्तर (Acoustics) का विशेष ध्यान रखते हैं ताकि संगीत बावड़ी की गरिमा और शांति के साथ मेल खाए। अब तक यहां सूफी गायकों से लेकर वायलिन वादक अभिजीत गुरजले जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राहत इंदोरी और संजीता भट्टाचार्य जैसे नामचीन सितारे भी यहां शिरकत कर चुके हैं।

आर्ट गैलरी

क्लाउड मोनेट की 'Bridge over a Pond of Water Lilies'

'वॉटर लिली के तालाब पर पुल' क्लाउड मोनेट की 1899 की मशहूर इंप्रेशनिस्ट ऑयल पेंटिंग है। इसमें फ्रांस के गिवर्नी में उनके वॉटर लिली गार्डन के ऊपर बनाया गया जापानी-स्टाइल का लकड़ी का पैदल पुल दिखाया गया है। इसमें चमकीले हरे, नीले और गुलाबी रंगों को एक्सप्रेसिव ब्रशस्ट्रोक के साथ इस्तेमाल किया गया है। यह पेंटिंग न्यूयार्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कलेक्शन का हिस्सा है।

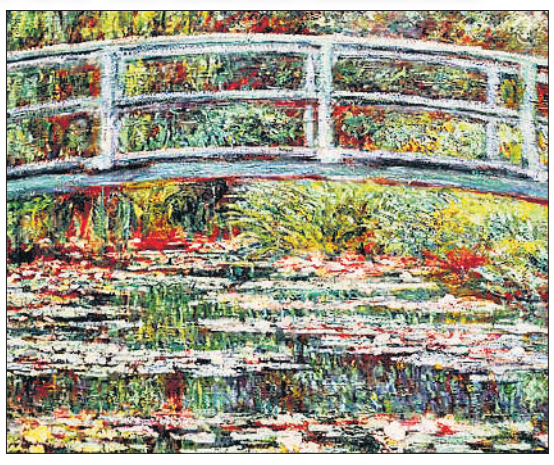

क्लाउड मोनेट के बारे में

ऑस्कर-क्लाउड मोनेट फ्रांसीसी चित्रकार थे। वह फ्रेंच इंप्रेशनिस्ट पेंटिंग के संस्थापक भी रहे। उनके पिता एडोल्फ मोनेट किराना व्यापारी थे। सबसे बड़े बेटे क्लाउड जब पांच बरस के थे, तो परिवार नॉर्मंडी तट पर ले हावरे के पास चला गया। उनका ज्यादातर समय समुद्र तटों पर बीता। यहीं से प्रकृति के प्रति उनकी नई सोच का जन्म हुआ। 15 साल की उम्र तक, मोनेट ने ले हावरे के कई स्थानीय लोगों के चारकोल कैरिकेचर बनाकर अपना नाम कमा लिया था। ये चित्र, जिन्हें वह 10-20 फ्रैंक में बेचते थे, उन पर 'ओ. मोनेट' के सिग्नेचर थे। वह इंप्रेशनिस्ट दर्शन के सबसे सुसंगत कलाकार थे। खासकर खुले आसमान के नीचे लैंडस्केप पेंटिंग के मामले में। 'इंप्रेशनिज्म' शब्द उनकी पेंटिंग इंप्रेशन, (इंप्रेशन, सनराइज) के शीर्षक से लिया गया है, जिसे 1874 में मोनेट और उनके सहयोगियों द्वारा सैलून डी पेरिस के विकल्प के रूप में आयोजित पहली स्वतंत्र प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया था। 1883 से, मोनेट गिवर्नी में रहते थे, जहां उन्होंने एक घर और प्रॉपर्टी खरीदी और एक बड़ा लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट शुरू किया, जिसमें लिली के तालाब शामिल थे, जो उनके सबसे मशहूर कामों का विषय बने। उन्होंने 1899 में वॉटर लिलीज की पेंटिंग बनाना शुरू किया, पहले जापानी पुल को मेन सब्जेक्ट बनाकर वर्टिकल व्यू में और बाद में बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स की सीरीज में, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अगले 20 साल लगातार व्यस्त रहे। मोनेट का निधन 5 दिसंबर, 1926 को 86 साल की उम्र में फेफड़ों की बीमारी से हुआ। उनकी इच्छा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार छोटा और सादा रहा।

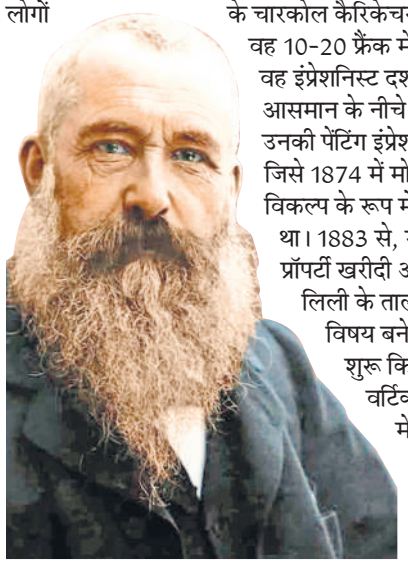

परंपराएं दुनिया की

रोमानिया की अनोखी परंपरा

नए साल का जश्न दुनियाभर में अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है। कहीं केक काटे जाते हैं, कहीं आतिशबाजी होती है, तो कहीं संगीत और नृत्य के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है, लेकिन रोमानिया में नए साल का जश्न एक बिल्कुल अलग और अनोखी परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए।

यहां लोग नए साल के अवसर पर भालुओं जैसी भारी-भरकम पोशाकें पहनकर सड़कों पर उतरते हैं और पारंपरिक नृत्य करते हैं। इस परंपरा को 'डांस ऑफ द बेयर' कहा जाता है, जो सदियों पुरानी लोक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि भालू शक्ति, साहस और संरक्षण का प्रतीक होता है। भालू का यह नृत्य बुरी आत्माओं को दूर भगाने और आने वाले साल के लिए धरती को उपजाऊ व समृद्ध बनाने में सहायक माना जाता है। नृत्य के दौरान ढोल-नगाड़ों की तेज धुनें, रंग-बिरंगी वेशभूषा और सामूहिक उत्साह पूरे माहौल को जीवंत बना देते हैं। यह परंपरा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि रोमानिया की सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की गहराई को भी दर्शाती है।

फड़ चित्रकला: लोकआस्था की जीवंत परंपरा

फड़ चित्रकला राजस्थान की एक दुर्लभ और ऐतिहासिक लोककला है, जिसकी परंपरा लगभग 700 वर्षों से एक ही वंश में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इसकी उत्पत्ति राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के पास स्थित शाहपुरा क्षेत्र में मानी जाती है। फड़ वस्तुत: एक विशाल स्क्रॉल पेंटिंग होती है, जिसमें स्थानीय देवी-देवताओं और लोकनायकों की विस्तृत धार्मिक कथाएं चित्रित की जाती हैं। इन चित्रों को चलती-फिरती या 'मोबाइल मंदिर' के रूप में देखा जाता था। रबारी जनजाति के पुजारी-गायक, जिन्हें भोपा और भोपी कहा जाता है, इन्हें अपने साथ गांव-गांव ले जाते थे।

लोकायन

रबारी जनजाति देवनारायणजी (विष्णु के अवतार) और लोकनायक पाबूजी की वीर गाथाओं को गायन और कथा-प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत करते थे। सूर्यास्त के बाद फड़ को खोला जाता था और यह प्रस्तुति पूरी रात चलती रहती थी। स्थानीय बोली में 'फड़' का अर्थ 'मोड़ना' होता है, जो इस कला के स्वरूप को भी दर्शाता है। फड़ चित्रकला अत्यंत श्रमसाध्य और अनुशासनबद्ध प्रक्रिया से बनती है। इसे हाथ से बुने मोटे सूती कपड़े पर बनाया जाता है, जिसे पहले रातभर भिगोया जाता है ताकि धागे मजबूत हो सकें। इसके बाद चावल या गेहूं के आटे से बने स्टार्च से कपड़े को कड़ा किया जाता है, धूप में सुखाया जाता है और मूनस्टोन से रगड़कर सतह को चिकना व चमकदार बनाया जाता है।

इस कला की एक विशेषता इसका पूर्णतः प्राकृतिक होना है। रंग पत्थरों, फूलों, पौधों और जड़ी-बूटियों से तैयार किए जाते हैं। कलाकार इन्हें स्वयं बनाते हैं और गोंद व पानी के साथ मिलाकर कपड़े पर प्रयोग करते हैं। फड़ चित्रकला में पीला, नारंगी, हरा, भूरा, लाल, नीला और काला रंग प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। प्रत्येक रंग का प्रतीकात्मक उपयोग होता है- पीला प्रारंभिक रेखांकन और आभूषणों के लिए, नारंगी शरीर के अंगों के लिए, हरा वनस्पति के लिए, भूरा वास्तु संरचनाओं के लिए, लाल शाही वस्त्रों और सीमाओं के लिए, नीला जल व पर्दों के लिए, जबकि काला रंग अंत में रूपरेखा उभारने के लिए प्रयोग किया जाता है। इतनी सख्त पारंपरिक सीमाओं के कारण यह कला एक समय लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। ऐसे में प्रसिद्ध फड़ चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री लाल जी जोशी ने 1960 में भीलवाड़ा में जोशी कला कुंज की स्थापना कर इस परंपरा को नया जीवन दिया। उन्होंने पहली बार परिवार के बाहर के कलाकारों को भी फड़ कला सिखाने का साहसिक कदम उठाया। उनके पुत्र गोपाल और कल्याण जोशी के नेतृत्व में यह प्रयास और विस्तृत हुआ और 1990 में इस संस्थान का नाम चित्रशाला रखा गया। आज तक चित्रशाला में 3,000 से अधिक कलाकार प्रशिक्षित हो चुके हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल कला को जीवित रखना नहीं, बल्कि उसकी पारंपरिक तकनीकों और प्राकृतिक रंगों की जटिल प्रक्रियाओं को भी संरक्षित करना रहा है। फड़ चित्रकला केवल दृश्य सौंदर्य की कला नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोककथाओं, आस्था और सांस्कृतिक स्मृति का जीवंत दस्तावेज है। आधुनिक समय में ऐसी कलात्मक विरासतों को बढ़ावा देना आवश्यक है, क्योंकि यही भारत की लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक चेतना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,675.08	25,938.85
गिरावट	20.46	3.25
प्रतिशत में	0.02	0.01

सोना 1,39,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

ब्लिंकिट के सीएफओ विपिन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। इटर्नल के स्वामित्व वाली त्वरित वाणिज्य कंपनी ब्लिंकट के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) विपिन कपूरिया ने इस्तीफा दे दिया है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बताया कि कपूरिया ब्लिंकट से अलग हो गए हैं। हालांकि, इस संबंध में ब्लिंकट या उसकी मूल कंपनी इटर्नल की ओर से कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया। कपूरिया फ्लिपकार्ट के पूर्व कार्यकारी रह चुके हैं और एक साल पहले की ब्लिंकट के साथ जुड़े थे। कपूरिया ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है जब भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है और कंपनी की प्रतिद्वंद्वी जेप्टो ने आईपीओ के माध्यम से 11,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं।

एअर इंडिया : प्लेटिनम व गोल्ड किट में बदलाव

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया ने नए साल के मौके पर अपने गोल्ड और प्लेटिनम किटों में बदलाव की घोषणा की है। जो यात्री गोल्ड और प्लेटिनम स्टेटस के लिए योग्यता हासिल करते हैं, उन्हें यात्रा के दौरान ये किट प्रदान किए जाते हैं। महाराजा क्लब प्लेटिनम वेलकम किट में एक लेदर फोलियो, सदस्यता कार्ड, फ्रिज मैगनेट, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग, पासपोर्ट होल्डर, विशेष ताश के पत्ते और स्मारक पीतल का मेडल प्रदान किया जाएगा। महाराजा क्लब गोल्ड वेल्कम किट में सदस्यता कार्ड, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग और एक्रिलिक टी कोस्टर होगा।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 23.25 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.75 रुपये का बोला गया। इससे पहले लगातार तीन दिन भारतीय मुद्रा कमजोर हुई थी। सोमवार को यह आठ पैसे टूटकर 89.9825 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया मंगलवार को 89.98 रुपये प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर खुला और इसके बाद लगातार मजबूत हुआ। यह ऊपर 89.73 रुपये प्रति डॉलर तक गया और अंत में 89.75 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बैंकों की डॉलर बिकवाली से रुपया मजबूत हुआ है।

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों और सोशल मीडिया कंपनियों को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी चेतावनी में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों को याद दिलाया जाता है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी

अधिनियम की धारा 79 के तहत वैधानिक रूप से बाध्य हैं कि वे अपने मंचों पर या उनके माध्यम से अपलोड, प्रकाशित, होस्ट, साझा या प्रसारित की गई तृतीय-पक्ष की जानकारी के संबंध में दायित्व से छूट प्राप्त करने की शर्त के रूप में उचित सावधानी बरतें। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है कि जब इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह पाया कि सोशल मीडिया मंच अश्लील, भद्दी, अनुचित और गैरकानूनी सामग्री पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। केंद्र ने दोहराया है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और/या सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर मध्यस्थों, मंचों तथा उनके उपयोगकर्ताओं के खिलाफ आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू आपराधिक कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के उन प्रावधानों की भी याद दिलाई है जिनके तहत ऑनलाइन मंचों को यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित प्रयास करने होते हैं कि उनके कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करने वाले लोग ऐसी कोई जानकारी होस्ट, प्रदर्शित, अपलोड, संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहित, अद्यतन या साझा न करें जो अश्लील (पोर्नोग्राफिक), बाल यौन शोषण से जुड़ी (पीडोफिलिक), बच्चों के लिए हानिकारक या अन्यथा गैरकानूनी हो। मंत्रालय ने कहा कि उसके संज्ञान में यह आया है कि मध्यस्थों द्वारा उचित परिश्रम संबंधी दायित्वों के पालन में अधिक निरंतरता एवं सख्ती की आवश्यकता है।

तय समय के भीतर हटाएं गैरकानूनी सामग्री

आईटी मंत्रालय ने मध्यस्थों से कहा कि वे अदालत के आदेश या उपयुक्त सरकार या उसकी अधिकृत एजेंसी से प्राप्त सूचना पर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। यह कार्रवाई आईटी नियम, 2021 में निर्धारित समयसीमा के भीतर सख्ती से की जाए। आईटी नियम, 2021 के तहत अनिवार्य है कि यदि किसी व्यक्ति की ओर से शिकायत की जाती है और सामग्री प्रथमदृष्टया किसी को यौन कृत्य या आचरण में दर्शाती है या उसका प्रतिरूपण है तो मध्यस्थ 24 घंटे के भीतर ऐसी सामग्री को हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। ऑनलाइन मंचों से अपने आंतरिक अनुपालन ढांचे, सामग्री नियंत्रण प्रक्रियाओं और उपयोगकर्ता प्रवर्तन तंत्र की तत्काल समीक्षा करने तथा आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का सख्त पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 20.46 अंक (0.02%) गिरकर 84,675.08 अंक पर बंद हुआ। यह ऊपर 84,806.99 अंक और नीचे 84,470.94 अंक तक गया। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत टूटकर 25,938.85 अंक पर आ गया। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 फीसदी नीचे बंद हुआ। धातु, बैंकिंग और ऑटो सेक्टरों में लिवाली की जोर रहा। वहीं, रियलिटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलिटी, आईटी, रसायन और स्वास्थ्य समूहों में बिकवाली हावी रही।

भारत से रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, 2022 के बाद सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था, दिसंबर में रह गया 12 लाख

दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं की ओर इशारा करती है।

ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ।

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई और आयात 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन है और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

वित्तीय विवरण, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए एक महीना और मिला

नई दिल्ली। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। यह विस्तार कंपनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली थी।

मंत्रालय ने यह फैसला विभिन्न हितधारकों से मिले आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया है। कई कंपनियों और पेशेवरों ने फाइलिंग प्रणाली से जुड़ी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं की ओर मंत्रालय का ध्यान दिलाया था। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा, हितधारकों से मिले

- कंपनियां अब 31 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगी अपना वार्षिक रिटर्न

आवेदनों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी वार्षिक फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पूरी करने की अनुमति दी जाए। परिपत्र के अनुसार, अतिरिक्त शुल्क के बगैर दाखिल किए जा सकने वाले ई-फॉर्म में एमजीटी-7, एमजीटी-7ए, एओसी-4, एओसी-4 सीएफएस, एओसी-4 एनबीएफसी (इंड एएस), एओसी-4 सीएफएस एनबीएफसी (इंड एएस) और एओसी-4 (एक्सबीआरएल) शामिल हैं।

रिलायंस के लिए कार्यबल में दस गुना उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रिलायंस एआई घोषणा पत्र का मसौदा पेश किया। इसमें समूह को एआई आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी उद्यम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। साथ ही छह लाख से अधिक कर्मचारियों की उत्पादकता में दस गुना सुधार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था पर 10 गुना प्रभाव डालने का लक्ष्य रखा गया है।

एआई को मानव इतिहास का सबसे प्रभावशाली तकनीकी विकास बताते हुए अंबानी ने कहा कि उनका समूह भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व करना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने डिजिटल रूपांतरण का किया था। समूह का संकल्प हर भारतीय के लिए आसानी से एआई उपलब्ध कराना है, जिसमें सुरक्षा, भरोसा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए सभी व्यवसायों में एआई को गहराई से समाहित किया जाएगा।

पाइपलाइन शुल्क ढांचे में सुधार के बाद सीएनजी-पीएनजी कीमतें घटनी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की तरफ से पाइपलाइन शुल्क ढांचे में किए गए सुधार का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने लगा है। शहरी गैस वितरक कंपनियों ने सीएनजी और घरों तक पाइप से पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में कटौती शुरू कर दी है।

पीएनजीआरबी ने 16 दिसंबर को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए एक युक्तिसंगत और एकीकृत शुल्क ढांचे की घोषणा की थी। यह नया ढांचा एक जनवरी, 2026 से लागू होने वाला है। इस फैसले के बाद थिंक गैस कंपनी ने कई राज्यों में गैस कीमतें घटाने की घोषणा कर दी

- आने वाले दिनों में कई शहरी गैस कंपनियां घटा सकती हैं कीमतें

है और आने वाले दिनों में कई अन्य शहरी गैस वितरक कंपनियों के ऐसा करने की संभावना है। नियामक का कहना है कि नए ढांचे से गैस परिवहन प्रणाली अधिक सरल, न्यायसंगत और किफायती बनेगी। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण, सीएनजी और घरेलू रसोई ईंधन के रूप में किया जाता है।

संशोधित शुल्क व्यवस्था के तहत दूरी आधारित शुल्क क्षेत्रों की संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है। ये दो शुल्क क्षेत्र 300 किलोमीटर तक और उससे अधिक दूरी के हैं। सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए अब पूरे देश में एकसमान, कम दर वाला जोन-1 शुल्क ही लागू होगा। यह दर लगभग 54 रुपये प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट है, चाहे गैस स्रोत की दूरी कुछ भी हो। इससे पहले लंबी दूरी वाली गैस पर अधिक शुल्क वसूला जाता था। शुल्क कटौती के बाद शहरी गैस वितरण से जुड़ी कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में सीएनजी की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक और घरेलू पीएनजी में लगभग तीन रुपये प्रति मानक घन मीटर की कटौती की घोषणा की है।

राष्ट्रीय

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका

हिंसा रोकने में संवैधानिक विफलता का आरोप, न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ देश में नस्ली भेदभाव एवं हिंसा को रोकने न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें इस तरह की हिंसा रोकने में लगातार संवैधानिक विफलता का भी जिक्र किया गया है।

जनहित याचिका त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मद्देनजर 28 दिसंबर को दायर की गई थी। चकमा की 27 दिसंबर को देहरादून के सेलाक्वी क्षेत्र में नस्ली हमले में लगी गंभीर चोटों के कारण मृत्यु हो गई थी। उनाकोटी जिले के मचमारा के रहने वाले चकमा अगरतला के होली क्रॉस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमबीए करने के लिए देहरादून गए थे, जहां उसके छोटे भाई माइकल की मौजूदगी में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। चकमा के परिजन इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के लिए मौत की सजा या कम से कम आजीवन कारावास की मांग कर रहे हैं।

हम भारतीय हैं, इसे साबित करने के लिए हमें आपको कौन सा प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए। टकराव के क्रूर हिंसा में बदलने से पहले ये शब्द बेहद दुखद रूप से एंजेल चकमा के संवैधानिक नागरिकता के बारे में आखिरी दर्ज बयान बन गए। - याचिका

दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है, पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के भारतीय नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा के मुद्दे के समाधान के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की जाती है। याचिका में चकमा की मौत से संबंधित मीडिया की खबरों का भी हवाला दिया गया। इसमें कहा गया है, व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने, नस्ली अपमान को घृणा अपराधों की एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता देने और इसके लिए सजा निर्धारित करने के उद्देश्य से एक उपयुक्त रिट (कानून बनने तक अंतरिम) जारी की जाए।

याचिका में केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने का आग्रह किया गया कि वे केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर एक नोडल एजेंसी या स्थाई निकाय या आयोग या निदेशालय का गठन करें, जहां इस तरह के नस्ली अपराधों की रिपोर्ट की जा सके और उनका निवारण किया जा सके। याचिका में कहा गया है, केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर संबंधित पक्षों को निर्देश दिया जाए कि वे प्रत्येक जिले/महानगर में नस्ली अपराधों से निपटने के लिए एक समर्पित विशेष पुलिस इकाई का गठन करें। कहा गया है कि चकमा की हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों के खिलाफ नस्ली दुर्व्यवहार और हिंसा के लंबे समय से चले आ रहे सिलसिले का हिस्सा है।

कामकाज में सुगमता के लिए एसओपी जारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें उसके समक्ष पेश होने वाले वकीलों की ओर से दलीलों और लिखित निवेदन प्रस्तुत करने के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। यह कदम न्यायालय के कामकाज में सुगमता और न्याय मुहैया कराने की व्यवस्था में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और शीर्ष कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों ने सोमवार को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलें प्रस्तुत करने की समयसीमा का पालन करने के लिए एसओपी तय की गई है। तत्काल प्रभाव से लागू इस एसओपी में कहा गया है, वरिष्ठ अधिवक्ता, दलील रखने वाले वकील और रिकॉर्ड पर मौजूद अधिवक्ता, नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में मौखिक बहस करने की समयसीमा सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले प्रस्तुत करेंगे। यह समय-सीमा न्यायालय को 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' (एओआर) को पहले से उपलब्ध कराए गए उपस्थिति पर्ची जमा करने के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। कहा गया है कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित बहस करने वाले वकील, अपने एओआर या पीठ द्वारा नामित नोडल वकील के माध्यम से, सुनवाई की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले दूसरे पक्ष को एक प्रति देने के बाद संक्षिप्त नोट या लिखित प्रस्तुति दाखिल करेंगे, जो पांच पृष्ठ से अधिक का नहीं होगा।

चकमा की हत्या की धीमी जांच पर त्रिपुरा सरकार में नाराजगी

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने देहरादून में नस्लीय हिंसा के शिकार हुए एंजेल चकमा के परिवार को एकमुश्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि चकमा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस बीच त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथी ने मामले की जांच में धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई है।

त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने एंजेल की हत्या में शामिल भगोड़े को पकड़वाने में मदद

- भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथा ने लगाया अपराध को कमतर आंकने का आरोप
- चकमा के परिवार को त्रिपुरा सरकार की ओर से पांच लाख रुपये देने की घोषणा

करने वाले सूचना देने वालों को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। उत्तराखंड सरकार की ओर से भगोड़े की गिरफ्तारी के लिए 25,000 रुपये के इनाम की खबरों पर देबबर्मन ने जांच की गंभीरता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या एंजेल की जान की कीमत यही है। उन्होंने अधिकारियों से आदिवासी समुदायों के खिलाफ अपराधों को कमतर आंकने से बचने की अपील की।

एमबीए के 24 वर्षीय छात्र एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल पर 9 दिसंबर को उत्तराखंड में देहरादून के सेलाकुई इलाके में कुछ लोगों ने चाकू से हमला किया था। एंजेल की उपचार के दौरान 26 दिसंबर को मौत हो गई, जबकि माइकल का इलाज चल रहा है। त्रिपुरा में छात्र संगठनों ने एंजेल और उनके भाई पर हुए नस्लीय हमले के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा है, जबकि उत्तराखंड पुलिस ने हमले में नस्लीय मकसद होने से इन्कार किया है।

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता बनर्जी : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी।

शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य एजेंडा होगा। शाह ने घोषणा की कि बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने

- केंद्रीय गृहमंत्री ने तृणमूल प्रमुख पर बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने का लगाया आरोप

कहा, इंसान छोड़ दीजिए, परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, इस प्रकार की मजबूत ग्रिड की रचना हम करेंगे। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए बीएसएफ को दोषी ठहराती हैं। मैं उनसे इस सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह जवाब देना होगा कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा या देश के पश्चिमी राज्यों जैसे राजस्थान और गुजरात के अलावा पंजाब और कश्मीर की तुलना में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या अधिक गंभीर क्यों है। उन्होंने कहा, ऐसा सिर्फ बंगाल में ही क्यों होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां आपकी सीधी निगरानी में घुसपैठ होती है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की जनसांख्यिकी में धीरे-धीरे लेकिन लगातार बदलाव होता है, जिससे आपका वोट बैंक मजबूत होता है।

कांग्रेस का आयोग पर एसआईआर पर यूटर्न का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर एसआईआर को लेकर बार-बार यूटर्न लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया का पालन तथा किस एप का उपयोग कर रहा है।

पार्टी के लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने यह दावा भी किया कि आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग बंद किया, लेकिन 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में फिर से शुरू कर दिया है। सेंथिल ने कहा, पहले डुप्लीकेट मतदाता की पहचान और उन्हें चिह्नित करने के लिए 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग किया जाता था। यदि कोई एक से अधिक बूथ या जिले में पंजीकृत पाया जाता है तो सॉफ्टवेयर इसे चिह्नित करता है, जिसके बाद बीएलओ निवास की जांच करने के लिए जमीनी सत्यापन करता है।

पांच महीने बाद भी धनखड़ को सरकारी आवास नहीं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास नहीं मिला है। अगस्त में धनखड़ ने केंद्र सरकार को सरकारी आवास के लिए एक पत्र भी लिखा था लेकिन उसका भी कोई नतीजा नहीं निकला।

- अगस्त में आवास मंत्रालय को लिखे पत्र भी कोई कार्रवाई नहीं

धनखड़ ने इस वर्ष संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ हफ्तों बाद सितंबर में उन्होंने अपने आधिकारिक आवास 'उपराष्ट्रपति एन्क्लेव' को खाली कर दिया था और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए थे। धनखड़ ने 22 अगस्त को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को प्राप्त होने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया था। धनखड़ के करीबी एक व्यक्ति ने कहा, इसके बाद भी अभी तक उन्हें वह आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिसके वह हकदार हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ लगभग दो लाख रुपये प्रति माह की पेंशन, टाइप-8 बंगला, एक निजी सचिव, एक अतिरिक्त निजी सचिव, एक निजी सहायक, एक चिकित्सक, एक नर्सिंग अधिकारी और चार निजी परिचारकों के हकदार हैं।

तृणमूल का जवाब, चुनाव में 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी भाजपा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के दो-तिहाई बहुमत हासिल किए जाने का उनका दावा हवा-हवाई है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ब्रत्य बसु ने कहा कि चुनाव में भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकेगी और उसे शर्मनाक हार

- कुलदीप सेंगर और बृजभूषण सिंह को संरक्षण देने वाले महिला सुरक्षा पर उपदेश न दें

का सामना करना पड़ेगा। तृणमूल की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशि पांजा ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शाह की टिप्पणियों के जवाब में कहा, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को आपकी पार्टी के कार्यकर्ता माला पहनाते हैं। आपकी पार्टी कुलदीप सेंगर और बृज भूषण को संरक्षण देती है जिन पर अत्याचार करने के आरोप लगे हैं। शाह को महिलाओं की सुरक्षा पर उपदेश नहीं देना चाहिए। पांजा ने शाह और भाजपा पर उस अपराजिता विधेयक को पारित होने में बाधा डालने का आरोप लगाया जिससे बलात्कारियों को दोषी पाए जाने के बाद नजीर बनने वाली सजा सुनिश्चित हो पाती।

जिया के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध रहे जटिल और तनावपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दो पूर्व राजनयिकों ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का राजनीतिक उत्थान, उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनः स्थापना के प्रति देश की दृढ़ता का प्रतीक था और साथ ही उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को भी मजबूती दी, जो उनके पति की मृत्यु के बाद पूरी तरह बिखरने के गंभीर खतरे का सामना कर रही थी।

उन्होंने यह भी कहा कि खालिदा जिया के कार्यकाल के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे, जिसका कारण पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों

● बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

को कथित समर्थन और उन्हें बांग्लादेश में पनाह मिलना बताया गया। हालांकि सैन्य शासन के पश्चात उनकी देश में लोकतंत्र बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि जिया के दूसरे कार्यकाल (2001-2006) के दौरान पाकिस्तान का प्रभाव काफी अधिक था और यह भारत के लिए बेहद कठिन समय था। पूर्व राजनयिक वेणु राजामोनी ने कहा कि जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे।

पति की कब्र के बगल में होंगी सुपुर्द-ए-ख़ाक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने बताया कि जिया का अंतिम संस्कार बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद के साउथ प्लाजा और उससे सटे मानिक मियां एवेन्यू में होगा।

आधुनिक अस्त्र शस्त्रों से लैस होगी सेना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने अपनी तीनों सेनाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए सेनाओं को नए और अत्याधुनिक हथियारों और युद्ध में सहायक उपकरणों से लैस किया जा रहा है जो नई युद्ध प्रणाली में कारगर साबित होंगी। हाल ही में सरकार ने 79 अरब रुपये के सैन्य साजो सामान की खरीद को मंजूरी दी है। जिसके तहत तोपखाना रेजिमेंट की क्षमता में इजाफा करने के लिए घातक ड्रोन, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले वायुयानों और ड्रोन का पता लगाने के लिए लो लेवल रडार, रॉकेट लांचर, लंबी दूरी तक मार करने वाले गाइडेड रॉकेट और लंबी दूरी तक मार करने वाली एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 शामिल है। इनसे न केवल सेना को मजूबती मिलेगी वरन वैश्विक परिदृश्य में भारत की सामरिक ताकत में भी इजाफा होगा।

बढ़ेगी देश की ताकत

बड़े हथियार और रणनीतिक प्रणालियां

● रक्षा मंत्रालय ने जिन हथियार और प्रणालियों की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। उसमें विशेष रूप से लॉइटर म्यूनिशन, लंबी दूरी के रॉकेट, उन्नत राडार और ड्रोन इंटरसेप्शन सिस्टम शामिल हैं, जिससे भारतीय सेना की युद्ध-क्षमता काफी मजबूत होगी। सेना के लिए क्लोज-क्वार्टर बैटल कार्बाइन जैसे आधुनिक छोटे हथियारों की खरीद भी तय हुई है, जो नजदीकी युद्ध और शहरी मुकाबलों में सैनिकों की प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाएंगे। नौसेना के लिए हैवी-वेट टॉरपीडो की खरीद से समुद्री लड़ाकू क्षमता में इज़ाफा होगा। इसके पूर्व भी सेना के लिए खरीद सौदों को मंजूरी दी गई थी।

कम ऊंचाई के वॉर में बढ़ेगी क्षमता

● **लो लेवल रडार** : ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का ध्यान जहां कम ऊंचाई वाले हवाई युद्ध में क्षमता बढ़ाने पर है। लो लेवल रडार कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन, यूएवी की पहचान कर सकेंगे और उन्हें खतरे से पहले नष्ट किया जा सकेगा।

लांग रेंज गाइडेट रॉकेट : लांग रेंज गाइडेड रॉकेट सामान्य रॉकेटों की तुलना में अचूक निशाना लगाने में सक्षम होगा।

एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 : रेंज ज्यादा होने से यह युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में रक्षा करने में सक्षम होगी। इससे दूर से ही दुश्मन को मार गिराया जा सकता है।

ऑटो टेक ऑफ प्रणाली : वायुसेना को स्वचालित टेक ऑफ और लैंडिंग रिकार्डिंग प्रणाली मुहैया कराई जाएगी जिससे हवाई सुरक्षा की कमियां दूर होंगी।

महत्वपूर्ण भूमिका

● 2025 में सेना के कई सफल ऑपरेशन्स में इन नई प्रणालियों की भूमिका रही है, और इससे सेना की समग्र तैयारी और आत्म-निर्भरता में वृद्धि हुई है। आधुनिक युद्ध अब सिर्फ़ सैनिक ताकत नहीं, बल्कि तकनीक और प्रणाली की ताकत है। मॉडर्न हथियार और सिस्टम से सेनाओं की वास्तविक सैन्य सक्षमता बढ़ेगी, खासकर सीमा पर चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के मुकाबले में।

समुद्र में भी मजबूत

● नौसेना को भी मानव रहित निगरानी ड्रोन के अलावा अन्य संशाधनों से लैस किया जा रहा है। नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों को बंदरगाह पर सुरक्षित लाने और ले जाने के लिए बोलार्ड पुल टग्स दिए जाएंगे। गुप्त संचार के लिए हाई फ्रिक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक से लैस किया जाएगा। यह पीठ पर लादा जा सकने वाली संचार प्रणाली है जिसे आसानी से हैक नहीं किया जा सकेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुतिन ने मुर्मू, मोदी को दीं नववर्ष की बधाई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। रूसी सत्ता के केंद्र क्रेमलिन कहा कि क्रिसमस और आगामी नव वर्ष 2026" के लिए ये शुभकामनाएं दी गईं। पुतिन ने चीन और स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) देशों के नेताओं को शुभकामनाएं दीं, लेकिन उन प्रमुख यूरोपीय देशों को नजरअंदाज किया, जो वर्तमान में यूक्रेन युद्ध के कारण मॉस्को के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि, पुतिन ने नाटो और यूरोपीय संघ के मित्र सदस्य देशों हंगरी और स्लोवाकिया के नेताओं को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक को भी बधाई दी। तीस दिसंबर रूस में कामकाज का आखिरी दिन है, क्योंकि देश में नए साल और ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस (जो सात जनवरी को मनाया जाता है) की लंबी छुट्टियां शुरू हो जाती हैं, जो 12 जनवरी तक चलती हैं।

चीन कर रहा ताइवान पर हमले की तैयारी

ताइपे। अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि चीन ने ताइवान पर हमला करने की तैयारी तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन की तैयारी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की नाकाबंदी करने की क्षमता दिखाने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन की गई है। रोजर ने कहा कि ताइवान पर हमले के लिए चीन के अभ्यास लगातार तेज हो रहे हैं। ये कम समय के नोटिस पर होने वाले अभ्यास पीएलए की ताइवान की नाकाबंदी लागू करने की क्षमता दिखाने और कम्युनिस्ट चीनी पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कंबोडिया की सीमा पर ड्रोन पर प्रतिबंध

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने खासकर थाईलैंड से लगे अपने सीमावर्ती इलाकों में सोमवार की रात से बिना इजाजत के ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कम्बोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजधानियों और प्रांतों में विशेष रूप से कोह कोंग, पुरसात, बट्टमबांग, बंतेय मीनचे, ओडार मीनचे, प्रेह विहार और पायलिन के सीमावर्ती प्रांतों में बिना अनुमति के सभी प्रकार के मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन) के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाता है। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों और सैनिकों के लिए सुरक्षा, संरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका

ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान दी चेतावनी

● हमास को भी जल्द हथियार छोड़ने के लिए चेताया

पाम बीच (फ्लोरिडा), एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोशिश की तो अमेरिका उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है। ट्रंप ने यह चेतावनी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का अपने फ्लोरिडा स्थित आवास पर स्वागत के दौरान दी। नेतन्याहू गाजा सहित अन्य मुद्दों पर व्यापक बातचीत के लिए फ्लोरिडा पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब वे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि जून में ईरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन स्थलों पर अमेरिकी हमलों से तेहरान की परमाणु क्षमताएं पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के हवाले से स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट हैं कि ईरान इजराइल पर हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें फिर से तैयार कर सकता है। नेतन्याहू के मार-ए-लागो एस्टेट पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि अब मैं सुन रहा हूं कि ईरान फिर से निर्माण करने की कोशिश कर रहा है और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हमें उन्हें कुचलना पड़ेगा। हम उन्हें कुचल देंगे। ईरान का कहना है कि वह देश में किसी भी स्थल पर अब यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। वह पश्चिमी देशों को यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर संभावित बातचीत के लिए तैयार है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नेतन्याहू तेहरान के खिलाफ फिर से संभावित सैन्य कार्रवाई पर ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। नेतन्याहू की यह यात्रा गाजा के लिहाज से भी अहम है। ट्रंप अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल-हमास संघर्षविराम समझौता कराने की दिशा में नई गति पैदा करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह वार्ता के दूसरे चरण तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि लेकिन हमास को निरस्त्र करना होगा।

फ्लोरिडा में मार-ए-लागो क्लब में दोपहर के भोजन के दौरान मुलाकात करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

ट्रंप ने दोहराया भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त कराने का दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त कराने के अपने दावे को फिर दोहराया। सोमवार को फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो में नेतन्याहू और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक शुरू करते हुए ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में उन्होंने अब तक आठ युद्ध रुकवाए हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध रुकवाया, दोनों देशों को शुल्क लगाने की धमकी दी, साथ ही अन्य संघर्षों को भी समाप्त किया, लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जाता। इसके बाद ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने के दावे को भी दोहराया। ट्रंप ने कहा कि आठ युद्धों का निपटारा किया... अजरबैजान को लेकर पुतिन ने मुझसे कहा कि मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि आपने वह युद्ध सुलझा दिया।

सेना को कार्बाइन, नौसेना को मिलेंगे तारपीडो

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए क्लोज क्वार्टर बैटल (सी क्यू बी) कार्बाइन और नौसेना के लिए हेवी वेट तारपीडो की खरीद के 4,666 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए।

● रक्षा मंत्रालय ने 4666 करोड़ के अनुबंधों पर किए हस्ताक्षर

सेना और नौसेना के लिए सहायक उपकरणों के साथ लगभग 4 लाख 25 हजार सीक्यूबी कार्बाइन खरीदी जाएंगी और इसके लिए भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 2,770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है। सी क्यू बी स्वदेशी, हल्की और कॉम्पैक्ट बंदूक है जिसे खास तौर पर नजदीकी लड़ाई और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के तहत पुरानी हथियार प्रणालियों को अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक में बदलते हुए भारतीय सैनिकों को विश्वस्तरीय मारक क्षमता से लैस करने के असाधारण और सतत प्रयासों की परिणति है। सीक्यूबी आधुनिक पैदल सेना के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं।

रूस ने अपने बेड़े में शामिल की नई परमाणु मिसाइल

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसकी परमाणु सक्षम ओरेशिनक मिसाइल प्रणाली सक्रिय सेवा में शामिल हो गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांतिवार्ता में शामिल वार्ताकारों की लड़ाई को खत्म करने को लेकर की जा रही कोशिशों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है।

मंत्रालय ने बताया कि ये मिसाइलें पड़ोसी देश बेलारूस में तैनात की गयी हैं जहां सैनिकों ने इस अवसर पर एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया। हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि कितनी मिसाइलें तैनात की गई हैं। उसने कोई अन्य विवरण भी नहीं दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर के आरंभ में कहा था कि ओरेशिनक इस महीने युद्धक सेवा में शामिल हो जाएगी।

सऊदी अरब ने यमन पर की बमबारी, बढ़ा तनाव

दुबई, एजेंसी

● यूएई से अलगाववादियों के लिए लाए हथियारों को निशाना

सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर एक अलगाववादी संगठन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। संयुक्त अरब अमीरात ने इन हमलों की तत्काल पुष्टि नहीं की। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के बीच तनाव और बढ़ने का संकेत देता है। इससे रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में भी तनाव बढ़ने का संकेत मिलता है।

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध में दोनों देश अलग-अलग पक्षों का समर्थन करते रहे हैं। सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी।

इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है। बाद में, सऊदी अरब ने यूएई को चेतावनी दी कि यमन में अलगाववादियों की गतिविधियों को उसके द्वारा दिया जा रहा समर्थन बेहद खतरनाक है। सऊदी विदेश मंत्रालय के इस बयान में यूएई को एसटीसी की हालिया गतिविधियों से सीधे तौर पर जोड़ा गया। यह बयान अलगाववादियों के कदमों को लेकर अबू धाबी के लिए चेतावनी है।

बांग्लादेश ने भारत से अपने उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

ढाका। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह विदेश मंत्रालय के आपात बुलावे' पर सोमवार रात को ढाका पहुंच गए। सोमवार देर रात मिली रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है। दैनिक समाचार पत्र प्रथोम आलो की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों की हालिया स्थिति को देखते हुए नयी दिल्ली में बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम रियाज हमीदुल्लाह को आपात आधार पर ढाका बुला लिया गया है।

युवा पीढ़ी को भारत की जड़ों और विरासत से जोड़ रहा संघ

नागपुर, एजेंसी

● इजराइली राजनयिक ने की संगठन के कार्यों की प्रशंसा

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने युवा पीढ़ी को उनकी जड़ों, विरासत और भारत के इतिहास से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंगलवार को प्रशंसा की और कहा कि संगठन द्वारा संचालित गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं।

रेवाच ने यह भी कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत और इजराइल रणनीतिक सहयोगी हैं। इजराइली महावाणिज्यदूत ने नागपुर हवाई अड्डे पर कहा कि मेरे लिए आरएसएस का दौरा करना और यहां उनके द्वारा आयोजित गतिविधियों को देखना महत्वपूर्ण था। ये गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं क्योंकि वे युवा पीढ़ी के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें भारत की जड़ों, विरासत और इतिहास से जोड़ रहे हैं।

उन्होंने एक दिन पहले रेशिमबाग क्षेत्र स्थित स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया था, जहां आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार का स्मारक है।

साहित्य महोत्सव में शामिल होंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली। नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 22 जनवरी से शुरू होने वाले नौवें केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में भाग लेने वाली हैं। उम्मीद है कि अंतरिक्ष में 300 से अधिक दिन बिता चुकीं 60 वर्षीय विलियम्स पृथ्वी से दूर अपनी यात्रा, विज्ञान, अन्वेषण, नेतृत्व और मानवीय जिज्ञासा की स्थायी शक्ति के बारे में बात करेंगी। केएलएफ के मुख्य सूत्रधार रवि डीसी ने कहा कि केरल साहित्य महोत्सव हमेशा से ही विज्ञान को महत्व देता आया है।

हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी

● नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया देश के लिए अहम उपलब्धि

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को हरी झंडी दिखाकर पहली उड़ान के लिए रवाना किया। यहां उड़ान भरने से पहले केंद्रीय मंत्री ने हेलीकॉप्टर की उन्नत प्रणालियों और विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में प्रवेश किया।

ध्रुव एनजी महज 5.5 टन का एक हल्का, दो इंजन वाला और बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय भूभाग की विविध और

चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हेलीकॉप्टर भारतीय विमानन इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एचएएल के सभी कर्मचारियों, डिजाइनरों और इंजीनियरों से लेकर तकनीशियनों तक को बधाई दी।

नायडू ने कहा कि नागरिक विमानन मंत्री के रूप में यह मेरे लिए विशेष रूप से गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह विकास स्वदेशी एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ध्रुव-एनजी महज एक मशीन नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए डीजीसीए द्वारा टाइप सर्टिफिकेट देने को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए अहम बताया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 1 जनवरी 01.47 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

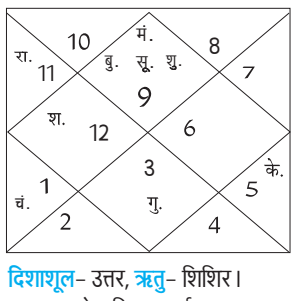

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- कृत्तिका 1 जनवरी 01.29 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष आज किसी पुरानी समस्या का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन पर आपको काफी ध्यान देना चाहिए। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी। आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष आज धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए दिन काफी शुभ है। किसी बड़े कार्य को लेकर धन की समस्या हल हो सकती है। बच्चों को बड़ी सफलता मिल सकती है।

मिथुन आज लंबी दूरी की यात्रा न करें। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। रक्तचाप और गठिया रोगियों को परेशानी होने की संभावना है।

कर्क आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। काफी दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आएंगी। अनुसंधान संबंधित प्रोजेक्ट्स में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बिताएंगे।

सिंह आज अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे।

कन्या आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। लोग आपसे काफी अपेक्षाएं रखे हुए हैं, जिसे आप पूरा भी करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

तुला आज नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ नहीं है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। विद्वान लोगों की संगति आपके लिए लाभकारी होगी।

धनु आज नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में स्थापित होगी।

मकर आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

कुंभ आज आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

मीन आज पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

सुडोकू-18

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8	2		9	4	1		
		3		8				5
		9	6		7			
3				6		7		9
	1						4	
8		6		5				2
			3		8	5		
5				2		4		
		7	9	1		8	6	

सुडोकू - 17 का हल

4	6	8	1	3	9	5	7	2
7	3	5	8	2	4	9	1	6
1	9	2	5	6	7	4	3	8
2	4	6	3	5	8	7	9	1
5	1	9	7	4	6	8	2	3
8	7	3	9	1	2	6	5	4
3	5	4	6	9	1	2	8	7
9	2	7	4	8	3	1	6	5
6	8	1	2	7	5	3	4	9

भले ही ऑस्ट्रेलिया टी-20 या वनडे चैंपियन न हो, लेकिन वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। फरवरी में जब हम भारत की मेजबानी करेंगे तो मैं और मेरी टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

एशले गार्डनर
ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

खालिदा जिया के निधन के बाद बीपीएल का मैच स्थगित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए हैं। दोनों मैच अब बुधवार को खेले जाएंगे। बीपीएल के मैच स्थगित करने का फैसला सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सिलहट टाइटन्स और चटगांव रॉयल्स के बीच दिन के पहले मैच के टॉस से दो घंटे पहले लिया गया। बीसीबी ने एक्स पर कहा कि बीपीएल 2026 बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान सम्मान में एकजुट है। 30 दिसंबर 2025 को होने वाले मैच 31 दिसंबर 2025 को खेले जाएंगे।

पूरा वेतन न मिलने पर प्रो लीग का बहिष्कार करेंगे पाक खिलाड़ी

लाहौर। पाकिस्तान की हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में होने वाले पुरुष एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। इन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें इस महीने की शुरुआत में खेले मैचों के लिए पूरा दैनिक भत्ता नहीं दिया गया है। राष्ट्रीय पुरुष टीम के दो सदस्यों ने पुष्टि की कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को स्पष्ट संदेश भेज दिया गया था कि यदि वित्तीय मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो कई खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

पीसीबी ने मुख्य कोच महमूद से नाता तोड़ा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला किया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन उन्हें समय से पहले हटा दिया गया है। पाकिस्तान अगला टेस्ट मैच मार्च 2026 में खेलेगा। बोर्ड के सूत्र ने बताया कि अजहर का अनुबंध मार्च में समाप्त हो रहा है और पाकिस्तान की टीम का टेस्ट दौरा मार्च 2026 से शुरू होगा, इसलिए बोर्ड नए मुख्य कोच के लिए अपनी रणनीति अभी से तैयार करना चाहता है। अजहर का बोर्ड के साथ दो साल का अनुबंध था। उन्हें पिछले साल टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप होगी नीलाम

सिडनी। महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी उसकी अगले महीने नीलामी होगी। ब्रैडमैन ने भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को कैप उपहार में दी थी। वह स्वतंत्र भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई है लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया या बिक्री के लिए नहीं रखा गया। ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के अनुसार यह कैप 75 वर्षों से अधिक समय से एक ही परिवार के पास है। लॉयड्स ऑक्शंस के ली हेम्स ने कहा कि यह क्रिकेट इतिहास की वास्तविक वस्तु है जिसे सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने उपहार में दिया था।

भारत ने 5-0 से किया क्लीन स्वीप

पांचवां और अंतिम टी-20 मैच श्रीलंका को 15 रनों से हराकर शृंखला की अपने नाम

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की शृंखला में 5-0 से क्लीनस्वीप किया। भारत ने किसी द्विपक्षीय शृंखला में स्वदेश में पहली और कुल तीसरी बार 5-0 से किसी टीम का सूपड़ा साफ किया है। श्रीलंका को पहली बार इस अंतर से हार का सामना करना पड़ा है।

भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम हसिनी परेरा (65 रन, 42 गेंद, आठ चौके, एक छक्का) और इमेशा दुलानी (50 रन, 39 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट चटकाया। हरमनप्रीत ने 43 गेंद में नौ चौकों और एक छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को सात विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 27 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी (11 रन पर दो विकेट), कप्तान चामरी अटापट्टू (21 रन पर दो विकेट) और रश्मिका सेवांडी (42 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए।

मैच के दौरान साथियों खिलाड़ियों के साथ भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका ने दूसरे ओवर में ही कप्तान चामरी (02) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अरुंधति की गेंद पर दीप्ति शर्मा को कैच थमाया। हसिनी और इमेशा ने पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 48 रन तक पहुंचाया। इमेशा ने दीप्ति पर लगातार दो चौकों के अलावा अरुंधति और स्नेह की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। इमेशा और हसिनी ने पावर प्ले के बाद स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी। दोनों ने हालांकि खराब गेंदों को सबक सिखाने में भी कोताही ही नहीं बरती। इमेशा ने वैष्णवी पर लगातार दो चौकों और फिर एक रन के साथ सिर्फ 38 गेंद में अपना पहला टी20 अर्धशतक पूरा किया।

हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद अमनजोत को थमाई जिन्होंने पहली ही गेंद पर इमेशा को शेफाली के हाथों कैच कराके भारत को बड़ी सफलता दिलाई। श्रीलंका के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन इसी ओवर में दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा (03) को पगबाधा कर दिया। वैष्णवी ने अगले ओवर में कविशा दिलहारी (05) को बोल्ड करके श्रीलंका को चौथा झटका दिया। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 64 रन की दरकार थी। हसिनी ने अमनजोत की गेंद पर एक रन के साथ अपने 89वें मैच में पहला अर्धशतक पूरा किया। हसिनी ने श्री चरणी की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गईं। श्रीलंका ने विकेटकीपर बल्लेबाज कौशिनी नुथ्यानग्ना (01) और हर्षिता समरविक्रम के विकेट लगातार गेंद पर गंवाए जिससे उसकी जीत की उम्मीदें टूट गईं। टीम को अंतिम दो ओवर में 34 रन की जरूरत थी जो उसके लिए पहाड़ जैसा लक्ष्य साबित हुआ। इससे पहले चामरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद भारत ने फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा (05) का विकेट दूसरे ओवर में ही गंवा दिया जिनका लॉन्ग ऑन पर इमेशा दुलानी ने शानदार कैच लपका। पदार्पण कर रही सलामी बल्लेबाज जी कमालिनी (12) और हरलीन देओल ने माल्की मदारा और निमाशा मीपागे पर चौके जड़े। कविशा ने कमालिनी को पगबाधा करके भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 40 रन बनाए। रश्मिका ने हरलीन (13) को बोल्ड करके भारत का स्कोर तीन विकेट पर 41 रन किया।

हरमनप्रीत ने इनोका रणवीरा पर तीन चौकों के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन ऋचा घोष सिर्फ पांच रन बनाने के बाद चामरी की गेंद पर विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यानग्ना को कैच दे बैठीं। चामरी ने दीप्ति शर्मा (07) को निमाशा के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया। अमनजोत कौर (21) ने 14वें ओवर में निमाशा पर चौके के साथ 31 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया जबकि हरमनप्रीत ने भी गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए।

हरमनप्रीत ने अगले ओवर में चामरी पर लगातार दो चौकों और एक रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और टीम का स्कोर 100 रन पार पहुंचाया। हरमनप्रीत ने इनोका की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। अमनजोत ने रश्मिका पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर कविशा को कैच दे बैठीं। कविशा ने अगले ओवर में हरमनप्रीत को बोल्ड करके भारत को बड़ा झटका दिया। अरुंधति ने अंतिम ओवर में मदारा की लगातार गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग

शेफाली-रेणुका ऊपर दीप्ति नंबर 1 पर कायम

दुबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। 21 वर्ष की शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 शृंखला के दूसरे मैच में 34 गेंद में नाबाद 69, तीसरे मैच में 42 गेंद में 79 और चौथे में 46 गेंद में 79 रन बनाए।

चौथे टी-20 में 80 रन बनाने वाली उपकप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर है जबकि जेमिमा रौड्रिग्स एक पायदान खिसककर 10वें स्थान पर हैं। अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि रेणुका सिंह ठाकुर शीर्ष दस में पहुंची हैं। तीसरे मैच में चार विकेट लेने वाली रेणुका आठ पायदान चढ़कर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी 17 पायदान चढकर 52वें और वैष्णवी शर्मा 390 पायदान चढ़कर 124वें स्थान पर है। श्रीलंका के लिए खब्बू सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा 114 पायदान चढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

क्रिकेट में आपको ज़ीरो से शुरू करना होता है : स्मृति मंधाना

त्रिवेंद्रम। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में हर पारी शुरू से शुरू होती है और पिछला प्रदर्शन भविष्य में सफलता की गारंटी नहीं देता, उन्होंने सभी फ़ॉर्मेट में संतुलित सोच की जरूरत पर जोर दिया। बीसीसीआई के शेयर किए वीडियो में मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में आपको जीरो से शुरू करना होता है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी नहीं होता जो आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में किया हो। अलग-अलग फ़ॉर्मेट में उम्मीदें अलग होती हैं, टी-20 में वनडे और टेस्ट की तुलना में अलग मानसिक नजरिए की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टी20 थोड़ा इस तरह का है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज्यादा सख़्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी रफ़्तार से खेल रहे होते हैं जहां कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह कामयाब होगा और कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह नहीं होगा। मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट को लेकर खुद पर बहुत सख़्त हूं, क्योंकि आपके पास बहुत समय होता है। अगर आप वहां आउट होते हैं, तो यह मेरे लिए पाप जैसा लगता है। जहां कुछ खास दिनों में काबिलियत से मैच जिताए जा सकते हैं, वहीं खिलाड़ियों को बिना सोचे नाकामियों को स्वीकार करना चाहिए।

विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया

दोहा, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मजबूत एंडगेम और त्वरित गणना के कौशल का नमूना पेश करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के पहले दिन संयुक्त बढ़त ली। एरिगैसी ने अन्य शीर्ष ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को भी मात देकर तीन अन्य गेम ड्रॉ किए। एरिगैसी ने पहले दिन 10 अंक हासिल किए और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

एरिगैसी ने कार्लसन को नौवें दौर में तनावपूर्ण एंडगेम में हराया। एरिगैसी के पास नौ सेकंड जबकि कार्लसन के पास तीन सेकंड थे। नॉर्वे का खिलाड़ी जैसे ही रानी को चलने वाला था, मोहरा उनके हाथ से फिसलकर मेज से बाहर जा गिरा। संयोग से तब अलेक्जेंडर ग्रिशुक वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने रास्ते से हटने की कोशिश की। जब तक कार्लसन ने अपनी रानी उठाई और उसे बोर्ड पर रखा, तब तक उनका समय समाप्त हो चुका था। विश्व ब्लिट्ज 2024 के सह-चैंपियन कार्लसन और इयान नेपोम्नियाची के संभावित 13 में से नौ अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मंगलवार को छह और राउंड खेले जाएंगे, जिसके बाद फाइनल होगा।

कार्लसन ने गुस्से में मेज पर मारा मुक्का

कार्लसन अपना गुस्सा नहीं छिपा सके और उन्होंने मेज पर मुक्का मारकर उसे बुरी तरह हिला दिया। कार्लसन ने इसी साल नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में डी गुकेश से हारने के बाद मेज पर इसी तरह हाथ पटका था। शीर्ष पर काबिज खिलाड़ियों से ठीक पीछे छह खिलाड़ी हैं जिनके समान 9 .5 अंक हैं।

महिला वर्ग में हंपी नहीं दोहरा सकीं प्रदर्शन

महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हंपी रविवार को रैपिड वर्ग में कांस्य पदक जीतने के दौरान दिखाए प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं और 10 राउंड के बाद संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर खिसक गईं। उनका दिन पांच अंकों के साथ समाप्त हुआ, जहां उनके साथ चीन की ग्रैंडमास्टर टैन झोंगयी भी हैं। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर हैं जबकि ग्रैंडमास्टर डी हरिका और आर वैशाली के समान 5 .5 अंक हैं। महिला वर्ग में पांच और राउंड होंगे, जिनमें से शीर्ष चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और उसके बाद फाइनल होगा।

खेलों में नारी शक्ति ने दिखाया जलवा

2025

भारतीय खेल प्रतिस्पर्धाएं

डोपिंग और प्रशासनिक समस्याएं बनी रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

चाहे वह क्रिकेट के मैदान की गहमागहमी हो या मुक्केबाजी का क्रूर रिंग या फिर शतरंज के बोर्ड पर दिमागी खेल हो या निशानेबाजी और तीरंदाजी में सटीक लक्ष्य लगाना, 2025 में महिला खिलाड़ियों ने हर खेल में अपनी खास छाप छोड़ी।

शतरंज में 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख भारत की पहली महिला विश्व कप विजेता बनीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली क्रिकेट टीम ने मुश्किल दौर से उबरकर महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। निशानेबाजी में 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में तीन व्यक्तिगत पदकों सहित चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर उस स्पर्धा में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें अब तक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का दबदबा रहा था। तीरंदाजी में 18 वर्षीय शीतल देवी न केवल बिना हाथ वाली पहली पैरा विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि उन्होंने सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम भी श्रीलंका से विश्व चैंपियन बनकर लौटी। दीपिका टीसी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। मुक्केबाजी में पुरुष खिलाड़ियों को साल भर संघर्ष करना पड़ा लेकिन महिला खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जैस्मीन लैंबोरिया और मीनाक्षी हुडा ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर मनोबल बढ़ाया। फुटबॉल के मैदान पर जहां पुरुष टीम झटके झेलती रही, वहीं महिला टीम ने अगले साल के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करके आशा की किरण जगाई।

मीराबाई चानू ने दी चुनौतियों को मात

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू की श्रेष्ठता को इस साल भी कोई चुनौती नहीं दे सका। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी भले ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन इसके बावजूद वह इस खेल में भारत की अग्रणी खिलाड़ी बनी हुई हैं। पीठ की लगातार समस्या से जूझने के बावजूद मीराबाई ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। उनका पसंदीदा 49 किलोग्राम वर्ग अब ओलंपिक सूची का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह देखना बाकी है कि वह 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों के लिए किस तरह से तैयारी करती हैं।

अंतिम पंघाल ने भी दिखाया दम

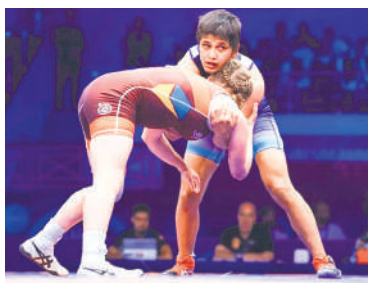

कुश्ती में महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने यह सुनिश्चित किया कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत का निराशाजनक प्रदर्शन ही इस वर्ष चर्चा का एकमात्र विषय न हो। अंतिम ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जो इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल कुश्ती डोपिंग विवादों और कुछ पहलवानों के अधिक वजन वर्ग के कारण प्रतियोगिताओं से बाहर होने के लिए अधिक चर्चा में रही थी।

पुरुष क्रिकेट और हॉकी टीम में मची रही गहमागहमी

भारतीय महिला टीम ने जहां वनडे विश्व कप जीता वहीं पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम हालांकि टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई। ऐसा ही कुछ भाला फेंक के धुरंधर नीरज चोपड़ा के साथ भी देखने को मिला। उन्होंने लंबे इंतजार के बाद दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर के जादुई आंकड़े को पार किया, लेकिन विश्व चैंपियनशिप में वह अप्रत्याशित रूप से आठवें स्थान पर रहे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में परेशानी की शुरुआत इस साल दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के साथ हुई। भले ही देश को शुभमन गिल के रूप में एक नया कप्तान मिल गया हो, फिर भी ये दोनों खिलाड़ी प्रशंसकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण बने रहे। ऐसा तब हो रहा है जबकि रोहित और कोहली दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में खेलते हैं। आलोचनाओं से घिरे मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इन दोनों खिलाड़ियों के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावनाओं पर सीधे जवाब देने से परहेज किया। पुरुष हॉकी टीम के लिए भी यह साल काफी अच्छा रहा। सीनियर टीम ने एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया और जूनियर टीम ने घरेलू धरती पर खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक जीता। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई लेकिन इस साल भी खेल प्रशासन प्रमुख चिंता का विषय बना रहा, जैसा कि एआईएफएफ के वाणिज्यिक साझेदार खोजने के संघर्ष से स्पष्ट होता है।

रोमांच का आगाज

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री को सौंपा

कार्यबल ने बताई कमियां, मांडविया बोले- करेंगे सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों समेत खेलों के विशेष पेशेवर कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक ईकाई के गठन की सिफारिश की है। कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मांडविया को सौंप दी है जिन्होंने मंगलवार को कहा कि भारत के खेल इकोसिस्टम को पेशेवर बनाने के प्रयास के तहत कार्यबल की सभी सिफारिशों को लागू किया जाएगा।

ओलंपिक 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने,

कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए कार्यबल का गठन किया था। कार्यबल ने खेल शिक्षा और सामर्थ्य निर्माण राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसईसीबी) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त ईकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी। नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था, जिसमे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज बिंद्रा के अलावा आदिले सुमरिवाला और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन भी थे।

कार्यबल ने रिपोर्ट में कहा है कि खेल प्रशासकों में पेशेवर कैडर का अभाव है और संस्थागत निरंतरता भी कमजोर है। ट्रेनिंग के मौके व्यवस्थित और आधुनिक नहीं है, जिसमे निरंतर पेशेवर विकास पर फोकस सीमित है। इसमें कहा गया कि खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है।

एनआईएस पटियाला को अकादमी बनाने का सुझाव खारिज

नई दिल्ली। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान को खेल प्रशासकों की ट्रेनिंग के लिए अकादमी बनाने के प्रस्ताव को कार्यबल ने खारिज कर दिया है और इसे प्रतिबंधात्मक और अस्थिर बताया। कार्यबल से समीक्षा के लिए कहा गया था कि पटियाला स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल संस्थान को क्या खेल प्रशासकों के सामर्थ्य निर्माण के लिए अकादमी बनाया जा सकता है। एनआईएस पटियाला में मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा देश में कोचिंग डिप्लोमा देने वाला भी यह प्रमुख संस्थान है। कार्यबल ने कहा कि एक राष्ट्रीय अकादमी का सुझाव अच्छा है।